प्रयागराज, रविवार 21 सितम्बर 2025 से 27 सितम्बर 2025 तक
वर्ष-13 , अंक-38
पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण

डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

अमेरिका एच-1बी वीजा के लिए रु88 लाख वसूलेगा,पहले रु6 लाख तक लगते थे, रु8.3 करोड़ में स्थायी निवास,सबसे ज्यादा भारतीयों पर असर

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका अब एच-1बी वीजा के लिए एक लाख डॉलर (करीब 88 लाख रुपए) एप्लिकेशन फीस वसूलेगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को व्हाइट हाउस में इस ऑर्डर पर साइन किए। अब तक एच-1बी वीजा की एप्लिकेशन फीस 1 से 6 लाख रुपए तक थी। इसके अलावा 'ट्रम्प गोल्ड कार्ड', 'ट्रम्प प्लेटिनम कार्ड' और 'कॉर्पोरेट गोल्ड कार्ड' जैसी सुविधाएं भी शुरू की गई हैं। ट्रम्प गोल्ड कार्ड व्यक्ति को अमेरिका में अनलिमिटेड रेसीडेंसी (हमेशा रहने) का अधिकार देगा। अनलिमिटेड रेसीडेंसी में नागरिकों को सिर्फ पासपोर्ट और वोट देने का अधिकार नहीं मिलता, बाकी सारी सुविधाएं एक अमेरिकी नागरिक के जैसी मिलती हैं। यह प्रक्रिया उसी तरह होगी, जैसे ग्रीन कार्ड के जरिए स्थायी निवास मिलता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प के इन बदलावों का विदेशी नागरिकों पर बहुत ज्यादा असर पड़ सकता है। अब कंपनियां सिर्फ उन्हीं कर्मचारियों को अमेरिका बुला सकेंगी, जिनके पास सबसे अच्छा स्किल होगा। इसका सीधा असर भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स पर पड़ेगा। ये बदलाव जल्द लागू किए जाएंगे। ट्रम्प बोले- सिर्फ टैलेंटेड लोगों को वीजा देंगे- राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि यह वीजा प्रोग्राम खास तौर पर धनी विदेशियों के लिए है, ताकि वे 10 लाख डॉलर देकर अमेरिका में रहते हुए काम कर सकें। उन्होंने कहा कि अब अमेरिका सिर्फ टैलेंटेड लोगों को ही वीजा देगा, न कि ऐसे लोगों को जो अमेरिकियों की नौकरियां छीन सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस रकम का इस्तेमाल टैक्स को घटाने और सरकारी कर्ज चुकाने में किया जाएगा। वहीं, वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने बताया कि यह गोल्ड कार्ड अब तक चल रहे ईबी-1 और ईबी-2 वीजा की जगह लेगा। ये कार्ड केवल उन्हीं लोगों को मिलेगा, जो अमेरिका के लिए 'फायदेमंद' माने जाएंगे। शुरुआत में सरकार लगभग 80,000 गोल्ड कार्ड जारी करने की योजना बना

रही है। लुटनिक ने कहा कि इस प्रोग्राम से अमेरिका को 100 अरब डॉलर की कमाई होगी। भारत पिछले साल एच-1बी वीजा का सबसे बड़ा लाभार्थी था। अप्रूव्ड वीजा में 71फीसदी वीजा भारतीयों के थे। चीन 11.7फीसदी के साथ दूसरे स्थान पर था। भारत की आईटी/टेक कंपनियां हर साल हजारों कर्मचारियों को एच-1बी पर अमेरिका भेजती हैं। हालांकि, अब इतनी ऊंची फीस पर लोगों को अमेरिका भेजना कंपनियों के लिए कम फायदेमंद होगा।71फीसदी भारतीय एच-1बी वीजा धारक हैं और यह नई फीस उनके लिए बड़ा आर्थिक बोझ बन सकती है। खासकर मिड-लेवल और एंट्री-लेवल कर्मचारियों को वीजा मिलना मुश्किल होगा। कंपनियां नौकरियां आउटसोर्स कर सकती हैं, जिससे अमेरिका में भारतीय पेशेवरों के अवसर कम होंगे। बता दें कि भारत हर साल लाखों इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस के ग्रेजुएट तैयार करता है, जो अमेरिका की टेक इंडस्ट्री में बड़ी भूमिका निभाते हैं। इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, कॉग्निजेंट और एचसीएल जैसी कंपनियां सबसे ज्यादा अपने कर्मचारियों को एच-1बी वीजा स्पॉन्सर करती हैं। कहा जाता है कि भारत अमेरिका को सामान से ज्यादा लोग यानी इंजीनियर, कोडर और छात्र एक्सपोर्ट करता है। अब फीस महंगी होने से भारतीय टैलेंट यूरोप, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, मिडिल ईस्ट के देशों की ओर रुख करेगा। व्हाइट हाउस के स्टाफ सेक्रटरी विल शार्फ ने कहा कि एच-1बी वीजा प्रोग्राम उन वीजा सिस्टम में से एक है जिसका सबसे ज्यादा गलत इस्तेमाल हुआ। इसका मकसद उन सेक्टरों में काम करने वाले हाई स्किल्ड लेबरर्स को अमेरिका में आने की इजाजत देना है, जहां अमेरिकी काम नहीं करते।विल शार्फ ने कहा- नए नियम के तहत, कंपनियां अपने लोगों को एच-1बी वीजा स्पॉन्सर करने के लिए एक लाख डॉलर फीस चुकाएंगी। इससे यह यह तय होगा कि विदेशों से जो लोग अमेरिका आ रहे हैं, वे सच में बहुत ज्यादा स्किल्ड हैं और उन्हें अमेरिकी कर्मचारी से रिप्लेस नहीं किया जा सकता। अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि सभी कंपनियां एच-1बी वीजा के लिए सालाना एक लाख डॉलर देने के लिए तैयार हैं। हमने उनसे बात की है। अगर आप किसी को ट्रेनिंग देने जा रहे हैं, तो किसी अमेरिकी यूनिवर्सिटी से निकले ग्रेजुएट को ट्रेनिंग दीजिए। अमेरिकियों को ट्रेनिंग दीजिए। हमारी नौकरियां छीनने के लिए लोगों को बाहर से लाना बंद करिए। इसके लिए एक सरकारी वेबसाइट (फ़्रेः/ ट्रल्स्ज्र्ी-दन/) बनाई गई है, जहां लोग अपना नाम, ईमेल और क्षेत्र की जानकारी देकर आवेदन शुरू कर सकते हैं। आवेदकों को 15,000 डॉलर की जांच फीस देनी होगी और सख्त सुरक्षा जांच से गुजरना होगा। कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लुटनिक के मुताबिक, यह गोल्ड कार्ड मौजूदा ईबी-1 और ईबी-2 वीजा की जगह लेगा। एक महीने के भीतर अन्य ग्रीन कार्ड श्रेणियां बंद हो सकती हैं। ईबी-1 वीजा अमेरिका का एक स्थायी निवास (ग्रीन कार्ड) वीजा है। ईबी-2 वीजा भी ग्रीन कार्ड के लिए है, लेकिन उन लोगों के लिए जो उच्च शिक्षा (मास्टर्स या उससे ऊपर) की योग्यता रखते हों। अमेरिका में एच-1बी वीजा प्रोग्राम की शुरुआत 1990 में उन लोगों के लिए की गई थी, जिनके पास साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ या ऐसे सब्जेक्ट से ग्रेजुएशन या उच्च शिक्षा की डिग्री हो, जिसमें नौकरियां मिलना मुश्किल माना जाता है। एच-1बी वीजा तीन से छह साल के लिए अप्रूव किया जाता है। बता दें कि कि ट्रम्प की पत्नी और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प को मॉडलिंग के लिए अक्टूबर 1996 में एच-1बी वीजा मिला था। मेलानिया का जन्म स्लोवेनिया में हुआ था। अब तक अमेरिका हर साल 85,000 एच-1बी वीजा लॉटरी सिस्टम के जरिए देता आ रहा है। इस साल, अमेजन ने अब तक सबसे ज्यादा एच-1बी वीजा हासिल किए हैं। अमेजन को 2025 में 10,000 से ज्यादा वीजा मिले हैं। उसके बाद टीसीएस, माइक्रोसॉफ्ट, एपल और गूगल है।

जैश-हिजबुल के आतंकी अब खैबर पख़्तून में ठिकाने बना रहे,दावा- ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीओके छोड़ रहे,पाकिस्तान सरकार मदद कर रही

नयी दिल्ली। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के

कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर हमलों से आतंकी डर गए हैं। अब जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन खैबर पख्तूनख्वा में अपने नए ठिकाने बना रहे हैं। भारतीय डिफेंस और मिलिट्री के सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि आतंकी ग्रुप्स पीओके को अब भारतीय हमलों के कारण असुरक्षित मानते हैं। इसलिए, अफगानिस्तान से सटे खैबर पख्तूनख्वा की पहाड़ी इलाके उनके लिए सुरक्षित ठिकाना बन गए हैं। सूत्रों ने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान की सरकारी संस्थाएं आतंकियों को पीओके से खैबर शिफ्ट होने में मदद कर रही है। हाल ही में पाकिस्तान में कुछ जगहों पर पुलिस सुरक्षा में जैश-ए-मोहम्मद ने सभाएं भी की थीं, जिसे जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम जैसे राजनीतिक-धार्मिक संगठनों का भी समर्थन था। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इसके तहत भारत ने बहावलपुर, मुरीदके, मुजफ्फराबाद सहित पाकिस्तान के 7 शहरों में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया था। सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम 14 सितंबर को खैबर पख्तूनख्वा के मनसेहरा जिले के गढ़ी हबीबुल्लाह कस्बे में हुआ। यहां जैश ने भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच शुरू होने से लगभग सात घंटे पहले एक धार्मिक कार्यक्रम के नाम पर भर्ती अभियान चलाया। यह कार्यक्रम खैबर और कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद के सीनियर कमांडर मोलाना मुफ्ती मसूद इलियास कश्मीरी उर्फ ??अबू मोहम्मद की मौजूदगी में किया गया था। कार्यक्रम का नेतृत्व जैश-ए-मोहम्मद और जमात-उद-दावा ने किया था। इसमें इलियास कश्मीरी ने ओसामा बिन लादेन की तारीफ की थी। इलियास भारत में हाई-वैल्यू टारगेट वांटेड आतंकियों में शामिल है। वह जैश-ए-मोहम्मद के फाउंडर मौलाना मसूद अजहर का करीबी है। कार्यक्रम में एम-4 राइफलों से लैस जैश के कैडर्स और पुलिस की सुरक्षा में इलियास की मौजूदगी, जैश-ए-मोहम्मद के प्रति पाकिस्तानी सरकार के समर्थन को दिखाती है। जैश ने माना- ऑपरेशन सिंदूर में मसूद का परिवार मारा गया- हाल ही में जैश-ए-मोहम्मद ने पहली बार यह भी माना कि उसके सरगना मौलाना मसूद अजहर के परिवार के कई सदस्य ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हमले में मारे गए। जैश के कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह कहता है कि 7 मई को बहावलपुर में अजहर के परिवार के लोगों के टुकड़े-टुकड़े हो गए, उनका कीमा बन गया था। बता दें कि बहावलपुर में हुए भारतीय हमले में मसूद के परिवार के 10 लोग मारे गए थे। इसके अलावा उसके 4 सहयोगियों की भी मौत हुई थी। मरने वालों में मसूद की बड़ी बहन और उसका पति, मसूद का भतीजा और उसकी पत्नी, मसूद की एक भतीजी और उसके पांच बच्चे थे। हमले के वक्त मसूद मौके पर नहीं था, इसलिए उसकी जान बच गई। पाकिस्तानी आतंकी मसूद अजहर 2001 में भारत की संसद पर हमले और 2016 में पठानकोट हमले का मास्टरमाइंड है। उसने 2005 में अयोध्या में राम जन्मभूमि और 2019 में पुलवामा में सीआरपीएफ के जवानों पर भी हमला करवाया था। वह 2016 में उरी हमले और अफगानिस्तान के मजार-ए-शरीफ में भारतीय कॉन्सुलेट पर अटैक का भी जिम्मेदार है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, 6-7 मई को आधी रात 1:05 बजे पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक की थी। भारत ने 24 मिसाइलें दागीं। इसमें 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, जिनमें जैश-ए-मोहम्मद के 4, लश्कर-ए-तैयबा के 3 और हिजबुल मुजाहिदीन के 2 ठिकाने थे। हमले में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम हमले के 15 दिन बाद जवाब कार्रवाई के तहत की थी। ऑपरेशन का नाम 'सिंदूर' उन महिलाओं को समर्पित किया गया, जिनके पतियों की पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने हत्या कर दी थी।

कांग्रेस के बाद 'आप' का चुनाव आयोग पर आरोप,केजरीवाल की सीट पर नाम काटे थे,आरटीआई का जवाब नहीं दिया,EC ने दावा खारिज किया

नयी दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बाद अब आम आदमी पार्टी (आप) ने चुनाव आयोग

पर 'वोट चोरी' का गंभीर आरोप लगाया है। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया कि अरविंद केजरीवाल की नई दिल्ली सीट से बड़े पैमाने पर वोट काटे गए। भारद्वाज ने बताया कि 2020 में नई दिल्ली क्षेत्र में 1.48 लाख मतदाता थे, जो 2025 में घटकर 1.06 लाख रह गए। करीब 42,000 नाम वोटर लिस्ट से गायब हो गए। 5 जनवरी 2025 को तत्कालीन सीएम आतिशी ने तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को पत्र लिखकर शिकायत की थी। आप नेता के मुताबिक, आतिशी ने कहा था कि 29 अक्टूबर से 15 दिसंबर 2024 के बीच वोट डिलीशन के 6,166 आवेदन आए। इसके बावजूद आयोग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। राइट टू इन्फॉर्मेशन (आरटीआई) के जरिए जानकारी मांगी गई तो आयोग ने इसे व्यक्तिगत जानकारी बताकर देने से इनकार कर दिया। हालांकि, चुनाव आयोग ने 'आप' के आरोपों को खारिज कर दिया है। बता दें कि नई दिल्ली सीट पर अरविंद केजरीवाल का मुकाबला भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा से हुआ था, जिन्होंने पूर्व सीएम को करीब 36,000 वोटों से हराया। चुनाव आयोग बोला- आतिशी के 76 पेजों की रिपोर्ट दी चुनाव आयोग ने सौरभ भारद्वाज के आरोपों पर एक्स पर एक पोस्ट में सफाई दी और लिखा- ईसी ने 13 जनवरी, 2025 को सीईओ/डीईओ की रिपोर्ट सहित 76 पेजों का एक डिटेल्ड जवाब दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री आतिशी को भेजा था। आयोग के 13 जनवरी, 2025 के लेटर के अनुसार, आतिशी ने 5 जनवरी, 2025 को मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने के आवेदनों में बढ़ोतरी का आरोप लगाया था। आयोग ने दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से रिपोर्ट मांगी थी, जिन्होंने बताया कि वे तथ्यों का पता लगा रहे हैं। राहुल गांधी बोले- चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा 'आप' से पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को 'वोट चोरी' को लेकर चुनाव आयोग पर नया हमला बोला। उन्होंने कहा कि चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा और चोरों को बचाता रहा।

किडनैपर की तरह बेटे को ले गया पिता,झांसी में बीवी को तमंचा लगाया

झांसी। झांसी में एक पिता किडनैपर की तरह अपने 3 साल के

बेटे को उठाकर ले गया। बेटा मां की गोद में खेल रहा था। पिता अपने दो साथियों के साथ चुपचाप पत्नी के घर पहुंचा। बाइक बाहर खड़ी करके अंदर घुसा। महिला की गोद से बेटा छीनने लगा, विरोध किया तो तमंचा दिखा दिया। बेटे को बचाने के लिए महिला चिल्लाती हुई पति के पीछे दौड़ी। उसने बाहर खड़ी बाइक स्टार्ट की। पत्नी ने हाथ पकड़ा तो बाइक की स्पीड तेज करते हुए बेटे को लेकर भाग गया। हड़बड़ाहट में उसके साथ आए दो साथी छूट गए। पड़ोसियों ने दोनों को पकड़ लिया। उन्हें पुलिस को सौंप दिया। पत्नी बच्चे के साथ 12 दिन पहले ही पंजाब से मायके आई थी। पुलिस पूछताछ में पिता के साथ आए युवकों ने बताया कि बेटे को लेकर पंजाब गया है। इसके बाद पुलिस की एक टीम बेटे को लेने पंजाब रवाना हो गई है। पूरी घटना 18 सितंबर गुरुवार को मऊरानीपुर कस्बे की है। शनिवार को सीसीटीवी फुटेज सामने आया। मऊरानीपुर के गोपालगंज निवासी वर्षा जोशी की शादी 5 साल पहले पंजाब के जालंधर निवासी रमन से हुई थी। रमन का पंजाब में आढ़त का कारोबार है। वर्षा ने बताया- शादी के 3 महीने बाद उसे पता चला कि पति का एक महिला से अफेयर है। इस बात को लेकर झगड़ा होने लगा। सास को बताया, मगर वो भी कुछ नहीं बोली। पति मेरे साथ मारपीट करने लगा। तब मैं अपने माता-पिता के घर आ गई। मायके में ही मैंने अपने बेटे को जन्म दिया। दो साल तक मायके में रही। फिर ससुराल वाले आए और पंचायत हुई। गलती मानकर वे मुझे ससुराल ले गए। सबकुछ ठीक

चल रहा था। अब मम्मी-पापा मुझे लेने गए तो झगड़ा हो गया। इसके बाद मैं 6 सितंबर को बेटे को लेकर मायके आ गई। फिर मैंने ससुराल जाने से मना कर दिया। पत्नी वर्षा ने बताया- कुछ दिनों से घर में क्लेश हो रहा था। माता-पिता लेने आए तो पति और सास बोले कि बेटे को लेकर मत जाना। किसी तरह हाथ-पैर जोड़कर बेटे को लेकर मायके आ गई। अब मैंने जाने से मना कर दिया था। पति के साथ झांसी के चकारा गांव निवासी जितेंद्र शर्मा और उसका एक साथी था। 17 सितंबर को पति झांसी आकर जितेंद्र के घर पर ही रुका था। अगले दिन तीनों घर पर आए और मेरे बेटे को छीनकर ले गए। मैं बचाने के लिए दौड़ी, मगर वो बाइक दौड़ाकर भाग गया। मऊरानीपुर सीओ मनोज कुमार सिंह ने बताया-'पति से अनबन के कारण पत्नी मायके में रह रही थी। पति जबरन पत्नी की गोद से बच्चे को छीनकर ले गया। उसके दो साथी भी शामिल थे। दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रहे हैं। बच्चा सुरक्षित अपने पिता के साथ पंजाब पहुंच गया है। बच्चे को लाने के लिए पुलिस टीम पंजाब रवाना हो गई।'

अयोध्या में सेक्स रैकेट, 11 लड़कियां पकड़ी गईं,दुपट्टे से मुंह छिपाती रही, गेस्ट हाउस मालिक बाहर नहीं निकलने देता था

फैज़ाबाद। अयोध्या में गेस्ट हाउस में सेक्स रैकेट चल रहा था। शुक्रवार रात 11 बजे पुलिस ने छापा

मारकर 11 लड़कियों को पकड़ लिया। गेस्ट हाउस मालिक और उसके दो सहयोगियों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस के गेस्ट हाउस में पहुंचते ही अफरा-तफरी मच गई। कमरों में मौजूद लड़कियां भागने लगीं लेकिन बाहर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया। पुलिस जब थाने ले जाने लगी तो लड़कियां अपना चेहरा दुपट्टे से छिपाती रहीं। पुलिस जांच में सामने आया है कि गेस्ट हाउस मालिक लड़कियों को बिहार और गोरखपुर से लाता था। किसी को शक न हो इसलिए उन्हें गेस्ट हाउस से बाहर नहीं निकलने देता था। उनके खाने-पीने का सारा इंतजाम गेस्ट हाउस में ही करता था। एसपी सिटी शैलेंद्र सिंह ने बताया- एक लड़की के पास से 1.35 लाख रुपए कैश मिले हैं। पूरा मामला कोतवाली क्षेत्र के रानी सती गेस्ट हाउस का है। गेस्ट हाउस, फतेहगंज पुलिस चौकी से महज 500 मीटर दूर है। शुक्रवार देर रात 11 बजे 4 थानों के 25 पुलिसवाले 5 गाड़ियों से गेस्ट हाउस पहुंचे। इसमें 6 महिला पुलिसकर्मी भी थीं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पुलिस वालों के पहुंचते ही वहां अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग जुट गए। सभी वीडियो बनाने लगे। कुछ पुलिसवाले गेस्ट हाउस के अंदर गए, जबकि कुछ बाहर ही खड़े थे। 2-3 लड़कियां भागकर बाहर आईं, लेकिन बाहर खड़े पुलिसवालों ने उन्हें पकड़ लिया। इस दौरान आसपास के लोग वीडियो बनाने लगे। इसके बाद लड़कियों ने अपना मुंह दुपट्टे से बांध लिया। सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह ने बताया- स्थानीय स्तर पर काफी समय से गेस्ट हाउस को लेकर सेक्स रैकेट चलने की शिकायतें मिल रही थीं। चार दिन पहले भी पुलिस ने शक होने पर वहां जाकर पूछताछ की थी। लड़कियां गेस्ट हाउस में गेस्ट बनकर रह रही थीं, इसलिए शक नहीं हुआ। पुलिस ने इस बार पुख्ता सूचना के आधार पर छापेमारी की। वहां सेक्स रैकेट चल रहा था। गेस्ट हाउस को सील कर दिया गया है। उसके मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां सैक्स रैकेट चल रहा था, इसकी जानकारी नहीं थी। लेकिन रात के समय काफी लोग यहां आते थे।

संगमनगरी में महिलाओं से छेड़खानी करने वाला गिरफ्तार,पुलिस ने भेजा जेल

प्रयागराज। कर्नलगंज थाना क्षेत्र में महिलाओं से छेड़खानी करने कोई उसे रोकने के लिए आगे नहीं आया। इस बीच पीड़ित महिलाओं

ने अपनी सख्ती दिखाते हुए गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र की महिलाओं और आम लोगों ने राहत की सांस ली है। कर्नलगंज इलाके में एक युवक सड़क पर गुजर रही महिलाओं से बदतमीजी और छेड़खानी कर रहा था। राहगीरों ने यह नजारा देखा, लेकिन युवक के दबंग रवैये और हेकड़ी के कारण से शिकायत की। शिकायत मिलते ही कर्नलगंज पुलिस तुरंत हरकत में आई और मौके पर पहुंचकर आरोपी युवक को घेर लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुलिस के सामने भी युवक ने अपनी दबंगई दिखाने और हेकड़ी जमाने की कोशिश की। लेकिन पुलिस ने अपने अंदाज में उसे समझाया और तुरंत हिरासत में ले लिया।

बजहां, कटहुला और गौसपुर में 20 बीघा पर अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई,पीडीए ने पर चलाया बुलडोजर

प्रयागराज। पीडीए ने अवैध प्लाटिंग और निर्माण कार्यों के विरुद्ध एक और सख्त कदम उठाते हुए शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की। जोन-

02 के उपजोन-2ए क्षेत्र में जोनल अधिकारी के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के तहत बजहाँ और कटहुला गौसपुर गांव में करीब 20 बीघा जमीन पर की गई अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, यह प्लाटिंग श्री अजीत पाण्डेय, श्री अतुल द्विवेदी, श्री नफीश तथा अन्य लोगों द्वारा बिना अनुमति के कराई जा रही थी। प्राधिकरण ने पूर्व में ही इस अवैध गतिविधि को लेकर नोटिस जारी किया था, लेकिन जब उसके बावजूद निर्माण और प्लाटिंग कार्य जारी रहा तो पीडीए की प्रवर्तन टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोज़र चलवाकर प्लाटिंग और उससे जुड़े निर्माण कार्य को ध्वस्त किया गया। इस दौरान स्थानीय लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई, हालांकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। पीडीए अधिकारियों ने बताया कि प्रयागराज में अवैध प्लाटिंग और निर्माण को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे कार्य न केवल मास्टर प्लान का उल्लंघन करते हैं, बल्कि आम नागरिकों को भविष्य में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए समय-समय पर इस तरह की कार्रवाई की जाती है, ताकि अवैध प्लाटिंग करने वालों को सख्त संदेश दिया जा सके। जोनल अधिकारी ने आम जनता से भी अपील की है कि वे किसी भी प्लॉट या निर्माण कार्य को खरीदने से पहले उसकी वैधता की जांच पीडीए से अवश्य कर लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति की गई प्लाटिंग और निर्माण को कभी भी ध्वस्त किया जा सकता है, जिससे खरीदार को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

कुत्ते को बचाने में पेड़ से टकराई कार,डीआईजी कार्यालय में तैनात दरोगा के बेटे की मौत, दो घायल

प्रयागराज। हाई कोर्ट से इंदिरा चौराहा मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। डीआईजी कार्यालय में तैनात सब इंस्पेक्टर मनोज सिंह के

[illegible] उनके दो दोस्त हिमांशु और अभिषेक गंभीर रूप से घायल हैं। शनिवार को मृतक का शव पीएम कार्यवाही के बाद परिवार को सौंप दिया गया। घटना गुरुवार रात करीब 11:30 बजे की है। हिमांशु कार चला रहा था। सौरभ और अभिषेक पीछे की सीट पर बैठे थे। कार की रफ्तार तेज थी। एक कुत्ते को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित हो गई। कार पहले पेड़ से टकराई और फिर एक घर की दीवार से जा भिड़ी। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास के लोगों ने थाना कैंट पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तीनों युवकों को अस्पताल [illegible] घोषित कर दिया। हिमांशु और अभिषेक का इलाज जारी है। थाना प्रभारी सुनील कनौजिया के मुताबिक, तेज रफ्तार के कारण हादसा हुआ। मृतक के पिता मनोज सिंह मूल रूप से बलिया के थाना गढ़वार के जैसपुरा गांव के रहने वाले हैं। वर्तमान में वह धूमनगंज प्रीतम नगर में परिवार के साथ रहते हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

लूट का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार,पुलिस पर की फायरिंग, अवैध हथियार और चोरी की बाइक बरामद

प्रयागराज। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हण्डिया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने लूट की घटना से जुड़े

वांछित अभियुक्त रंजीत पासी उर्फ बाबा पासी को अवैध तमंचे, कारतूस और चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आयुक्त और अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में, उपायुक्त गंगानगर व अपर उपायुक्त गंगानगर के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि लूट से जुड़े अभियुक्त माधोपुर पुलिया के पास मौजूद हैं। इस पर पुलिस ने घेराबंदी की, लेकिन पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगे। पीछा करने पर एक आरोपी ने पुलिस पर तमंचे से फायर किया और अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। वहीं दूसरा आरोपी रंजीत पासी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा .315 बोर, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और चोरी की मोटरसाइकिल (यूपी-66 वाई-4060) बरामद की। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथियों संग 20 सितम्बर 2024 को बरौत ओवरब्रिज के पास एक व्यक्ति से मोटरसाइकिल, मोबाइल और 1500 रुपये लूटे थे। इस घटना में पहले से ही एक आरोपी जेल भेजा जा चुका है। गिरफ्तार अभियुक्त रंजीत पासी (22 वर्ष), निवासी ग्राम गोपालीपुर थाना सरायममरेज, पर कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। इनमें हत्या के प्रयास, लूट, चोरी, धमकी, छेड़खानी और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम तक के मामले शामिल हैं। बरामदगी और गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थाना हण्डिया प्रभारी निरीक्षक नितेन्द्र कुमार शुक्ला सहित आठ पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जीसेल कोचिंग के छात्रों ने 'आधुनिक समाचार' प्रकाशन गृह का किया भ्रमण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जीसेल कोचिंग के छात्रों ने शुक्रवार को आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान छात्रों ने समाचार पत्र की संपूर्ण निर्माण प्रक्रिया को करीब से देखा और समझा। छात्रों को बताया गया कि किस प्रकार समाचार संकलन से लेकर पेज मेकिंग और प्रूफ रीडिंग की प्रक्रिया होती है। साथ ही उन्हें प्रिंटिंग प्रेस में अखब़ार छपने की तकनीकी विधि का भी अवलोकन कराया गया। भ्रमण के दौरान प्रकाशन गृह के वरिष्ठ पत्रकारों ने छात्रों को मीडिया की भूमिका, समाचार चयन की प्रक्रिया और अखब़ार के सामाजिक महत्व के बारे में जानकारी दी। छात्रों ने इस अनुभव को अपने लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि इस भ्रमण से उन्हें पत्रकारिता की व्यावहारिक समझ मिली है।

विश्व स्वच्छता दिवस पर वृहद घाट पर स्वच्छता अभियान का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत आज विश्व स्वच्छता दिवस के अवसर पर जिला गंगा समिति प्रयागराज, नगर निगम, गंगा टास्क फोर्स तथा स्वच्छ कर्मियों के सहयोग से सरस्वती घाट पर जन-जागरूकता एवं वृहद साफ-सफाई अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम के अधिकारी संजय ममगई, जिला परियोजना अधिकारी एशा सिंह, सूबेदार बलराम एवं आईसी हेड कृष्णा कुमार मौर्य उपस्थित रहे।अभियान के दौरान सभी संस्थानों की टीमों द्वारा घाट पर फैले कूड़ा-कचरा, प्लास्टिक, पॉलीथिन आदि को एकत्र कर उसका निस्तारण किया गया। सफाई के दौरान स्वच्छ कर्मियों ने झाड़ू लगाकर सीढ़ियों, घाट व आसपास की झाड़ियों में फंसे कचरे को हटाया तथा प्लास्टिक को अलग करके उसका निपटान किया। इस अवसर पर जोनल अधिकारी ने सफाई के महत्व पर चर्चा करते हुए बताया कि स्वच्छ घाट न केवल गंगा और सरस्वती नदी के जल को प्रदूषण से बचाते हैं, बल्कि जलजनित रोगों की रोकथाम, जैव विविधता के संरक्षण और धार्मिक व पर्यटन महत्व को बनाए रखने के लिए भी आवश्यक हैं। डीपीओ एशा सिंह ने कहा स्वच्छता ही सेवा अभियान द्वारा लोगों को संदेश दिया गया कि वे कूड़ा-कचरा घाटों पर न फेंकें और प्लास्टिक का प्रयोग कम से कम करें ताकि गंगा और उसकी सहायक नदियों का सौंदर्य और स्वच्छता बनी रहे। अंत में कृष्णा मौर्या द्वारा स्वच्छता शपथ दिलाई कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

मिशन शक्ति 5.0 का एनआईसी रायबरेली में हुआ सजीव प्रसारण,उद्यान मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ देखा कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत प्रदेश स्तर पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित हुआ। लखनऊ में आयोजित इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश के समस्त 1663 थानों में मिशन शक्ति केन्द्रों का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री जी ने अपने संबोधन में कहा कि मिशन शक्ति महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि इन केन्द्रों के माध्यम से महिलाओं को सुरक्षा, परामर्श, प्रशिक्षण एवं रोजगारपरक अवसर प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराए जाएंगे। लखनऊ से प्रसारित इस आयोजन का सजीव प्रसारण एनआईसी सभागार रायबरेली में किया गया। कार्यक्रम में माननीय उद्यान मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सजीव प्रसारण के दौरान अधिकारियों ने कहा कि मिशन शक्ति केवल एक अभियान नहीं, बल्कि महिलाओं के सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में ठोस पहल है। इसके माध्यम से महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान की गारंटी मिलेगी तथा आत्मनिर्भर बनने के लिए आवश्यक साधन उपलब्ध कराए जाएंगे। एनआईसी सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम ने जिले में मिशन शक्ति अभियान को और अधिक प्रभावी रूप से लागू करने का संकल्प दोहराया। अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि शासन की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र महिलाओं तक पहुँचाकर इस मिशन को सफल बनाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी नवीन चंद्रा, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य,ईओ नगर पालिका स्वर्ण सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनय सिंह, वन स्टॉप सेंटर के कर्मचारी, एनजीओ सबला की सचिव मीनू त्यागी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीडीओ ने तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की सुनी समस्याएं,शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण से निस्तारण कराए अधिकारीःसीडीओ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय की अध्यक्षता में तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके क्रम में तहसील व थानों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें स्थानीय नागरिक उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते है। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जनता की इन शिकायतों का निस्तारण त्वरित एवं समयबद्ध तरीके से एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराना सुनिश्चित किया जाये। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग 78, पुलिस 02, विकास 01 एवं अन्य 05 कुल 86 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 09 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों को निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को इस निर्देश के साथ उपलब्ध करा दिये गये कि उनका निस्तारण एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित कराए। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी सदर प्रफुल्ल कुमार शर्मा, तहसीलदार आकृति श्रीवास्तव, बीडीओ राही गौरी राठौर सहित जिला स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहें।

आईपीएस नीतू और अधिवक्ता के बीच वायरल वीडियो पर लोगों की प्रतिक्रिया

IPS Nitu

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। हाल ही में आईपीएस नीतू और एक अधिवक्ता के बीच का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इस वीडियो को लेकर आमजन और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने जमकर अपनी प्रतिक्रियाएँ दीं। अधिकांश लोगों ने वीडियो में दिखाई गई नीतू की सराहना की और उन्हें 'माँ दुर्गा का अवतार' तक कह डाला। लोगों का कहना है कि नीतू ने जिस आत्मविश्वास और दृढ़ता के साथ परिस्थिति का सामना किया, वह काबिल-ए-तारीफ़ है। कई यूज़र्स ने लिखा कि ऐसे सशक्त व्यक्तित्व ही समाज में महिलाओं के लिए प्रेरणा बनते हैं। वहीं, वीडियो के वायरल होने के बाद से समर्थकों और आम नागरिकों के बीच चर्चा का माहौल गर्म है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस घटना ने न केवल कानून व्यवस्था से जुड़े पहलुओं को सामने लाया है, बल्कि यह भी दर्शाया है कि आज की महिला अपने हक और न्याय के लिए किसी भी स्तर तक खड़ी हो सकती है।

लगे सिर तन से जुदा के नारे,दूसरे पक्ष के लोगो ने जताई आपत्ति, बोले- माहौल खराब करने की कोशिश

कौशांबी। जिले के मंझनपुर कस्बे से एक विवादित वीडियो सामने आया है। शुक्रवार की देर शाम का यह

वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ नाबालिग बच्चे धार्मिक विवाद से जुड़े नारे लगाते दिख रहे हैं। वीडियो में बच्चे कथित तौर पर 'गुस्ताख-ए-नबी की एक सज़ा, सर तन से जुदा' जैसे नारे लगा रहे हैं। इस वीडियो के वायरल होने के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया है। हिंदू संगठनों से जुड़े लोगों का कहना है कि इस तरह की नारेबाजी समाज में भय और तनाव पैदा कर रही है। मंझनपुर पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस वीडियो की प्रामाणिकता की जांच कर रही है। साथ ही वीडियो में दिख रहे लोगों की पहचान करने में जुटी है।

नवनियुक्त मण्डलायुक्त ने संभाला कार्यभार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नवनियुक्त मण्डलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने शुक्रवार को प्रयागराज पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। 2008 बैच की आईएएस अधिकारी श्रीमती अग्रवाल पूर्व में बरेली मण्डल की मण्डलायुक्त तथा बलिया, बस्ती, उन्नाव और महाराजगंज की जिलाधिकारी रह चुकी हैं। सर्किट हाउस पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

अतिक्रमण अभियान को सदर विधायक अदिति सिंह ने रोका।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद रायबरेली व क्षेत्राधिकारी सदर अमित सिंह के नेतृत्व में घंटाघर चौराहे पर चल रहे अतिक्रमण अभियान को सदर विधायक अदिति सिंह ने धरना देकर रुकवाया। आज प्रातः 11 बजे नगर पालिका परिषद का दस्ता अधिशासी अधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी सदर के साथ अतिक्रमण हटाने घंटाघर पहुंचा और सड़क किनारे खड़े ठेला वालों से 500-500 रूपये का चालान काटने लगे,जिससे दुकानदारों में आक्रोश फैल गया,तभी किसी ने सदर विधायक अदिति सिंह को फोन कर दिया।सदर विधायक द्वारा अतिक्रमण हटाने के विरोध में दुकानदारों के साथ धरने पर बैठ गई। विधायक द्वारा उपस्थित नगर पालिका कर्मचारियों एवं पुलिस को कड़ी फटकार लगाई। विधायक द्वारा की जा रही वसूली को अवैध बताया और उपस्थित पुलिस स्टाफ से इसके लिए एफ. आईं. आर. दर्ज करने का आदेश दिया। मौके पर काफी भीड़ इकट्ठा हो गई।

सीएम योगी को गोली मारने की धमकी, वीडियो वायरल हुआ तो पहुंची पुलिस, छत पर भागा,और फिर...

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा से एक युवक के सीएम योगी आदित्यनाथ को गोली मारने की धमकी का वीडियो सामने आया।

इसमें युवक हाथ में पिस्टल लेकर धमकी देता दिखा। मांट क्षेत्र से वायरल वीडियो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मथुरा दौरे के दौरान हड़कंप मचा दिया। वीडियो में एक युवक हाथ में पिस्टल लेकर सीएम को गोली मारने की खुली धमकी दे रहा था। वीडियो के वायरल होते ही स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हुईं। गर्दन से लटकती चैन पहने, केवल पैंट पहने युवक को उसके घर में ढूंढ निकाला गया। पुलिस ने उसे लगभग एक घंटे की कवायद के बाद पिस्टल एवं कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया। वीडियो में क्या है? वीडियो में युवक नंगे बदन केवल पैंट पहने दिखता है। हाथ में पिस्टल लहराते हुए उसने कहा कि उसने मुख्यमंत्री के कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई। वह कहता दिखता है कि अगर मदद नहीं मिली तो वह योगी आदित्यनाथ को गोली मार देगा। युवक ने पिस्टल की मैगजीन दिखाते हुए दावा किया कि उसमें नौ गोलियां हैं और वह 'नौ की नौ सीधे उतार' देगा। युवक ने सीएम योगी के बॉडीगार्ड्स पर भी हमला करने की बात कही। उसने कहा कि 25 सितंबर से पहले वह यह कदम उठा सकता है। इस क्लिप के वायरल होते ही इलाके में खलबली मच गई। वीडियो मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने युवक की लोकेशन ट्रेस कर मांट तहसील के नगला हरदयाल गांव पहुंचकर चारों ओर घेरा डाल दिया। पुलिस को देखकर युवक घर की छत पर भाग गया। वहीं से पुलिस को भी धमकी देने लगा। जानकारी के मुताबिक उसने उस समय तीन हवाई फायर भी किए। लगभग एक घंटा चलने वाली वार्ता और पुलिस-प्रयासों के बाद उसे पिस्टल एवं कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की प्राथमिक जांच और युवक की मानसिक स्थिति की पड़ताल जारी है। पुलिस ने कहा कि जरूरत पड़ी तो काउंसलिंग और विशेषज्ञ टीम की मदद ली जाएगी। स्थानीय अधिकारियों ने बताया है कि वायरल क्लिप के आधार पर युवक की पहचान और पता तुरंत किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि वह व्यक्ति पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में था और अक्सर अपनी परेशानियों के बारे में जोर-जोर से बोलता था। पुलिस अब वीडियो की सत्यता, युवक के बैकग्राउंड, उसके आरोपों और किसी संभावित षड्यंत्र के पहलू की पड़ताल कर रही है। सुरक्षा की दृष्टि से मथुरा में अतिरिक्त इंतजाम और सतर्कता बरती जा रही है। घटना के बाद नगला हरदयाल और आसपास के इलाके में भारी पुलिस फोर्स देख स्थानीय लोग हैरान रह गए। युवक के इस रुख को देखकर लोगों की हैरानी बढ़ गई। वहीं, सोशल मीडिया पर युवक के खिलाफ एक्शन की मांग की जाने लगी।

जो भी खाना देने आता वही रेप करता... लड़की को फुसलाकर ले गई आंटी, 1 महीने तक बंधक बनाकर..

आगरा। उत्तर प्रदेश की ताजनगरी आगरा में शाहगंज क्षेत्र की महिला एक किशोरी को

घर से बहलाकर कर ले गई। जहां उसे 30 दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया। उसके साथ दो लोग हर रोज सामूहिक दुष्कर्म करते रहे। किसी तरह उसने अपनी मौसी को फोन पर सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने किशोरी को मुक्त कराया। मगर आरोपी मौके से फरार हो गए हैं। पुलिस तलाश में जुटी है। थाना शाहगंज के नरीपुरा क्षेत्र में रहने वाली एक महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी घर के पास एक महिला किराए पर रहने के लिए आई थी। उसका घर में आना जाना हो गया। एक दिन वह बेटी को सिलाई मशीन दिलवाने के लिए घर से ले गई। मगर कुछ देर बाद उसे वापस ले आई। इसके बाद 13 अगस्त को फिर से घर आई। उस समय माता पिता में कोई भी घर नहीं था। किशोरी ने पुलिस को बताया कि उसने काफी मना किया, लेकिन महिला ने उसे बातों में उलझा लिया और उसे एक घंटे में लौटने की बात कहकर साथ ले गई। किशोरी ने बताया कि महिला उसे रोहता क्षेत्र में अपने मायके ले गई थी। जहां उसे एक कमरे में बंधक बनाकर रखा गया। उसके साथ महिला के तहेरे भाई संदीप और मनमोहन नाम के दो व्यक्ति रोजाना बारी-बारी से रेप करते थे। पीड़ित लड़की का आरोप है कि कमरे का दरवाजा केवल खाना देने के वक्त ही खुलता। जो भी खाना देने आता वो रेप करता। फिर ताला बंद करके चला जाता। पुलिस को दी शिकायत में लड़की ने बताया कि यह सिलसिला एक महीने तक चला। किशोरी ने पुलिस को बताया कि उसने अपनी मौसी को फोन करके अपनी सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और किशोरी को मुक्त कराया। आरोपी उसे कमरे में बंद करके फरार हो गए थे। एसीपी लोहामंडी मयंक तिवारी ने बताया कि किशोरी का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम लगी है। जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी। पीड़ित परिवारजन बेटी की तलाश में एक महीने तक भटकते रहे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था, लेकिन महिला का पता नहीं लग पा रहा था। जिस घर में किराए पर रहती थी। वहां भी उसने कोई सबूत नहीं छोड़ा था। पुलिस लगातार किशोरी की तलाश में जुटी थी। मगर उसका कहीं सुराग नहीं लग पा रहा था। किशोरी ने मौसी को फोन करके अपनी जानकारी दी थी। इसके बाद पुलिस रोहता पहुंची थी। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने तत्परता दिखाई होती तो बेटी को इतने दिनों तक यातनाएं ना झेलनी पड़ती।

कोचिंग संचालक ने छात्रा पर छिड़का संदिग्ध स्प्रे, हालत बिगड़ता देख हुआ फरार, आईसीयू में भर्ती

अलीगढ़। अलीगढ़ के मशहूर इलाके सेंटर पॉइंट के पास मैरिस टॉवर में चल रहे मानव सेवा सम्मान समिति कोचिंग सेंटर पर सनसनीखेज़ आरोप लगे हैं। कोचिंग

सेंटर में पढ़ने वाली एक छात्रा ने संचालक पर संदिग्ध स्प्रे छिड़कने का आरोप लगाया है। स्प्रे छिड़कने से छात्रा की हालत बिगड़ गई और उसे अलीगढ़ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है,जहां उसका उपचार चल रहा है। वहीं छात्रा के परिजनों का कहना है कि कोचिंग संचालक ने छात्रा समेत तीन लोगों पर संदिग्ध स्प्रे छिड़का था। उसके बाद एक छात्रा की तबियत अचानक बिगड़ गई। स्प्रे छिड़कने से छात्रा को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। इसके बाद उसे गंभीर हालत क्वार्सी थाना इलाके के रामघाट रोड स्थित निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। छात्रा की मां ने बताया कि मेरी बेटी मानव सेवा समिति नाम के कोचिंग सेंटर है में पार्लर और कंप्यूटर का कोर्स करने जाती है। वहीं कोचिंग संचालक संजय ने मेरी बेटी और अन्य दो छात्राओं के ऊपर स्प्रे छिड़का दिया। इसके कारण मेरी बेटी की हालत ज्यादा बिगड़ गई,उसे निजी अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया है। कोचिंग संचालक स्प्रे छिड़ककर मेरी बेटी के साथ क्या करना चाहते थे? मैंने पुलिस में शिकायत की है,लेकिन अभी कोई कार्यवाही नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि यह कोचिंग सेंटर एनएसडीसी ट्रेनिंग पार्टनर है और यहां सरकारी योजना के तहत कई आजीविका कोर्स चलाए जाते हैं। छात्रा यहां पार्लर और कंप्यूटर कोर्स की ट्रेनिंग ले रही थी। घटना के बाद हड़कंप मच गया। संचालक और पूरा स्टाफ कोचिंग पर ताला डालकर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों और छात्रा के परिजनों ने कोचिंग प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। रुद्र हॉस्पिटल के डॉक्टर संजय चौधरी का कहना है कि जब यह बच्ची हमारे हॉस्पिटल में आई थी तब इसको सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। जो स्प्रे छिड़का गया है वो कैमिकल बेस्ड होता है, जिसकी वजह से सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। हमने इसको नेबुलाइज किया है,और मल्टीविटामिन टेबलेट दी है। अब सुधार है। लेकिन मेडिकोलीगल के लिए इनको सरकारी हॉस्पिटल के लिए एडवाइस किया गया है।

प्रदेश की समृद्ध परंपरा, हुनर और उत्पादों को वैश्विक मंच प्रदान करेगा यूपीआईटीएस 2025ः सीएम योगी, मुख्यमंत्री ने की यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारियों की समीक्षा, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

पीएम मोदी के आगमन से पहले मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल का भी किया स्थलीय निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट सभागार में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आगामी उत्तर

ताकि स्थानीय हस्तशिल्प, खाद्य, हस्तकला और उद्योग संबंधी उत्पादों को वैश्विक खरीदारों और निवेशकों के सामने प्रदर्शित किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह केवल प्रदर्शनी नहीं होगी, बल्कि यूपी की विविधता,

विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को आयोजन से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं को प्रत्यक्ष अनुभव और रोजगार/उद्यमिता के अवसर मिलेंगे। फैशन शो में खादी और ग्रामोद्योग को

संबंधी निर्देश भी स्पष्ट किए जाएं, ताकि सभी प्रतिभागियों को सुरक्षित, व्यवस्थित और स्वागतपूर्ण अनुभव प्राप्त हो। सीएम ने विदेशी बायर्स और मेहमानों की सुरक्षा, आवास, परिवहन और संपूर्ण रहन-सहन पर

सीएम योगी ने यूपीआईटीएस के आयोजन स्थल का किया स्थलीय निरीक्षण

प्रदेश अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो (UPITS-2025) की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आयोजन की तैयारी, सुरक्षा,

व्यवस्थापन और प्रतिभागियों की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रदेश की समृद्ध परंपरा, हुनर और उत्पादों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के साथ-साथ वोकल फॉर लोकल और मेक इन इंडिया अभियानों को बढ़ावा देगा। उन्होंने सभी जिलों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने, ODOP स्टॉल्स और शैक्षणिक संस्थानों में व्यापक ब्रांडिंग पर जोर दिया। इसके अलावा युवाओं को प्रत्यक्ष अनुभव और उद्यमिता के अवसर प्रदान करने, खादी व ग्रामोद्योग को प्रोत्साहित करने और विदेशी बायर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। सभी जिलों की होगी सक्रिय सहभागिता- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए कि आगामी यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (UPITS-2025) में प्रदेश के प्रत्येक जिले की

सक्रिय और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक जिले के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) से जुड़े उत्पादों के लिए विशेष स्टॉल स्थापित किए जाएंगे,

सांस्कृतिक विरासत और व्यावसायिक प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर होगी। इसके माध्यम से स्थानीय उत्पादकों और उद्यमियों को नई संभावनाओं, व्यापारिक नेटवर्क और निवेश के अवसर प्राप्त होंगे, जिससे प्रदेश के विकास और युवाओं के रोजगार सृजन में भी मदद मिलेगी। शैक्षणिक संस्थानों में हो व्यापक ब्रांडिंग- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस-2025) की पहचान को मजबूत करने के लिए प्रदेश के सभी जिलों और शैक्षणिक संस्थानों में इसकी व्यापक ब्रांडिंग और प्रचार-प्रसार किया जाए। इसका उद्देश्य युवाओं और छात्रों को आयोजन के महत्व से अवगत कराना और उन्हें सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। इसके तहत कॉलेज, यूनिवर्सिटी और अन्य शैक्षणिक संस्थान अपने कैंपस में यूपीआईटीएस के पोस्टर, डिजिटल डिस्प्ले और इवेंट जानकारी साझा करेंगे, ताकि छात्र, फैकल्टी और स्थानीय समुदाय सीधे इस आयोजन से जुड़ सकें और युवाओं में उद्यमिता तथा नवाचार के प्रति जागरूकता बढ़े। सीएम योगी ने गौतम बुद्ध

बढ़ावा- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के अंतर्गत आयोजित होने वाले फैशन शो में देशभर की फिल्म सिटी से जुड़े विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाए। इसका उद्देश्य खादी, हैंडीक्राफ्ट और ग्रामोद्योग से जुड़े उत्पादों को व्यापक दृश्यता और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस माध्यम से न केवल उत्तर प्रदेश की हस्तकला और पारंपरिक उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि युवा डिजाइनर्स और स्थानीय कारीगर भी नए अवसरों और बाज़ार तक पहुंच बनाने में सक्षम होंगे। फैशन शो में खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों को पेश करने के लिए विशेष कैटवॉक और प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिससे इन उत्पादों की गुणवत्ता और सौंदर्य का

प्रभाव वैश्विक स्तर पर दिखाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि इस पहल से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और युवाओं को उद्यमिता, नवाचार और रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। वृद्धजन और आगंतुकों को मिले बेहतर सुविधा- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए कि आयोजन में प्रतिभाग करने वाले वृद्धजनों और वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए जाएं। इसके तहत नासा पार्किंग स्थल से शटल सेवा उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उन्हें सहज और आरामदायक तरीके से आयोजन स्थल तक पहुंचने में मदद मिल सके। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सुरक्षा और संचालन की पूर्ण जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए। किसी भी ई-रिक्शा या वाहन का संचालन नाबालिग चालक द्वारा न किया जाए। इसके अलावा, आगंतुकों के लिए सुरक्षा, मार्गदर्शन और सुविधा

विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि विदेशी मेहमानों को सहज, सुरक्षित और स्वागतपूर्ण अनुभव मिलना चाहिए ताकि उत्तर प्रदेश की छवि मजबूत हो। बैठक में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण मौजूद रहे। अपर मुख्य सचिव, एमएसएमई विभाग आलोक कुमार ने पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से मुख्यमंत्री को अब तक की तैयारियों से अवगत कराया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 से 29 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस 2025) की तैयारियों का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को स्थलीय निरीक्षण भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस आयोजन का शुभारंभ करेंगे। इसको देखते हुए मुख्यमंत्री ने पूरे आयोजन स्थल का दौरा किया और अधिकारियों से तैयारियों के विषय में जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान अपर मुख्य सचिव एमएसएमई आलोक कुमार ने उन्हें पूरे आयोजन स्थल और वीआईपी मूवमेंट की जानकारी दी। डीएम मेधा रूपम ने भी आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं और सुविधाओं का पूरा ब्यौरा दिया। वहीं पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने उन्हें सुरक्षा व्यवस्था से अवगत कराया। मुख्यमंत्री जी ने ई कार्ट में बैठकर पूरे आयोजन स्थल को देखा। इस दौरान उनके साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी और अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

ज्यादा भव्य और विशाल होगा गोमती पुस्तक महोत्सव का चौथा संस्करण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नोएडा लखनऊ कवियों, साहित्यकारों, विचारकों और विद्वानों का ऐतिहासिक शहर लखनऊ अब पुस्तकों, संवाद, सृजनात्मकता और संस्कृति के जीवंत संगम का साक्षी बनने जा रहा है। यहां 20 से 28 सितम्बर 2025 तक लखनऊ विश्वविद्यालय में चौथा गोमती पुस्तक महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इस महोत्सव का आयोजन राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार और लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से किया जा रहा है। इसका शुभारंभ 20 सितम्बर 2025 को उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। उद्घाटन समारोह में माननीय उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय, माननीय मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री अवनीश के. अवस्थी, पद्मश्री सम्मानित डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी, एनबीटी-इंडिया के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे, लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना और एनबीटी-इंडिया के निदेशक श्री युवराज मलिक की विशिष्ट उपस्थिति रहेगी। 19 सितंबर को लखनऊ विश्वविद्यालय के एपी सेन सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के निदेशक श्री युवराज मलिक, लखनऊ विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर प्रो मनुका खन्ना एवं संयुक्त निदेशक, प्रदर्शनी मयंक सरोलिया ने इस बाबत जानकारी दी। पत्रकारों को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम प्रो मनुका खन्ना ने कहा कि यह लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है कि राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के सहयोग से विश्वविद्यालय में इतना

बड़ा आयोजन होने जा रहा है। पठन-पाठन की संस्कृति को संवर्द्धित करने के राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार के साझा सहयोग से ही यह संभव होने जा रहा है। माननीय राज्यपाल के मार्गदर्शन में हम 'पढ़े लखनऊ, बढ़े लखनऊ' और 'पढ़े

विश्वविद्यालय, बढ़े विश्वविद्यालय' के लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए अब एनबीटी के सहयोग से भव्य गोमती पुस्तक महोत्सव के साक्षी बनने जा रहे हैं। यह अच्छी किताबों और अच्छे लेखकों से साक्षात्कार का भी अवसर होगा, और हमें प्रेरित करेगा कि हम भविष्य में एनबीटी के साथ मिलकर और भी आयोजन करें। गोमती पुस्तक महोत्सव के चौथे संस्करण के बारे में विस्तार से बताते हुए राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के निदेशक श्री युवराज मलिक ने कहा कि 'अब तक हम रिवर फ्रंट पर पुस्तम महोत्सव का आयोजन करते थे।

लखनऊ के पाठकों - पुस्तक प्रेमियों के सहयोग से अब यह और भी ज्यादा भव्य और विशाल हो गया है। गोमती पुस्तक महोत्सव का यह चौथा संस्करण इस बार लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित हो रहा है। इस बार इसमें पहले से ज्यादा साहित्यिक सत्र, सांस्कृतिक गतिविधियां और बच्चों के लिए रचनात्मक कार्यक्रम होंगे, जिसमें देश भर से 225 से ज्यादा प्रकाशकों के बुक स्टॉल भी शामिल होंगे। यह महोत्सव माननीय प्रधानमंत्री की 'ज्ञान समाज निर्माण' और 'मेक इंडिया रीड' की परिकल्पना को साकार करता है तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों को प्रतिबिंबित करता है, जो आधारभूत साक्षरता, बहुभाषिकता, रचनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन और डिजिटल एकीकरण पर जोर देती है। हम पढ़ने की संस्कृति को अकादमिक शिक्षा के इको सिस्टम में शामिल करना चाहते हैं। इस महोत्सव को तीन भागों में विभाजित किया गया है, जो न केवल पुस्तकों पर बल्कि साहित्यिक और सांस्कृतिक आकर्षण का भी केंद्र होंगे। साथ ही बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियां भी आयोजित होंगी। माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के दिए लक्ष्य के अनुरूप राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, गोमती पुस्तक महोत्सव को देश का सबसे बड़ा पुस्तक महोत्सव बनाने की दिशा में अग्रसर है।'

नौ दिनों तक चलने वाले इस पुस्तक महोत्सव में आगंतुक समूह चर्चाओं, लेखक संवाद, काव्य पाठ, मुशायरा, पुस्तक विमोचन, स्टोरीटेलिंग सेशन और सांस्कृतिक संध्याओं का आनंद ले सकेंगे।इस दौरान विशेष वक्ताओं में आईआईटी लखनऊ के निदेशक डॉ. अरुण मोहन शेरी, वरिष्ठ लेखक गुलाब कोठारी, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के चांसलर एवं लेखक संतोष चौबे, लेखक-कवि-अभिनेता अखिलेंद्र मिश्रा, उपन्यासकार शीला रोहेकर, कथाकार शिवमूर्ति, पद्मश्री से सम्मानित लेखिका डॉ. विद्या विंदु सिंह तथा चर्चित अवधी कवि-लेखक व संपादक डॉ. रामबहादुर मिश्रा आदि शामिल रहेंगे। बच्चों के लिए विशेष चिल्ड्रन्स पेवेलियन होंगे, जहाँ 'चित्रोत्सव - ड्रॉ, डूडल, डिस्कवर' नामक रचनात्मक कला कार्यशाला, म्यूजिकल स्टोरीटेलिंग, कठपुतली शो, ओरिगामी, पोस्टर निर्माण, वैदिक गणित, माइंडफुलनेस एक्टिविटीज, तथा कहानी लेखन व चित्रण प्रतियोगिताएँ होंगी। इसके अतिरिक्त आगंतुक राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय (Rashtriya e-Pustakalaya) का अनुभव कर सकेंगे, जो भारतीय भाषाओं और विविध शैलियों की 3,000 से अधिक ई-पुस्तकों तक निःशुल्क पहुँच उपलब्ध कराता है। पंजीकरण करने पर एनबीटी कृतियों पर 10फीसदी तक की विशेष छूट भी मिलेगी। चौथा गोमती पुस्तक महोत्सव (20-28 सितम्बर 2025, प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक, निःशुल्क प्रवेश) लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित होगा। यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि साहित्य, कला और संस्कृति के इस भव्य उत्सव में सभी को सहभागी बनने का आमंत्रण है।

भूकंप, अग्निकांड एवं गैस रिसाव पर जनपद में राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

लखनऊ के आदेशानुसार आज उत्तर प्रदेश के 34 जनपदों की समस्त तहसीलों में भूकंप, अग्निकांड एवं रासायनिक गैस रिसाव पर राज्य स्तरीय मॉक

एक्सरसाइज आयोजित की गई। इसी क्रम में जिलाधिकारी

गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम के निर्देशों के क्रम में एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार के मार्गदर्शन में जनपद गौतम बुद्ध नगर की तीनों तहसीलों में मॉक एक्सरसाइज संपन्न हुई। तहसील सदर में मेजर खातरनाक फैक्ट्री मैसेज डिक्शन इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड में औद्योगिक गैस रिसाव की मॉक एक्सरसाइज उपनिदेशक कारखाना बृजेश सिंह एवं सहायक निदेशक कारखाना संदीप सिंह के पर्यवेक्षण में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल द्वारा की गई। तहसील दादरी में अशोक न्यूरो एंड ट्रॉमा सेंटर में अग्निकांड

की स्थिति पर बचाव कार्य का अभ्यास उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा के पर्यवेक्षण में मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप चौबे एवं उनकी टीम द्वारा किया गया।

वहीं तहसील जेवर में प्रज्ञान पब्लिक स्कूल में भूकंप आपदा की मॉक एक्सरसाइज उप जिलाधिकारी जेवर अभय सिंह के पर्यवेक्षण में राज्य आपदा मोचन बल लखनऊ की टीम द्वारा आयोजित की गई। इस सम्पूर्ण मॉक एक्सरसाइज स्मॉगल को सफल बनाने में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद्र कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, अशोक चिकित्सालय न्यूरो एण्ड ट्रामा सेंटर अजीत, मैसेज इलेक्ट्रॉन मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड के जुनैद अख्तर, प्रधानाचार्य प्रज्ञान पब्लिक स्कूल दीप्ति शर्मा एवं संबंधित अधिकारियों का विशेष सहयोग रहा एवं मॉक एक्सरसाइज स्मॉगल का सफल संचालन जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी द्वारा किया गया।

सीवर हादसे में दो सफाईकर्मियों की मृत्यु पर 'नौएडा सिटीजन फोरम' ने की मुख्यमंत्री से न्यायिक जांच व मुआवजे की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सैक्टर-115

में 16 अगस्त 2025 को हुए हृदयाविदारक सीवर हादसे, जिसमें दो सफाईकर्मियो खुशहाल और विकास की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु हो गई--के संबंध में नौएडा सिटीजन फोरम (एन.सी.एफ) के प्रतिनिधि मंडल ने संरक्षक शालिनी सिंह के नेतृत्व में सिटी मजिस्ट्रेट को पत्र सौंप कर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से हादसे की न्यायिक जांच एवं पीड़ित परिवारों को मुआवज़े की मांग की है। पत्र में नौएडा प्राधिकरण और संबांधित ठेकेदार पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मांग की गई है कि बिना किसी सुरक्षात्मक उपकरण के सफाईकर्मियों को सीवर में उतारना न सिर्फ अमानवीय है, बल्कि कानून और मानवाधिकारों का भी खुला उल्लंघन है।पत्र की प्रमुख मांगें इस प्रकार हैंः- 1. मृतक सफाईकर्मियों के परिजनों को कम से कम रु5 लाख का मुआवजा प्रदान किया जाए। 2. पीड़ित परिवारों को स्थायी आजीविका का साधन मुहैया कराया जाए। 3. सीवर सफाई में आधुनिक मशीनों का प्रयोग अनिवार्य किया जाए। 4. सभी नगर निकायों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। 5. ठेकेदारी प्रथा पर पुनर्विचार कर मजदूरों के शोषण को रोका जाए। 6. न्यायिक जांच के माध्यम से दोषियों को चिह्नित कर कठोर कार्यवाही की जाए। इस हादसे में एक मृतक की पत्नी गर्भवती है और अन्य परिजनों की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय है।

फोरम ने यह भी चिंता जताई कि पीड़ित परिवारों को घटना के बाद किसी अज्ञात स्थान पर भेज दिया गया, जो स्वयं एक गंभीर मुद्दा है और इसकी भी जांच की जानी चाहिए।

नौएडा सिटीजन फोरम की संरक्षक शालिनी सिंह ने कहा,,'आज जब हम स्मार्ट सिटीज़ और डिजिटल भारत की बात करते हैं, तब ऐसे हादसे हमें हमारे भीतर छिपे सामाजिक अन्याय का आईना दिखाते हैं। अगर अब भी सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो यह सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि एक व्यवस्था की हत्या कहलाएगी।' एन.सी.एफ. को विश्वास है कि मुख्यमंत्री इस संवेदनशील विषय पर शीघ्र व कठोर कार्यवाही करते हुए पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाएंगे और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु आवश्यक कदम उठाएंगे। एन.सी.एफ. प्रतिनिधि मंडल में संरक्षक शालिनी सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष इंद्राणी मुखर्जी, सचिव गरिमा त्रिपाठी, कार्यकारिणी सदस्य राहुल राघव सिंह और रेनु बाला शर्मा आदि थे।

फेलिक्स हॉस्पिटल का हेल्थ कैंप बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए नई उम्मीद नोएडा के सेक्टर 135 स्थित अश्विक फार्म्स में लगा विशेष स्वास्थ्य शिविर

निःशुल्क हेल्थ चेक-अप व परामर्श से सैकड़ों परिवार हुए लाभान्वित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। बाढ़ से प्रभावित परिवारों की स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए फेलिक्स हॉस्पिटल ने सेव हेरिटेज संस्था के साथ मिलकर दो दिवसीय निःशुल्क मेडिकल कैंप का

आयोजन किया गया । यह शनिवार से रविवार को नोएडा के सेक्टर 135 के अश्विक फार्म्स में आयोजित किया गया । जिसमें बाढ़ पीड़ित परिवारों क चिकित्सा सेवाएं और परामर्श दी जा रही हैं।इस कैंप में एकत्र हुए लोगों के लिए फ्री हेल्थ चेक-अप, सामान्य चिकित्सा, बाल रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों द्वारा परामर्श के साथ-साथ स्वास्थ्य जागरूकता व बचाव संबंधी सलाह दी जा रही हैं । शिविर में डॉक्टरों की टीम ने बच्चों, महिलाओं तथा बुजुर्गों की विस्तृत जांच की और कई लोगों को आवश्यक दवाएं भी निःशुल्क उपलब्ध कराईं। फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. डी के गुप्ता ने बताया कि बाढ़ के पानी में कई प्रकार के रोगाणु और बैक्टीरिया मौजूद रहते हैं। बाढ़ के बाद स्वास्थ्य की स्थिति बहुत जल्दी बिगड़ सकती है। सबसे आम समस्या पानी और भोजन से होने वाली बीमारियां हैं। पानी में फेंके गए मल और कचरे से डायरिया, हैजा, टायफॉयड और हैपेटाइटिस-ए जैसी बीमारी फैलती हैं। इसके अलावा स्किन इंफेक्शन और फंगल इन्फेक्शन भी आम हो जाते हैं, क्योंकि गीली और गंदगी भरी स्थिति में त्वचा पर बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं। बाढ़ के पानी में खड़े रहना या गंदे पानी से खेलने वाले बच्चों और बुजुर्गों में लेप्टोस्पाइरोसिस और फाइलेरिया जैसी बीमारी भी देखने को मिलती हैं। कीट और मच्छर भी तेजी से पनपते हैं। जिससे मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी रोगों का खतरा बढ़ जाता है। सफाई और साफ पानी की कमी से संक्रमण और तेजी से फैलता है। बाढ़ के बाद, सुरक्षित पानी पीना, भोजन अच्छी तरह पकाना, कीट नियंत्रण और त्वचा की सफाई बहुत जरूरी है। प्राथमिक उपचार और टीकाकरण से इन बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। लोगों को बीमारी से बचाने के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ है। समाज में आपदा के समय स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। शिविर में मरीजों का ब्लड प्रेशर, शुगर, बुखार, त्वचा एवं सांस संबंधी बीमारियों की जांच की जा रही हैं। इसके साथ ही महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर अलग से डॉक्टरों ने परामर्श दिया। आयोजन का उद्देश्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के निवासियों को त्वरित और निःशुल्क चिकित्सा सुविधा देना तथा स्वास्थ्य शिक्षा से उन्हें सशक्त बनाना हैं । सैकड़ों लोगों ने शनिवार को शिविर का लाभ उठाया।जांच के बाद जरूरतमंद मरीजों को विशेष दवाएं और रोग निवारक गाइडेंस दी जा रही हैं । जिन महिलाओं को डॉक्टर के रेगुलर फॉलो-अप की जरूरत है, उन्हें भविष्य में फेलिक्स हॉस्पिटल की विशेष सेवाओं के लिए रजिस्टर किया जा रहा हैं । उन्हें इलाज और मदद की जा रही हैं । बच्चों में कुपोषण व आम संक्रमण की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य की जानकारी दी गई। रविवार को भी स्वास्थ्य शिविर के आयोजन होगा। जिसमें लोग स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठा सकते हैं। अस्पताल समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझता है। ऐसे शिविर उन परिवारों के लिए जीवनदायी साबित होते हैं जिनके पास स्वास्थ्य सुविधाएं सीमित हैं। सेव हेरिटेज के प्रतिनिधि ने भी अन्य सामाजिक संस्थाओं से आगे आकर ऐसे सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटल ने समाज सेवा की अपनी परंपरा को कायम रखते हुए बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा की 'नई जीवन रेखा' खींची है। चिकित्सा, परामर्श और स्वास्थ्य जागरूकता का यह प्रयास शहर के दूसरे संस्थानों के लिए प्रेरणा है।

नोएडा स्टेडियम में 22 सितंबर से होगा रामलीला का मनमोहक मंचन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति, नोएडा द्वारा प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए समिति के सदस्यों ने बताया कि पिछले 40 वर्षो से निरंतर नोएडा शहर में प्राधिकरण एवं प्रशासन की सहयोग से रामलीला मंचन एवं विजयादशमी महोत्सव का आयोजन रामलीला ग्राउंड, नोएडा स्टेडियम सैक्टर 21ए नोएडा में करते आ रहे है। रामलीला का मंचन इस वर्ष दिनांक 22.9.2025 से 3.10.2025 तक आयोजन किया जायेगा। जिसमें शहर के सभी गणमान्य नागरिक आयोजन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते है इसलिये आयोजन को सफलता प्रदान होती है। इस वर्ष 40 वर्ष के प्रयास करते हुए हरी भक्त कला ट्रस्ट द्वारा दिल्ली एवं मुंबई के प्रसिद्ध टीवी व फिल्मी कलाकारों द्वारा रामलीला मंचन किया जायेगा। जिसमें दशहरा 2.10.2025 को रावण, कुंभकरण, मेघनाथ के पुतलों का दहन होगा और अगले दिन दिनांक 3.10.2025 को भरत मिलाप के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं डांडिया के साथ इस वर्ष लीला का विश्राम होगा। रामलीला मंचन का शुभ आरंभ दिनांक 22.9.2025 को सायं 07ः00 बजे गणेश पूजन के साथ प्रारंभ होगा। जिसमें संस्था के मुख्य संरक्षक डा. महेश शर्मा गौतमबुद्धनगर सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार, पंकज सिंह माननीय विधायक नोएडा, श्रीमती विमला बाथम पूर्व अध्यक्ष महिला आयोग उ.प्र., कैप्टन विकास गुप्ता, अध्यक्ष उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद नवाब सिंह नागर पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश, पी के अग्रवाल स्वागत अध्यक्ष पीयूष द्विवेदी, कार्यक्रम संयोजक मधुसूदन दादू जी राष्ट्रीय अध्यक्ष लघु उद्योग भारती,डा. वी.एस. चौहान, सीएमडी प्रकाश हॉस्पिटल उपस्थित रहेगे। भव्य राम बारात बैड बाजे, रथ, ढोल नगाड़े एवं सुंदर झांकियों के साथ दिनांक 26.9.2025 को श्री सनातन धर्म मंदिर सैक्टर 19, नोएडा से दोपहर 03ः00 बजे प्रारंभ होकर नोएडा के विभिन्न सैक्टर होते हुए रामलीला मैदान, सैक्टर 21ए रात्रि 08ः00 बजे भगवान श्रीराम की बारत पहुंचेगी। मंच की सुंदरता एवं भव्यता पूर्व से भी इस बार और अच्छी से दर्शायी जायेगी । सुंदर एवं प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा भव्य एवं अलौकिक मंचन किया जायेगा। मंच एवं पूरे ग्राउंड पर बहुत ही सुंदर लाइट की व्यवस्था एवं आने वाले सभी भक्तों के लिए बैठने की व्यवस्था की गई है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के द्वारा बुराई का अंत अच्छाई के विजय का पर्व दिनांक 2.10.2025 को विजयादशमी जिसमें रावण, कुंभकरण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया जायेगा। इस बार के पुतले जो दहन के समय बहुत ही आकर्षित करेंगे इनका साइज रावण 80 फीट, कुंभकरण 75 फीट, मेघनाथ 65 फीट है। रंग बिरंगे अंदाज में पगड़ी पहने बिजली की लाइट से जगमगाते हुए तथा सुंदर आतिषबाजी के साथ दहन किया जायेगा। प्रशासन द्वारा सभी अनुमतियां प्राप्त कर ली गयी है। मंच की सजावट जो इस बार बहुत ही सुंदर बनायी गई है जिसमें डबल मंच पर रामलीला का मंचन होगा जो एक बहुत ही महल के रूप में दिखाया गया है जिसमें जंगल पहाड़ एवं किला का कार्य पूर्ण किया जा रहा है सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षाकर्मी, स्वयं सेवक, संस्था के सदस्य पदाधिकारी सभी व्यवस्थाओं को देखेंगें। पूरे आयोजन के दौरान खाने- पीने का फूड स्टाल, झूला, सर्कस, फायर क्रैकर शो का भी आयोजन किया जायेगा।

समझना होगा कि हम मशीनों पर गुस्सा नहीं कर सकते

'डिंग डॉन्ग'.. दरवाजे बाईं ओर खुलेंगे' क्या ये आवाज और इस घोषणा से आप परिचित हैं? जी हां, ये आम तौर पर मेट्रो ट्रेन में सुनाई देती है। इस शनिवार को जब बेंगलुरु में 'ग्रीन लाइन' मेट्रो सर्विस के वाजरहल्ली स्टेशन पर मेट्रो रुकी तो बिल्कुल ऐसी ही घोषणा हुई। यात्रियों ने धैर्य से दरवाजे खुलने का इंतजार किया, क्योंकि ट्रेन के पूरी तरह से रुकने के कुछ सेकंड बाद सिस्टम दरवाजे खोलता है। लेकिन किसी अज्ञात तकनीकी खराबी के कारण मेट्रो के कुछ दरवाजे नहीं खुले। ट्रेन चल पड़ी, जैसे हर स्टॉप के बाद चलती है, बिना यह जाने कि पीछे के डिब्बों में कोई तकनीकी खराबी आ गई है। उतरने को बेताब यात्री स्तब्ध रह गए, उन्होंने वहीं किया, जिसमें वो अच्छे हैं- घबरा गए! इसके बाद कुछ यात्रियों ने दिमाग में खुराफाती विचारों के साथ चीखना शुरू कर दिया और भीड़ भी उनके पीछे हो चली। किसी ने नहीं सोचा कि ये तर्कसंगत है भी या नहीं। और बेंगलुरु भी कोई अलग नहीं था। घबराए यात्री तेजी से भाग कर मेट्रो पायलट (मेट्रो ट्रेन के चालक को पायलट कहा जाता है) के केबिन के पीछे वाले लेडीज कोच में पहुंचे और पायलट केबिन का दरवाजा पीटना शुरु किया, जैसे वो किसी ऐसे 'घोड़े बेचके सोने वाले' रूममेट को जगाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे यह पता नहीं कि घर में आग लगी है। धक्कामुक्की और हंगामे से डरे पायलट ने सोचा कि कुछ भयंकर हुआ है और उसने ब्रेक लगा दिए, जिससे ट्रेन एक निर्जन से स्थान पर जाकर रुक गई। जैसे ही उसने सावधानी से अपने केबिन का गेट खोला, उसके सामने गुस्साए यात्री खड़े थे, जो इस बात का जवाब मांग रहे थे कि क्यों उन्हें पिछले स्टेशन पर नहीं उतरने दिया गया। इसके बाद कुछ मिनटों तक तीखी नोकझोंक हुई। और आप जानते हैं कि जब भीड़ एकत्रित होती है तो कोई एक व्यक्ति तर्कसंगत तरीके से बात नहीं कर सकता। पायलट ने यह समझाने की विफल कोशिश की कि उसे पीछे हुई समस्या के बारे में पता नहीं था और जब यात्री उसके केबिन के दरवाजे को पीटने

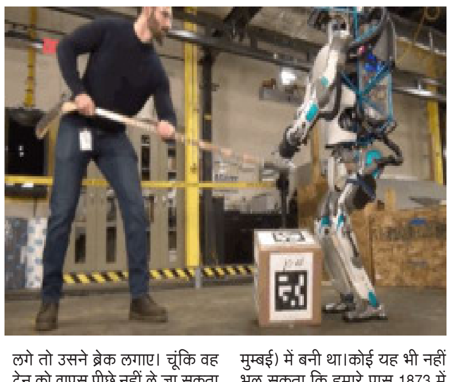

लगे तो उसने ब्रेक लगाए। चूंकि वह ट्रेन को वापस पीछे नहीं ले जा सकता था, इसलिए पायलट ने सभी यात्रियों से अपने-अपने डिब्बों में लौटने के लिए कहा। पायलट ने यात्रा फिर शुरू की और अगले स्टेशन पर ट्रेन रोक दी। वही आंदोलनरत यात्री तत्काल इकट्ठा हो गए, पायलट के केबिन की ओर भागे और प्लेटफॉर्म पर खड़े होकर उससे गलती के लिए स्पष्टीकरण मांगने लगे।उनमें से कुछ पिछले स्टेशन पर वापसी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए भी कह रहे थे। लोको पायलट ने पूरा मामला स्टेशन कंट्रोलर को रिपोर्ट किया, जिसने आकर स्थिति संभाली और वापसी की यात्रा में यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने में यथासंभव सहायता की। भारत में अभी 17 शहरों में 17 मेट्रो रेल सिस्टम संचालित हो रहे हैं, जिनकी कुल परिचालन दूरी 939.18 किमी की है। 2025 के अंत तक 18वीं ऐसी सेवा की शुरुआत के साथ ही कुल परिचालन दूरी 1000 किलोमीटर से अधिक हो जाएगी, जिससे हमारा मेट्रो सिस्टम दुनिया का तीसरा सबसे लंबा सिस्टम बन जाएगा। भारत में अर्बन रेल ट्रांजिट सिस्टम का पहला प्रकार उपनगरीय रेल थी, जो 16 अप्रैल 1853 को तत्कालीन बॉम्बे (आज के मुम्बई) में बनी था।कोई यह भी नहीं भूल सकता कि हमारे पास 1873 में कलकत्ता (आज के कोलकाता) में घोड़ों द्वारा खींची जाने वाली ट्राम सेवा भी थी। आवागमन के मामले में तब से अब तक भारत मशीन और तकनीकी की सहायता से बहुत आगे बढ़ चुका है। विदेशों में ऐसी तकनीकी गड़बड़ियां सामान्य हैं। हाल ही मैंने ऐसी ही एक खराबी न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर स्टेशन पर देखी। वहां यात्रियों को जब ये बताया गया कि तकनीकी कारणों से एक सेवा कुछ घंटों के लिए अस्थायी रूप से बाधित रहेगी तो सभी यात्री शांति से स्टेशन के बाहर आ गए। फंडा यह है कि आप मशीनों पर नाराज नहीं हो सकते। तकनीकी और ऊर्जा पर चलने वाली मशीनों की दुनिया में गड़बड़ी तो होगी ही, भले ही बार-बार ना हो। हमें धैर्य विकसित करना होगा और सीखना होगा कि ऐसी स्थितियों पर कैसे प्रतिक्रिया दें। अन्यथा ये दुनिया हम पर हंसेगी।

अर्थव्यवस्था में सोने का और बेहतर उपयोग कैसे करें?

आज भारतीय परिवारों के पास दुनिया के दस सबसे बड़े केंद्रीय बैंकों- अमेरिका, जर्मनी, रूस, फ्रांस, चीन, इटली, स्विट्जरलैंड, जापान, तुर्किये

और खुद भारत के स्वर्ण भंडारों से भी अधिक सोना है! भारतीय घरों में लगभग 25,000 टन सोना रखा हुआ है। यह अमेरिकी सरकार के स्वर्ण भंडार (8,133 टन) का तीन गुना और भारतीय रिजर्व बैंक (879 टन) के स्वर्ण भंडार का लगभग 30 गुना है।आज की कीमतों के हिसाब से भारत के घरेलू सोने की कीमत कितनी होगी? सोने के मूल्य लंबे समय से बढ़ रहे हैं, लेकिन हाल के वर्षों में भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण इनमें उछाल आया है। लगभग एक लाख रुपए (1,200 डॉलर) प्रति तोला (10 ग्राम) की वर्तमान कीमत के हिसाब से भारतीय घरों में रखे 25,000 टन सोने का मूल्य लगभग 3 ट्रिलियन डॉलर ठहरता है। यह भारत की 2025 की जीडीपी 4.19 ट्रिलियन डॉलर का लगभग 75

प्रतिशत है।अनुमान है कि इनमें भी भारतीय महिलाओं के पास ही 24,000 टन से ज्यादा सोना है। यह अमेरिका सहित जर्मनी (3,300 टन), इटली (2,450 टन), फ्रांस (2,400 टन) और रूस (1,900 टन) के केंद्रीय बैंकों के सोने के भंडार से ज्यादा है। ऑक्सफोर्ड गोल्ड ग्रुप की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय महिलाओं के पास दुनिया के कुल सोने का 11 प्रतिशत हिस्सा है।सोने से भारतीयों के इस असीम लगाव की वजह क्या है? इसे एक सुरक्षित और स्थिर निवेश माना जाता है। पिछले 25 वर्षों में ही सोने की कीमत 4,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर लगभग 1,00,000 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है- यानी 25 वर्षों में 25 गुना वृद्धि। चक्रवृद्धि आधार पर तो सोने का मूल्य प्रति वर्ष लगभग 14 प्रतिशत बढ़ा है और यह लगभग हर पांच साल में दोगुना हो रहा है।इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स 2000 से 2025 के बीच 6,000 से बढ़कर 80,000 से अधिक अंकों तक पहुंचा है- यानी 25 वर्षों में लगभग 14 गुना वृद्धि। यह 12 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) बताता है।लंबी अवधि में सोना इक्विटी से भी बेहतर प्रदर्शन करता है। स्टॉक के विपरीत, सोने की कीमतें कम अस्थिर होती हैं। दुनिया की सबसे रूढ़िवादी निवेशकों में से एक भारतीय महिलाओं को यह बात अच्छी तरह से पता है।सोने ने भारतीय परिवारों को शादियों के लिए पैसे जुटाने और दिवालिया होने से बचाने में मदद की है। लेकिन वित्तीय सुरक्षा के लिए रखे गए एक डेड-एसेट के बजाय भारत की अर्थव्यवस्था में सोने का अधिक प्रोडक्टिव उपयोग कैसे किया जा सकता है?आरबीआई की स्वर्ण निवेश योजना को सीमित सफलता मिली है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का उद्देश्य सोना रखने का विकल्प प्रदान करना है। जैसा कि आरबीआई कहता है, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक बेहतर विकल्प प्रदान करता है। इसमें स्टोरेज का जोखिम और लागत समाप्त हो जाती है।निवेशकों को मैच्योरिटी के समय सोने के बाजार मूल्य और आवधिक ब्याज का आश्वासन दिया जाता है। आभूषण के रूप में सोने के उपयोग के मामले में भी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड समस्याओं से मुक्त है। लेकिन भारतीयों में भौतिक सोने का आकर्षण इतना प्रबल है कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पूरी तरह से लोकप्रिय नहीं हो पाया है।भारत ने 2024-25 में 58.01 अरब डॉलर मूल्य के सोने का आयात किया। तस्करी को कम करने के उद्देश्य से आयात शुल्क में 15 से 6 प्रतिशत की कटौती ने 2023-24 में सोने के आयात को 27 प्रतिशत बढ़ाने में मदद की।2024-25 में भारत का व्यापारिक और सेवा व्यापार में कुल घाटा 94.26 अरब डॉलर था। इसलिए 2024-25 में भारत के आयात में 58.01 अरब डॉलर का सोना भारत के व्यापार घाटे का एक प्रमुख घटक है। वैसे भारत के आयात बिल में सबसे बड़ा घटक कच्चा तेल है, जिसका 2024-25 में 133 अरब डॉलर का योगदान था। सोने का आयात कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा है और इसे नियंत्रित करना आसान होना चाहिए। लेकिन भारतीय परिवारों की हर साल अधिक से अधिक सोना खरीदने की अतृप्त भूख ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा दिया है। सोने के प्रति आकर्षण आर्थिक के साथ ही सांस्कृतिक और भावनात्मक भी है। चूंकि भारतीय महिलाओं के पास 3 ट्रिलियन डॉलर मूल्य का 24,000 टन से अधिक सोना है और पिछले वित्तीय वर्ष में भी उन्होंने 58 अरब डॉलर मूल्य का अनुमानित 600 टन सोना खरीदा है, इसलिए सोने की कीमतों में उछाल बने रहने की संभावना है।सोने का आयात कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा है और इसे नियंत्रित करना आसान होना चाहिए। लेकिन भारतीय परिवारों की हर साल अधिक से अधिक सोना खरीदने की अतृप्त भूख ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा दिया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

अब गाजा में युद्ध का अंत चाहते हैं इजराइल के लोग

मैं इजराइल में एक सप्ताह बिताकर लौटा हूं और मैंने वहां 7 अक्टूबर 2023 के बाद पहली बार कुछ नया महसूस किया। इसे एक व्यापक युद्ध-विरोधी आंदोलन कहना तो जल्दबाजी होगी, क्योंकि वह तभी हो सकता है जब सभी इजराइली बंधकों को रिहा कर दिया जाए। लेकिन मैंने इस बात के स्पष्ट संकेत देखे कि बहुतेरे इजराइली लोग- फिर चाहे वे किसी भी विचारधारा के क्यों न हों- इस निष्कर्ष पर पहुंच रहे हैं कि यह युद्ध जारी रखना इजराइल के लिए एक आपदा है : नैतिक के साथ ही कूटनीतिक या रणनीतिक रूप से भी।पूर्व प्रधानमंत्री एहुद ओलमर्ट ने समाचार पत्र हारेत्ज में एक लेख लिखा, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके गठबंधन की आलोचना करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ओलमर्ट ने कहा कि इजराइल की सरकार बिना किसी उद्देश्य, लक्ष्य या स्पष्ट योजना के और किसी सफलता की संभावना के बिना ही युद्ध लड़ रही है। उन्होंने कहा, हम गाजा में जो कर रहे हैं, वह विनाशलीला है : नागरिकों की अंधाधुंध, असीमित, क्रूर और आपराधिक हत्या। उनका निष्कर्ष था कि हां, इजराइल युद्ध-अपराध कर रहा है।नेतन्याहू की अपनी दक्षिणपंथी पार्टी के सदस्य एमिट हलेवी जैसे लोग- जो कि युद्ध के कट्टर समर्थक रहे हैं- को लगता है कि क्रियान्वयन में गड़बड़ी हो रही है। हलेवी की विदेश मामलों और रक्षा समिति की सदस्यता नेतन्याहू के गठबंधन द्वारा निलंबित कर दी गई थी, क्योंकि उन्होंने इजराइली रिजर्विस्टों के लिए आपातकालीन कॉल-अप आदेश जारी करने की सरकार की क्षमता का विस्तार करने के प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया था।अपनी बर्खास्तगी के बाद एक अखबार को दिए साक्षात्कार में हलेवी ने कहा : यह युद्ध एक धोखा है। उन्होंने अपनी उपलब्धियों के बारे में हमसे झूठ बोला है। इजराइल 20 महीनों से लड़ रहा है और वह हमास को नष्ट करने में सफल नहीं हो रहा है।वहीं इजराइल के उदारवादी गठबंधन के नेता यायर गोलान ने इजराइल रेडियो पर दिए एक इंटरव्यू में कहा कि अगर हम एक समझदार देश की तरह व्यवहार करना नहीं सीखते हैं, तो इजराइल दक्षिण अफ्रीका की तरह एक बहिष्कृत राष्ट्र बनने की डगर पर है।एक समझदार देश नागरिकों के खिलाफ नहीं लड़ता है, बच्चों को नहीं मारता है और आबा?दियों को अपनी रहने की जगहों से बाहर निकालने का लक्ष्य नहीं रखता है। गोलान- जो खुद गाजा-युद्ध के नायक रह चुके हैं- ने स्पष्ट किया कि वे इजराइली सेना नहीं, उन राजनेताओं को दोष दे रहे हैं, जो युद्ध को ऐसे कारणों से बढ़ा रहे हैं, जिनका राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई लेना-देना नहीं। आज किसी भी स्वतंत्र विदेशी पत्रकार को गाजा से सीधे रिपोर्ट करने की अनुमति नहीं दी जा रही है- इजराइली सेना के बिना। जब युद्ध खत्म होगा और गाजा अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों और फोटोग्राफरों से भर जाएगा, तब जाकर वहां से मृत्यु और विनाश की पूरी रिपोर्ट सामने आएंगी। वह इजराइल और यहूदी-समुदाय के लिए बहुत बुरा समय होगा। यही कारण है कि गोलान ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अब रुक जाएं, युद्ध-विराम करें, बंधकों को वापस लाएं, गाजा में एक अंतरराष्ट्रीय और अरब सेना भेजें और बाद में हमास के अवशेषों से निपटें। उन्होंने कहा, जब आप पहले ही गड्ढे में हों तो और खुदाई करना बंद कर दें। लेकिन नेतन्याहू खुदाई जारी रखने पर अड़े हुए हैं। उनका दावा है कि वे हमास पर दबाव बनाकर इजराइली बंधकों को लौटा ला सकते हैं। वहीं उनके गठबंधन के धुर-राष्ट्रवादी सदस्यों ने भी उनसे कहा है कि अगर वे युद्ध बंद कर देते हैं, तो उनका तख्तापलट कर दिया जाएगा। इसलिए इजराइली सेना अधिक से अधिक सेकंडरी-टारगेट्स पर हमला कर रही है, और नतीजा यह है कि हर दिन नागरिक मारे जा रहे हैं। हारेत्ज के सैन्य विश्लेषक अमोस हारेल ने बताया कि हमास नेताओं के खिलाफ चलाए जा रहे कई बमबारी अभियान वास्तव में सामूहिक हत्या के प्रयास हैं, अकसर तब, जब वे अपने परिवार के साथ होते हैं। ये अधिकारी अब निजी घरों या अपार्टमेंट इमारतों में नहीं रहते। वे अमूमन हजारों नागरिकों के साथ भीड़ भरे कैंपों में रहते हैं। सेना चाहे जितनी सावधानी बरते, इन हमलों के परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर आम नागरिकों की हत्याएं होती हैं। लेकिन इजराइल के लोग गाजा में हताहतों की बढ़ती संख्या के चलते ही युद्ध के खिलाफ नहीं हो रहे हैं। हकीकत यह है कि युद्ध ने पूरे समाज को थका दिया है। इसके संकेत आज आत्महत्याओं की बढ़ती संख्या से लेकर टूटते परिवारों और ढहते व्यवसायों तक सब तरफ नजर आ रहे हैं।गाजा में भी युद्ध-विरोधी आंदोलन जोर पकड़ता दिख रहा है। फिलिस्तीनी सेंटर फॉर पॉलिसी एंड सर्वे रिसर्च के सर्वे में पाया गया कि गाजा पट्टी के 48फीसदी लोगों ने हाल में कई जगहों पर हुए हमास- विरोधी प्रदर्शनों का समर्थन किया हैं।

'चुपचाप भुगतने दो' की कला में आलोचना झेलने का तरीका छिपा है!

सैकड़ों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भरी दुनिया में

किसी को भी अपनी राय व्यक्त करने के लिए दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं, लेकिन हर विषय पर अपनी विशेष टिप्पणी देना तो जैसे कई लोगों का शगल बनता जा रहा है। चाहे उन्हें उस क्षेत्र का ज्ञान हो या न हो। वे हर चीज पर टीका-टिप्पणी करते हैं और किसी भी बात को तिल का ताड़ बना सकते हैं। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जो अपने अच्छे काम के बावजूद भी लोगों की शिकायतों की बौछार से परेशान हो जाते हैं, तो यह कहानी आपके लिए है।जयपुर में एक महिला हैं, जो एक पेइंग गेस्ट हाउस चलाती हैं। उनका एक पुश्तैनी घर है, जिसमें 10-12 बड़े कमरे हैं। उन्होंने हर कमरे में 3 बिस्तर लगा रखे हैं। उनके पेइंग गेस्ट हाउस में भोजन भी मिलता है। उन्हें खाना खिलाने का बहुत शौक है। वे बड़े मन से खाना बनाती और खिलाती हैं। उनके यहां इतना शानदार भोजन मिलता है कि कोई बढ़िया से बढ़िया शेफ भी वैसा नहीं बना सकता। उनके पेइंग गेस्ट हाउस में ज़्यादातर नौकरी करने वाले लोग और छात्र रहते हैं। सुबह का नाश्ता और रात का भोजन तो सभी लोग करते ही हैं। और जिसे ज़रूरत होती है, वे दोपहर का भोजन पैक करके भी देती हैं। लेकिन उनके यहां एक बड़ा अजीब नियम है। हर महीने में सिर्फ 28 दिन ही भोजन बनता है। बाकी 2 या 3 दिन सबको होटल में खाना पड़ता है। ऐसा नहीं है कि आप पेइंग गेस्ट हाउस की रसोई में खुद कुछ बना लें। रसोई उन 2-3 दिनों के लिए पूरी तरह से बंद रहती है। हर महीने के आखिरी तीन दिन मेस बंद रहता है। सभी को होटल में खाना पड़ता है, और चाय भी बाहर जाकर पीनी होती है।जब किसी ने पूछा कि यह क्या अजीब नियम है? आपकी रसोई केवल 28 दिन ही क्यों चलती है? वे बोलीं, 'शुरू में यह नियम नहीं था। मैं इसी तरह, इतने ही प्यार से खाना बनाती और खिलाती थी। पर उनकी शिकायतें कभी खत्म ही नहीं होती थीं। कभी यह कमी है, कभी वह कमी है- हमेशा असंतुष्ट और आलोचना करते रहते थे। इसलिए तंग आकर मैंने यह 28 दिन वाला नियम बना दिया। 28 दिन प्यार से खिलाओ और बाकी 2-3 दिन बोल दो कि जाओ, बाहर खाओ। उन 3 दिनों में, उन्हें नानी याद आ जाती है। उन्हें आटे-दाल का भाव पता चल जाता है। उन्हें पता चल जाता है कि बाहर कितना महंगा और कितना घटिया खाना मिलता है। दो घूंट चाय भी 15-20 रुपये की मिलती है। उन्हें मेरी कीमत ही इन 3 दिनों में पता चलती है। इसलिए बाकी 28 दिन वे बहुत कायदे में रहते हैं।'यह वाकिया मुझे तब आया, जब मुझे शनिवार की सुबह दैनिक भास्कर के पाठक 70 वर्षीय शारदा और उनके 75 वर्षीय पति सीताराम अग्रवाल का ईमेल मिला। वे रायपुर के तेलीबांधा से हैं। उन्होंने लिखा कि कैसे कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के समिति सदस्यों की, वहां के रहवासी बिना वजह आलोचना करते हैं। और रहवासी, समिति सदस्यों से ऐसे पेश आते हैं, मानो वे सैलरी पर रखे हुए कोई कर्मचारी हों, जबकि वे लोग तो स्वेच्छा से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।उन्होंने दुखी होकर बताया कि अमूमन सभी हाउसिंग सोसायटी के यही हाल हैं, जहां अगर कॉलेनी में किसी भी सुविधा में कमी या उसका अभाव दिखता है, तो रहवासी आपे से बाहर हो जाते हैं। सीताराम जी ने मेरे साथ फोन पर बातचीत में बताया कि इससे असंतोष बढ़ता है और अच्छे दिल से काम करने वाले वॉलेंटियर भी सामाजिक कामों से खुद को दूर कर लेते हैं।फंडा यह है कि अगर आप चाहते हैं कि ग्राहक आपकी निष्ठा, प्रतिबद्धता और गुणवत्ता का मूल्य समझें, तो उनकी बात पर कोई प्रतिक्रिया न दें, बस अपनी अनुपस्थिति से उन्हें आपकी प्रतिबद्धता का एहसास कराएं। जब वे चुपचाप भुगतेंगे और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की कमी का अनुभव करेंगे, तभी वे आपका सम्मान करेंगे।

परमात्मा पर जितना भरोसा, संसार से उतने ही कम धोखे

मनुष्य को कर्म नहीं भटकाते, कर्म करने का दबाव परेशान नहीं

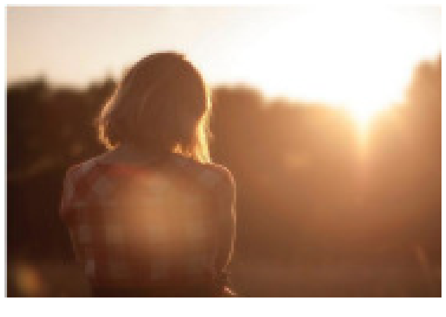

करता, उसे कर्त्ताभाव परेशान करता है। कर्म करने और कर्त्ताभाव में अंतर है। कर्त्ताभाव का अर्थ है मैं यह काम कर रहा हूं। ये जो मैं है, यही परेशानी का कारण है। ये सही है कि हम ही कर रहे हैं, पर कर्त्ताभाव के अभाव का अर्थ है कोई एक परम शक्ति है, जो हम से करा रही है, तो हम कर रहे हैं। आजकल हमारे जीवन में सहज ही डिजिटल मीडिया के कारण कई वैद्य-डॉक्टरों की भरमार हो गई है। स्वास्थ्य को लेकर जानकारियों की झड़ी लगी हुई है और हम सब भी कुछ न कुछ करने के लिए इस सबमें उतर जाते हैं। झूठे आश्वासन, अतार्किक ?चिकित्सा, अंधविश्वास से भरी धार्मिक कथाओं, ?फिजूल के किस्सों आदि के लपेटे में न आएं। ये अप्रत्याशित समाधान जो सोशल मीडिया से पेश किए जा रहे हैं, इनके प्रति अतिरिक्त सावधान रहें। परमात्मा पर जितना भरोसा होगा, उतनी सावधानी जीवन में आ जाएगी और संसार से उतने ही धोखे कम मिलेंगे।

बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं

मुझे पता है, आप क्या सोच रहे हैं? दरअसल, ये कहना आसान है और करना मुश्किल। खासकर तब जब कोई व्यक्ति ट्रेन की बोगी में कई सारी गेंदें और गुड़िया लटकाए घूम रहा है और बार-बार आकर कह रहा है कि कौन मुन्ना रो रहा

है? मैं उसे दो सेकंड में खुश कर दूंगा और वह एक रबर की पारदर्शी गेंद रेलवे बर्थ के बीच फेंकता है और गेंद अचानक कई रंगों में चमकने लगती है। और बच्चा कहता है कि 'मुझे वो बॉल चाहिए।' बच्चे को समझाने की कोशिश करें कि यह 48 घंटे से ज्यादा काम नहीं करेगी तो सेल्समैन आप पर टूट पड़ता है कि सर, मैं गारंटी देता हूं कि मुन्ना आपकी वापसी की यात्रा में भी इसी से खेलेगा।मैं हमेशा इसी ट्रेन में रहता हूं। अगली गर्मियों में भी यदि ये गेंद काम नहीं करे आप आकर इसे वापस कर सकते हो। मैं बिना कोई सवाल पूछे इसे बदल दूंगा।' इस बीच आप देखेंगे कि बच्चा पहले ही बॉल से खेलने लग गया है और उसे दूसरी बर्थों पर लुढ़काने लगा है।आपके पास इसे खरीदने के अलावा कोई चारा नहीं रहता। और ऐसी खरीदारी कर चुके आपमें से अधिकांश लोग मुझसे सहमत होंगे कि ऐसी गेंदें एक यात्रा में भी नहीं चल पाती। या तो बच्चा इसे खो देता है या फिर गेंद की वो चमकीली लाइटें बंद हो जाती है, जो फर्श पर मारने के बाद बच्चे को आकर्षित करती थीं।ज्यादातर दूसरा वाला कारण अधिक सामान्य है। अब यह बॉल आपके बैग में रखी हुई एसी कार से घर वापसी की यात्रा कर रही है। और घर पर ये बॉल या तो भुला दी गई है या किसी कोने में अव्यवस्थित सी पड़ी है और कुछ समय बाद कूड़ेदान में चली जाती है!अगर आपके घर में बच्चे हैं तो मुझसे यह मत कहिएगा कि आपके घर में ऐसा कुछ नहीं हुआ। यही कारण है कि मैंने इस हैडलाइन के साथ शुरूआत की थी कि बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं। उपहार विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि कैसे उपयोगिता, बच्चे के विकास और खुशी को प्राथमिकता दी जाए। वे ऐसे गिफ्ट की सलाह देते हैं, जो खेल और रचनात्मकता को बढ़ावा दे और प्लास्टिक से बचने की राय देते हैं। यहां उम्र के अनुसार कुछ सुझाव पेश हैं।4 वर्ष उम्र वालों के लिएः हिसार में एक स्कूल चलाने वाले मेरे दोस्त हरिपाल पिलानिया ने मुझे लकड़ी के क्यूब्स दिए, जिनसे बच्चे रूबिक क्यूब बना सकते हैं। यकीन मानें, यह गेम आज भी मेरे घर पर 10 साल से है और जो बच्चे मेरे घर आते हैं, बिना थके इससे खेले हैं, चाहे फिर वह 10 साल के हों।6 वर्ष उम्र वालों के लिएः कैट एंड रैट थीम वाले कार्ड गेम। मैंने इसे अमेरिका से खरीदा था। बच्चे ताश खेलने वाले बड़ों की नकल पसंद करते हैं। अकेली बिल्ली किसी चूहे पर भारी पड़ जाए या चूहों का एक समूह बिल्ली को घेर ले, यह वाकई मजेदार खेल है। यहां तक कि हमारी उम्र के लोग भी इसे खेल सकते हैं। मुझे बताओ कि ' रैट-ए-टैट कैट' जैसे गेम खेलने का किसका मन नहीं करेगा?8 वर्ष उम्र वालों के लिएः कई सारे ऐसे कलरफुल जर्नल्स हैं, जो प्रश्नों से भरे होते हैं, उनमें इलस्ट्रेशन और ड्रॉइंग के लिए संकेत होते हैं- उदाहरण के लिए 'यदि मेरे पास एक रोबोट होता तो मैं इसे प्रोग्राम करने के लिए कहता.(ऐसी चीजें मेरे दिमाग में है)10 वर्ष उम्र वालों के लिएः नए बेकर्स और उत्सुक कुक्स के लिए शेफ इन ट्रेनिंग एक गेम है। इसमें मिनी व्हिस्क, स्पेचुला, नापने वाला कप और कई सारी चीजें होती हैं। यह उन्हें अंडे फेंटने और सलाद सजाने जैसे कुछ काम सीखने में मदद करता है। फंडा यह है कि अलग-अलग उम्र के लिए ऐसा सही उपहार चुनना, जिसे वे संभाल कर रखें और ये आसान काम नहीं है। सबसे पहले हमें खुद को रचनात्मक होना पड़ेगा और उससे अधिक उपयोगिता के बारे में सोचना होगा कि वह गिफ्ट उसे बोर ना करे। यदि आपके पास कुछ सुझाव हैं, तो शेयर करें, ताकि मैं सभी पाठकों को इस बारे में बता सकूं।

अरबपतियों की संख्या बढ़ना खतरे की घंटी भी हो सकती है

हर साल मैं यह देखने के लिए फोर्ब्स की फेहरिस्त का विश्लेषण करता हूं कि किन देशों में अरबपतियों की सम्पत्ति उनके देश की जीडीपी के ?हिस्से के रूप में बढ़ रही है। या किन देशों में सम्पत्ति अरबपतियों के पारिवारिक साम्राज्य में केंद्रित होकर रह जा रही है या उन बुरे उद्योगों में तब्दील हो रही है, जो उत्पादकता से अधिक भ्रष्टाचार के लिए जाने जाते हैं। जिन देशों में इस तरह के मामले सबसे ज्यादा मिलते हैं, वहां पूंजीवाद-विरोधी विद्रोहों का खतरा भी सबसे अधिक रहता है। इस साल चेतावनियों के संकेत स्वीडन की ओर इशारा कर रहे हैं। भले ही कई प्रगतिशील लोग स्वीडन को एक समाजवादी-स्वर्ग के तौर पर देखते हों, लेकिन वहां अरबपतियों की संपत्ति जीडीपी के 31प्रतिशत तक हो गई है। यह 20 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। आज स्वीडन में 45 अरबपति हैं, जो अमेरिका से प्रति व्यक्ति पैमाने पर डेढ़ गुना अधिक हैं। अब तक के सबसे धनी अमेरिकी जॉन डी. रॉकफेलर हैं, जिनकी सम्पत्ति 1910 के आसपास जीडीपी की 1.5इ से अधिक थी। आज किसी अमेरिकी के पास इतनी दौलत नहीं। आज के रॉकफेलर स्वीडन में हैं, जिनमें से सात की सम्पत्ति जीडीपी के हिस्से में रॉकफेलर से अधिक है। एक कार्यशील अर्थव्यवस्था से अरबपतियों की संतुलित श्रेणी निर्मित होती है, जिसमें रियल एस्टेट और कमोडिटी जैसे सेक्टरों की 'बैड वेल्थ' की तुलना में टेक और मैन्युफैक्चरिंग जैसे उद्योगों की 'गुड वेल्थ' अधिक होती है। ऐसा नहीं है कि रियल एस्टेट और कमोडिटी सेक्टर खराब हैं। लेकिन कार या सॉफ्टवेयर जैसे सेक्टरों की तुलना में उत्पादकता में उनका कम योगदान होता है। लेकिन स्वीडन में आज 'गुड बिलियनेअर्स' की संख्या 'बैड बिलियनेअर्स' की तुलना में आधी रह गई है। स्वीडन भले ही टेक-उद्यमियों के लिए बेहतर स्थान के तौर पर प्रसिद्ध हो, लेकिन इनमें से तीन ही फोर्ब्स की सूची में जगह पा सके हैं। अरबपतियों की सम्पत्ति में 'गुड वेल्थ' का हिस्सा महज 12प्रतिशत है, जो शीर्ष 10 विकसित देशों की सूची में तीसरा सबसे निम्नतम है। स्वीडन ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अनियंत्रित वेलफेयर-स्टेटिज्म के अपने प्रयोग की विफलता के बाद वेल्थ-क्रिएशन को प्रोत्साहित करना शुरू किया। भारी करों के चलते वहां की मशहूर हस्तियां और उद्योगपति पलायन करने लगे। 1990 के दशक की शुरुआत में आए वित्तीय संकटों ने स्वीडन को समाजवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया। उसने उच्च आय करों से भुगतान की जाने वाली मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को समाप्त नहीं किया। लेकिन धन, विरासत, निगमों और अचल संपत्ति पर करों को समाप्त या कम करते हुए कल्याणकारी राज्य का आकार छोटा कर दिया।2000 के दशक का मध्य आते-आते वहां के सुपर-रिच पलायन नहीं कर रहे थे। उलटे वे हावी हो गए थे। स्वीडन के अरबपतियों की लगभग 70प्रतिशत संपत्ति विरासत (इनहेरिटेंस) से आती है, जो फ्रांस और जर्मनी के बाद तीसरी सबसे अधिक है। स्वीडन हाल के वर्षों में अरबपतियों की संख्या में उछाल देखने वाला एकमात्र बड़ा कल्याणकारी राज्य नहीं है। फ्रांस में भी ऐसा हुआ है। लेकिन दोनों में विशेष असंतुलन है। स्वीडन में विकृत कर और ईजी-मनी (आसानी से मिलने वाला कर्ज) है। वह वेतन की तुलना में पूंजी पर बहुत कम कर लगाता है, और कभी-कभी पूंजी पर प्रतिगामी कर लगाता है। स्वीडन ने ब्याज दरों को यूरोपीय औसत से भी नीचे रखा है। कम दरों से संपत्ति की कीमतें बढ़ती हैं, जबकि अमीरों के लिए अधिक लाभ कमाने के लिए पैसे उधार लेना आसान हो जाता है।

शादी या फ़साना

पति ने पत्नी से मांगा 1.80 करोड़ का हर्जाना,12 दिन साथ रहे, 3 फर्जी केस और जिंदगी बर्बाद

नयी दिल्ली। 'लंदन से एमबीए किया और फिर वहीं जॉब। अक्टूबर, 2007 में शादी के लिए अंग्रेजी अखबार में विज्ञापन दिया। बस एक कॉन्वेंट एजुकेटेड और वेजिटेरियन लड़की चाहिए थी। कई रिश्ते आए। आखिर में 21 अप्रैल 2008 को गुरुग्राम की शालिनी वशिष्ठ से बात तय हुई और मैं मिलने आया। 27 अप्रैल को हमारी शादी हो गई। 12-13 मई को मैं अकेले लंदन लौट गया लेकिन इसके बाद जो हुआ, वो मैंने सोचा भी नहीं था।' लंदन में रह रहे एनआरआई गुरुशरण अवस्थी शादी के बाद शुरू हुए कोर्ट-कचहरी के चक्करों को याद कर आज भी परेशान हो जाते हैं। मूल रूप से मुंबई के रहने वाले गुरुशरण लंदन में एक फाइनेंस कंपनी में काम करते हैं। वे बताते हैं कि शादी हुए एक साल ही बीता था। पत्नी ने दहेज, घरेलू हिंसा और भगोड़ा होने का आरोप लगाकर एक के बाद एक तीन केस कर दिए। 9 साल की लड़ाई के बाद गुरुशरण तीनों केस से बरी हो गए लेकिन 2016 में पूर्व पत्नी शालिनी और उसके परिवार ने मेंटेनेंस को लेकर नया केस कर दिया। वो अभी कोर्ट में पेंडिंग है। गुरुशरण ने इन सबके बदले 1 करोड़ 80 लाख रुपए हर्जाना मांगते हुए पूर्व पत्नी और उसके परिवार पर केस किया। उन्होंने झूठे केस में पूरे परिवार को टॉर्चर करने और आर्थिक नुकसान को ग्राउंड बनाया है। गुरुशरण के वकील प्रदीप नवानी बताते हैं कि शालिनी ने गुरुशरण के कोर्ट की फीस जमा न करने को मुद्दा बनाते हुए केस डिसमिस करने की अपील की थी। हालांकि कोर्ट ने इस मामले में 13 अगस्त 2025 को बहुत अहम ऑर्डर पास किया। कोर्ट ने केस को सुनवाई के लिए मंजूर कर लिया है। सुनवाई की तारीख 20 नवंबर तय की है। पहले झूठा बायोडेटा- फिर धमकियां, आरटीआई से धोखे का पता चला -लंदन में रह रहे गुरुशरण अवस्थी शादी तय होने से लेकर कोर्ट केस तक की पूरी कहानी बताते हैं। वे कहते हैं, '2007 अक्टूबर को मैंने अखबार में अपनी शादी के लिए ऐड दिया। हम ऐसा रिश्ता तलाश रहे थे कि लड़की कॉन्वेंट से पढ़ी हो और वेजिटेरियन हो। 21 अप्रैल 2008 को मैं शालिनी से मिला। तभी मुझे कुछ शक तो हुआ था लेकिन सबने कहा कि लड़की शर्मीली है। बड़ों ने मिलकर शादी तय कर दी।' '27 अप्रैल 2008 को मुंबई में मेरे घर से शादी हुई। इसके बाद दो दिनों के लिए मैं शालिनी और परिवार के साथ गुरुग्राम भी आया। यहां शालिनी के परिचितों के लिए एक फंक्शन था। इसके बाद 12-13 मई तक मैं लंदन लौट गया। कुल मिलाकर हम 12 दिन साथ रहे।' गुरुशरण कहते हैं, 'कुछ झूठ तो तुरंत ही पता चल गए थे। जैसे शालिनी का जो बायोडेटा भेजा गया, उसमें कॉन्वेंट एजुकेटेड लिखा था। हरियाणा से ग्रेजुएट बताया था।' 'जबकि शादी की पहली ही रात शालिनी ने बता दिया था कि वो कॉन्वेंट एजुकेटेड नहीं है। उसने ये भी बताया कि शादी से पहले फोन पर मुझसे वो नहीं उसकी बहन बात करती थी।' 'शादी के बाद

मैं उसके वीजा के लिए कोशिश कर रहा था। पहले तो उसने डॉक्यूमेंट देने में 6 महीने लगा दिए। वीजा अप्लाई हुआ तो वो डिक्लाइन हो गया। डॉक्यूमेंट चेक किए तो बायोडेटा और असली डॉक्यूमेंट में फर्क मिला। मैंने उन्हें चेक किया तो उसने ग्रेजुएशन हरियाणा से नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ से किया था। मैंने शालिनी से पूछा तो उसने कहा मुझे याद नहीं था।' गुरुशरण कहते हैं, 'मैंने छानबीन करनी चाही तो पहले घरवालों ने फोन उठाना बंद कर दिया। फिर तेज यादव नाम से जिस एडवोकेट ने शादी करवाई थी, वो केस करने की धमकियां देने लगा। मैंने ऊध डालकर उसकी असली एजुकेशन पता की तब समझ आया कि मेरे साथ धोखा हुआ है।' कोर्ट केसेज का सिलसिला कैसे शुरू हुआ? इस पर गुरुशरण बताते हैं, 'शादी को करीब एक साल ही बीता था। 18 मई 2009 को शालिनी ने मुझ पर दहेज और घरेलू हिंसा का केस कर दिया। इसके बाद मुझ पर भगोड़ा होने का केस भी लगाया। एक लाइन में कहूं तो 1 साल की शादी, 12 दिन का साथ और 3 केस मेरे हिस्से में आए।' 'उसने मेरे साथ-साथ मेरे बुजुर्ग माता-पिता, छोटे भाई गणेश और बड़ी बहन का नाम भी केस में डाल दिया। पिता का डायलिसिस चल रहा था वो जिंदगी के आखिरी पड़ाव में थे। गुरुग्राम में मेरे घर पर हर महीने पुलिस आ जाती और घरवालों को डराती-धमकाती थी। मेरे पिता बीमार हालत में ये सब देखते रहते।'गुरुशरण रुंधी आवाज में कहते हैं, 'मेरे बीमार पिता पुलिस को देखकर डर जाते। मां भी घबरा जातीं। मेरा छोटा भाई ये सब झेल रहा था। वो हर तारीख पर कोर्ट जाता। उसे भी पुलिस खूब डराती-धमकाती।' पापा की चिता पर कसम खाई, इस बर्बादी का बदला लूंगा- गुरुशरण आगे बताते हैं, 'केस होने के 3 महीने बाद ही पापा की तबीयत बहुत बिगड़ गई। घर से फोन आया कि अब वो शायद ही बचें। मैं घर आने की तैयारी करने लगा। हालांकि लंदन में सबने मुझे डराया कि इंडिया गए तो पुलिस जेल में डाल देगी लेकिन मैं नहीं माना। जब भारत लौटा तो भाई जेल में था और पापा अस्पताल में थे। 2-3 दिन मैं उनके साथ रहा लेकिन पाप बच नहीं सके।' 'पुलिस ने पापा की मौत से एक दिन पहले शाम को भाई को छोड़ा। मैंने पापा की चिता जलाते वक्त ही कसम खाई थी कि मैं इन लोगों को ऐसे ही नहीं छोड़ूंगा। अपने और अपने परिवार पर लगा बदनामी का धब्बा मिटाऊंगा। ये सारे केस खत्म करूंगा। हर बेइज्जती का बदला लूंगा।' 'पापा की मौत के बाद मैं लंदन तो लौट गया लेकिन 2014 में भारत वापस आ गया। मैंने इन 6 सालों में लंदन में केस की स्टडी की। केस लड़ने के लिए जॉब करके पैसा इकट्ठा किया। लंदन में रहने पर भी मेरा भाई ही केस की हियरिंग में जाता था। मेरे लौटने के बाद भी वो लगातार सुनवाई में गुरुग्राम जाता रहा।' 'इन सबके चलते दो सालों में कई बार उसकी नौकरी छूटी। फिर इन मुसीबतों से बचने के लिए वो हर महीने फ्लाइट से सुनवाई पर जाने लगा। हर महीने कम से कम दो तारीख पड़ती और आने-जाने में करीब 30 हजार रुपए खर्च हो जाते। इन सब में हम आर्थिक नुकसान तो उठा ही रहे थे। केस के चलते मेरे भाई की शादी भी नहीं हो रही थी।' जेल में पुलिस ने भूखा रखा, डराया और धमकाया भी-इंडिया लौटने के बाद आपके साथ क्या-क्या हुआ? इस पर गुरुशरण बताते हैं कि शालिनी और उसके घरवालों के कहने पर पुलिस ने मुझे भी परेशान करना शुरू कर दिया था। वे कहते हैं, '31 मई, 2014 की रात करीब 2 बजे गुरुग्राम पुलिस मुंबई में मेरे घर आई और मुझे अरेस्ट कर गुरुग्राम ले गई। कोर्ट में पेश करते वक्त मेरे हाथों में ऐसे हथकड़ी बांधी थी, जैसे मैं कोई बहुत बड़ा अपराधी हूं। मैं 7 दिन रिमांड पर गुरुग्राम थाना सेक्टर-56 में रहा। वहां शालिनी और उसका भाई आते और खूब गाली-गलौच करते थे।' 'वहां पुलिस ने मुझे दो दिन तक खाने का एक दाना भी नहीं दिया। बस दिन रात टॉर्चर करते। रोज रात में 7-8 बजे 20-25 पुलिस वाले घेरकर बैठ जाते थे। मुझसे कहते थे कि कागज पर लिखो कि मैंने शालिनी को मारापीटा और टॉर्चर किया। उसे घर से भगा दिया। इतने टॉर्चर और दबाव के बाद भी मैंने उनकी बात नहीं मानी।' रुंधी हुई आवाज में वे आगे कहते हैं, 'दो दिन बाद वहां एक महिला डीसीपी आई। मैं उनके सामने रोने लगा और बताया कि ये लोग मुझे खाना भी नहीं दे रहे। सिर्फ डराते धमकाते हैं। तब उन्होंने पुलिस वालों को डांट लगाई। मुझे नहाने-खाने की परमिशन मिली।' जेल में गुजारे दिनों को याद करते हुए गुरुशरण बताते हैं, 'मैं 2014 में गुरुग्राम जेल में कुल 14 दिन की जूडिशियल कस्टडी में रहा। वहां जगह नहीं थी तो शुरुआत में मुझे टॉयलेट के बगल में लिटाया गया। बाकी कैदी पंखे के नीचे सोते लेकिन मुझे नहीं मिलता। कुछ कैदी मुझसे पैसों की डिमांड करते।' तीनों केस में बरी होने के बाद हर्जाने में मांगे 1 करोड़ 80 लाख- 2016 में शालिनी और उसके परिवार ने गुरुग्राम की ट्रायल कोर्ट में चौथा केस कर दिया। ये मेंटेनेंस यानी गुजारा भत्ता को लेकर था। गुरुशरण बताते हैं, '2017 में पुलिस ने मुझे फिर जेल में डाल दिया। इस बार मैं करीब 24-25 दिन जेल में रहा। अब मैं 4 केस एक साथ लड़ रहा था। हालांकि एक-एक कर 3 केस जीत गया। मेंटेनेंस का केस अब भी कोर्ट में पेंडिंग है। मैंने इन सारे मुकदमों में कुल मिलाकर 7 दिन की रिमांड और 40 दिन की जेल काटी।' गुरुशरण कहते हैं, 'तीन केस में बरी होने के बाद मैंने तय कर लिया था कि अब मैं इस नुकसान का हर्जाना लूंगा। हमने इन सालों में बहुत टॉर्चर सहा और आर्थिक नुकसान उठाया। मेरे परिवार पर धब्बा लगा। मैंने गुरुग्राम कोर्ट में पूर्व पत्नी पर केस किया।' पति के हर्जाना मांगने का केस करियर में पहली बार देखा- हर्जाने के केस को लेकर (गुरुशरण के वकील) प्रदीप कहते हैं, 'पूरे करियर में मैंने पहली बार ऐसा केस देखा, जिसमें कोई पुरुष दहेज, घरेलू हिंसा जैसे क्रिमिनल केसेज से बरी होने के बाद हर्जाने का केस करे।' 'हालांकि कोर्ट ने केस सुनवाई के लिए मंजूर कर लिया। कोर्ट ने कहा, 'गुरुशरण दहेज, घरेलू हिंसा जैसे मुकदमों से दो-दो बरी हो चुके हैं। ये केस करना उनका हक है। हर्जाने में मिलने वाली रकम तय नहीं है। इसलिए कोर्ट फीस रकम तय होने के बाद भी भरी जा सकती है। 'दरअसल ऐसे मामलों में कोर्ट की फीस मांगे गए हर्जाने की 10फीसदी होती है। फीस एडवांस में दी जाती है। पत्नी को लगा था कि इस ग्राउंड पर गुरुशरण का केस रद्द हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।' वकील ने बताया, 1.80 करोड़ के क्लेम के 4 बडे आधार- गुरुशरण के वकील प्रदीप आगे कहते हैं, 'वैसे तो गुरुशरण और उनकी फैमिली का इस केस में इतना हैरेसमेंट हुआ कि वो 1.8 करोड़ की रकम से पूरा नहीं हो सकता। 9 साल में दो-दो बार दहेज और घरेलू हिंसा का केस लड़ना। फिर भगोड़े होने के आरोप का सामना करना आसान नहीं है।' 'बीता हुआ वो वक्त तो नहीं लाया जा सकता लेकिन कानूनी तौर पर गुरुशरण ने जो क्लेम किया है, उस अमाउंट के लिए 4 बड़े ग्राउंड हैं। ये अमाउंट एक करोड़ 50 लाख है। जबकि उनके भाई ने 30 लाख का अलग से क्लेम किया है। दोनों मिलाकर एक करोड़ 80 लाख का अमाउंट है। 1. इस केस की वजह से गुरुशरण की जॉब कम से कम दो बार गई। गुरुशरण को लंदन की जॉब छोड़कर इंडिया में रहना पड़ा। 2. उन्होंने मुंबई में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का चुनाव लड़ा लेकिन बहुत कम मार्जिन से हार गए। क्योंकि विपक्ष ने दहेज प्रताड़ना और घरेलू हिंसा के केस को मुद्दा बनाया। 3. इस केस को लड़ते हुए मां और पिता की मौत हो गई। सबसे बड़ी बात ये है कि माता-पिता इस दुनिया से इतना बड़ा दाग लेकर गए। ये गुरुशरण और उनके परिवार के लिए बहुत बड़ा इमोशनल ट्रॉमा है। 4. तीन केसेज में गुरुशरण और उनका परिवार एक बार नहीं दो-दो बार बरी हुआ। प्रदीप कहते हैं, 'गुरुशरण ने इन तीनों को आधार बनाते हुए पूर्व पत्नी शालिनी वशिष्ठ, उसके भाई-पिता और स्टेट को पार्टी बनाया है। भाई के मामले में तो हम सारे सबूत कोर्ट में सौंप चुके हैं। 2-3 महीनों में इस केस का फैसला आ सकता है, जबकि गुरुशरण के मामले में भी हम पॉजिटिव डायरेक्शन में है। एक डेढ़ साल लग सकते हैं लेकिन बाकी केसेज की तरह ये केस भी जीतने की पूरी उम्मीद है।' इसके बाद हमने शालिनी के वकील ऋषिराज से भी बात करने की कोशिश की। उन्होंने इस मामले में कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया।

नवरात्रि में 9 दिन ऐसे रखें व्रत,अंगो को मिलेगा रेस्ट-घटेगा वजन, बॉडी होगी डिटॉक्स, न्यूट्रिशनिस्ट से जानें हेल्दी व्रत के टिप्स

नयी दिल्ली। नवरात्रि का त्योहार आस्था, भक्ति और उत्साह का त्योहार है। घर में मां दुर्गा की पूजा, मंदिरों में जगराता और चारों तरफ ढोल-नगाड़ों की गूंज होती है।

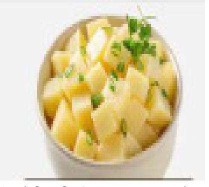

ये नौ दिन सिर्फ पूजा-पाठ का मौका नहीं, बल्कि अपनी सेहत को तरोताजा करने का भी अवसर है। कई बार लोग गलत तरीके से व्रत रखते हैं। वे तले हुए साबूदाना वड़े या ढेर सारे आलू खाते हैं और फिर थकान या पेट में गड़बड़ी की शिकायत करते हैं। अगर सही तरीके से व्रत रखा जाए तो ये 9 दिन वजन कम करने और शरीर को डिटॉक्स करने में मददगार हो सकते हैं। सवाल ये है कि व्रत कैसे करें कि भक्ति भी पूरी हो और सेहत भी बनी रहे। आज 'जरूरत की खबर' में नवरात्रि व्रत की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- क्या नवरात्रि व्रत में वजन घटा सकते हैं? व्रत रखने से बॉडी कैसे डिटॉक्स होती है? एक्सपर्टः डॉ. अनु अग्रवाल, न्यूट्रिशनिस्ट और 'वनडाइटटुडे' की फाउंडर सवालः नवरात्रि का व्रत शरीर को डिटॉक्स कैसे करता है? जवाबः हमारी रोज की जिंदगी में खाने में तेल-मसाले, बर्गर-पिज्जा और मिठाइयां शामिल हैं। ये सब शरीर में टॉक्सिन्स जमा करते हैं, जिससे पेट में भारीपन और थकान महसूस होती है। नवरात्रि में जब आप गेहूं-चावल छोड़कर साबूदाना, कुट्टू का आटा, राजगिरा और सेंधा नमक खाते हैं, तो ये पेट के लिए हल्के और ग्लूटेन-फ्री होते हैं। ये पेट को आराम देते हैं और पाचन को सुधारते हैं। फल जैसे सेब, अनार और सब्जियां जैसे लौकी-कद्दू फाइबर और मिनरल्स से भरपूर हैं, जो टॉक्सिन को बाहर निकालते हैं। सवालः क्या व्रत से सचमुच वजन कम हो सकता है? जवाबः हां, बिल्कुल। लेकिन व्रत का मतलब सिर्फ भूखे रहना नहीं है। अगर आप तले हुए साबूदाना वड़े, आलू की टिक्की या ढेर सारी मिठाइयां खाएंगे, तो वजन बढ़ भी सकता है। वजन कम करने के लिए- कम तेल में खाना बनाएं, जैसे साबूदाना खिचड़ी या भुने मखाने। दिन में 4-5 बार थोड़ा-थोड़ा करके खाएं। सवालः व्रत में क्या खाना चाहिए ताकि वजन कम हो और बॉडी डिटॉक्स हो? जवाबः नवरात्रि में खाना ऐसा हो जो पेट को हल्का रखे, एनर्जी दे और डिटॉक्स करे। यह रहा 9 दिन का आसान डाइट प्लान- सुबह 7-8 बजेः गुनगुने पानी में नींबू-शहद, फिर 1 सेब या 1 कटोरी पपीता। नाश्ता 10-11 बजेः साबूदाना की खिचड़ी में 1 चम्मच घी, मखाने की खीर, जिसमें कम चीनी हो या राजगिरा के लड्डू। दोपहर 1-2 बजेः कुट्टू की रोटी या समा के चावल, उबली लौकी या कद्दू की सब्जी, 1 कटोरी दही। शाम 4-5 बजेः नारियल पानी या फल की चाट। इसमें केला, अनार और सेब रखें। रात 7-8 बजेः उबली सब्जी जैसे लौकी, कद्दू और छाछ लें। सवालः पूरे दिन भूखे रहना ठीक है? जवाबः नहीं, बिल्कुल नहीं। व्रत का मतलब भगवान की भक्ति है, न कि शरीर को तकलीफ देना। पूरे दिन भूखे रहने से कमजोरी, चक्कर या एसिडिटी हो सकती है। दिन में 4-5 बार हल्का खाना, जैसे दही, फल, या साबूदाना, आपको चुस्त

रखेगा। सवालः व्रत में एनर्जी कैसे बनाए रखें? जवाबः व्रत में थकान या चिड़चिड़ापन न हो, इसके लिए- खूब पानी पिएंः दिन में 8-10 गिलास पानी, नींबू पानी या नारियल पानी पिएं। हल्के स्नैक्सः भुने मखाने, बादाम या अखरोट खाएं। ये लंबे समय तक एनर्जी देते हैं।

हाइड्रेशन ड्रिंक्सः पुदीने का शरबत या छाछ पिएं, ये शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स बनाए रखते हैं। सवालः डायबिटीज या बीपी वालों को व्रत कैसे रखना चाहिए? जवाबः डायबिटीज और बीपी के मरीजों को व्रत से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। फिर भी, कुछ आसान टिप्स- डायबिटीजः मीठे फल जैसे- केला, चीकू कम खाएं। सेब, नाशपाती या अनार बेहतर हैं। हर 3 घंटे में थोड़ा-थोड़ा खाएं ताकि शुगर लेवल स्थिर रहे। बीपीः सेंधा नमक कम यूज करें, ज्यादा नमक से ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है।

दोनों के लिएः उबली सब्जियां, दही और मखाने सही हैं। सवालः बच्चे और बुजुर्ग व्रत रख सकते हैं? जवाबः बच्चों और बुजुर्गों को इस तरह के सख्त लंबे व्रत रखने से बचना चाहिए, क्योंकि उनकी बॉडी को ज्यादा पोषण की जरूरत होती है। सवालः व्रत में सिर्फ आलू खाना सही है? जवाबः आलू व्रत का सबसे आसान और सस्ता ऑप्शन है, लेकिन सिर्फ आलू खाना ठीक नहीं है। आलू में स्टार्च ज्यादा होता है, जो वजन बढ़ा सकता है। आलू को बैलेंस करने के लिए फाइबर वाली सब्जियां जैसे लौकी, टमाटर और फल खाएं। सवालः ऑफिस जाने वाले अपने व्रत को कैसे आसान बनाएं? जवाबः ऑफिस वालों के लिए व्रत मुश्किल लग सकता है, लेकिन थोड़ी प्लानिंग से ये आसान लगेगा- सुबहः घर से निकलने से पहले दही और फल खाएं।

टिफिनः मखाने, ड्राई फ्रूट्स या साबूदाना खिचड़ी साथ रखें। हाइड्रेशनः चाय-कॉफी की जगह नारियल पानी या नींबू पानी पिएं। सवालः व्रत के बाद अचानक नॉर्मल खाना शुरू करें? जवाबः नहीं, ये गलती न करें। 9 दिन हल्का खाना खाने के बाद तुरंत तला-भुना या भारी खाना खाने से पेट खराब हो सकता है। इससे एसिडिटी हो सती है। पहले दिन दलिया, मूंग की खिचड़ी या सूप से शुरू करें। 2-3 दिन बाद धीरे-धीरे दाल, रोटी और हल्की सब्जियां शामिल करें। अगर तला-भुना खाना ही है तो बहुत हल्का कुछ 3-4 दिन बाद शुरू करें। सवालः व्रत में एक्सरसाइज करनी चाहिए? जवाबः हल्की एक्सरसाइज जरूर करें, जैसे योग, प्राणायाम या 20-30 मिनट की वॉक करें।

इससे शरीर एक्टिव रहता है, लेकिन जिम या हैवी वर्कआउट से बचें, वर्ना थकान और डिहाइड्रेशन हो सकता है। व्रत में सूर्य नमस्कार

के 2-3 राउंड और गहरी सांस लेने से शरीर तरोताजा रहता है। सवालः 9 दिन बाद क्या शरीर हल्का और एनर्जेटिक लगता है? जवाबः हां, अगर आप सही डाइट और हाइड्रेशन का ध्यान रखते हैं तो 9 दिन बाद पाचन बेहतर हो जाएगा, नींद अच्छी आएगी और शरीर हल्का महसूस होगा।

अतीत का झरोखा

सरकारी जमीन कब्जा करने पर 16 लोगों की हत्या,सीएम नीतीश को जान से मारने की धमकी

पटना। साल 2009 और तारीख 1 अक्टूबर। गांधी जयंती से ठीक एक रोज पहले। बिहार के खगड़िया जिले का अमौसी बहियार गांव। रात गहरी हो चुकी थी, घड़ी में 11 बज चुके थे। गांव के बाहर खेतों के चारों तरफ सन्नाटा पसरा था। इसी सन्नाटे को चीरते हुए, 40-50 लोग तेज कदमों से आगे बढ़ रहे थे। उनके हाथों में देसी हथियार और बंदूकें थीं। टॉर्च की हल्की रोशनी में उनका हुलिया झलका। कुछ लुंगी कुर्ता पहने तो कुछ पुलिस की वर्दी में। थोड़ी देर बाद वे एक खेत के पास जाकर रुक गए। इधर-उधर टॉर्च जलाई। 40 बरस का एक आदमी इस झुंड का कमांडर था। लंबी कद-काठी, मोटी मूंछें और सिर पर गमछा बांधे। धीमी आवाज में बोला- 'सब सो गए होंगेष्ठ एकदम धीरे जाना है। जरा भी शोर नहीं।' वे झोपड़ी तक पहुंचे। एक आदमी आगे बढ़ा, खिड़की से झांका और वापस आकर बोला- 'काका, अंदर लोग सो रहे हैंष्ठ नाक बज रही है। गहरी नींद में हैं सब।' कमांडर मुस्कुराया, होंठों में खैनी दबाई और बोला- 'बहुत बढ़ियाष्ठ अब टूट पड़ो। याद रखो, गोली मत चलाना।' 10-12 लोगों ने झोपड़ी को चारों तरफ से घेर लिया। कुछ दबे पांव अंदर घुसे। तीन लोग सो रहे थे। दो मासूम बच्चे और एक नौजवान। हमलावरों ने गमछा निकालकर उनके मुंह कसकर दबा दिए। किसी ने हाथ पकड़ा, किसी ने पैर बांध दिए। तीनों छटपटाने लगे। पर कुछ कर नहीं पाए। हमलावरों ने सबकुछ इतना जल्दी किया कि वे चीख भी नहीं सके।कमांडर बोला- 'दो-तीन किलोमीटर दूर छोटे लाल का डेरा है। इन्हें वहीं ले जाओ। शोर मत करना। कोई भागे तो गड़ासे से काट देना।' 10-12 हमलावर तीनों को कंधे पर उठाकर डेरा की तरफ चल दिए। अब 8-10 हमलावरों ने दूसरी झोपड़ी को घेर लिया। वहां दो लड़के सो रहे थे। हमलावरों ने उनके मुंह में जबरन कपड़ा ठूंसा और हाथ-पैर बांधकर घसीटते हुए बाहर लाए। कमांडर बोला- 'इन्हें भी छोटे लाल का डेरा लेकर चलो।' हमलावरों ने वैसा ही किया। हमलावर अलग-अलग झोपड़ियों से 16 लोगों को उठाकर डेरा ले गए। सबको एक लाइन से बिठाया। सब डरे सहमे थे। 5-6 तो स्कूली बच्चे थे। वे समझ नहीं पा रहे थे कि उनके साथ क्या हो रहा। कमांडर बोला- '@#$%^@# तुम लोग खेत जोतेगा और हम मजदूरी करेंगे। तुम जमींदार और हम नौकर। ऐसे नहीं चलेगा।' हाथ जोड़ते हुए एक बुजुर्ग बोला- 'अरे बाबू, ले लो जमीन। कल से तुम ही जोतना। जान छोड़ दो हमारी।' 'बहुत होशियार बन रहे हो nj@#$@#, अब जब पकड़े गए तो दानी बन रहे हो।' इतना कहते हुए उसने लाठी उठाई और जोर-जोर से मारने लगा। थोड़ी देर बाद जब थक गया तो बोला- 'बहुत हो गया। अब @#$%@# को गोली से उड़ा दो। जो होगा देखा जाएगा।' तभी एक हमलावर बोल पड़ा- 'बच्चों को मत मारो, जाने दो इन्हें।' कमांडर ने गुस्से में कहा- 'कोई दया नहीं दिखानी। इनके बच्चों को मारोगे, तो इन्हें ज्यादा दर्द होगा। बहुत दर्द दिया है इन लोगों ने, हमें भी उसी अंदाज में सबक सिखाना है।' पहली गोली कमांडर ने ही मारी। 7-8 साल का मासूम गोली लगते ही कोने में जा गिरा। कमांडर उसके नजदीक गया और सिर पर बंदूक की नोक सटाकर दोबारा गोली मार दी। ये देखकर बाकी लोग कांप गए। मन ही मन अपनी बारी का इंतजार करने लगे। इसके बाद हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। किसी को 2 गोली तो किसी को 4 गोली। कुछ ही देर में दर्जनभर लाशें बिछ गईं। हमलावरों ने उलट पलटकर देखा कोई जिंदा तो नहीं बचा। जब यकीन हो गया कि सब मर गए, तो वे तेज कदमों से पश्चिम की तरफ चल पड़े। अब रात के 12 बज चुके थे। कैलेंडर बदल चुका था। 2 अक्टूबर यानी गांधी जयंती का दिन। 45-50 साल का पारो सिंह गोलियों की आवाज सुनकर डेरा की तरफ भागा। डेरा के पास जाकर ठहर गया। टोह लेने लगा कि अंदर हमलावर तो नहीं हैं। कुछ देर तक अंदर से कोई आवाज नहीं आई। उसने टॉर्च जलाकर देखा- सामने एक दर्जन से ज्यादा लाशें पड़ी थीं। किसी के सीने में गोली लगी थी, तो किसी के सिर में। चारों तरफ खून फैला हुआ था। कांपते हुए पारो सिंह आगे बढ़ा। मरने वालों में उसका 20 साल का बेटा भी था। उसके सिर और छाती में गोली मारी गई थी। बेटे की लाश देखकर पारो चीख उठा। दहाड़ मारकर रोने लगा। थोड़ी देर बाद खुद को संभाला और अपने गांव की ओर भागा। पारो यहां से करीब 1 किलोमीटर दूर इचरुआ गांव का रहने वाला था। अमौसी में उसकी जमीनें थीं और उसी की रखवाली के लिए वो हर रात यहां रुकता था। कुछ ही मिनटों में वह गांव पहुंच गया। जोर-जोर से चीखने लगा। बिलखने लगा। उसकी चीख सुनकर गांव के कुछ लोगों ने दरवाजा खोला। पूछा- 'क्या हुआ, इतना क्यों चीख रहे हो।' लड़खड़ाती जुबान से पारो बोलने लगा- 'नक्सलियों ने हमला कर दिया है। डेरा ले जाकर सबको मार दिया। मेरे बचवा को भी मार दिया।' 50-60 गांव वाले रात में ही छोटे लाल का डेरा के लिए निकल गए। वहां जाकर देखा तो 16 लाशें बिखरी पड़ी थीं। इनमें 6 बच्चे, 9 जवान और 1 बुजुर्ग की लाश थी। वे लोग लाश उठाकर इचरुआ लेकर आए। एक चौक पर लाशें रख दी। इसके बाद तो गांव में चीख-पुकार मच गई। बार-बार फोन करने पर भी एसपी ने कॉल रिसीव नहीं की- अब तक रात के करीब 1.30 बज चुके थे। गांव के मुखिया ने खगड़िया के एसपी को फोन लगाया, लेकिन बार-बार फोन करने के बाद भी उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। गांव वालों ने स्थानीय पत्रकार को इसकी सूचना दी। जब पत्रकार ने एसपी को फोन कर नरसंहार के बारे में बताया तो उनके होश उड़ गए। उन्होंने फौरन पास के मोरकाहा थाने को खबर दी। सुबह करीब 5 बजे मोरकाहा थाने की पुलिस गांव पहुंची। भीड़ जुट गई थी। सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारे लग रहे थे। लाशों के सामने बैठी महिलाएं छाती पीट-पीटकर रो रही थीं। थाना प्रभारी मुकेश कुमार ने पूछा- 'कत्ल करते हुए किसी ने हमलावरों को देखा है क्या?भीड़ से निकलकर पारो सिंह बोला- 'साहब मैंने देखा है। उन लोगों ने मेरे बेटे को भी मार डाला है।' थाना प्रभारी- क्या देखा, पूरी बात बताओ? पारो बोलने लगा- साहबष्ठ'रात के 11 बजे थे। मैं झोपड़ी में बेटे चंदन के साथ सो रहा था। अचानक कुछ आहट सुनाई पड़ी, तो मैं उठकर बैठ गया। मैंने देखा कि 40 से 50 लोग बंदूक और हथियार लिए दक्षिण-पश्चिम से आ रहे हैं। वे टॉर्च जला रहे थे। कुछ देर बाद वे लोग अलग-अलग झोपड़ियों गए और वहां से लोगों को पकड़ पकड़कर बाहर लाने लगे। इसके बाद 10-15 लोग मेरी झोपड़ी की तरफ बढ़े। मैं बेटे को जगाया पर वो जगा नहीं। इसके बाद मैं भागकर पास के धान के खेत में छिप गया।' थाना प्रभारी- फिर क्या हुआ? हांफते हुए पारो बोला- 'उन लोगों ने मेरे बेटे

का हाथ पैर बांधा। मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। फिर उसे लेकर छोटे लाल सिंह के डेरा की तरफ चल पड़े। उन्होंने बाकी लोगों के भी हाथ-पैर बांध रखे थे। टॉर्च की रोशनी में मुझे दिख रहा था। मैंने बुधन सडा को पहचान लिया। बुधन ने गांव वालों से पूछा- 'तुम लोग डेरा खाली क्यों नहीं कर रहे। हमने कहा था कि न कि डेरा खाली कर दो।' मेरे बेटे ने कहा कि वह कल डेरा खाली कर देगा, लेकिन बुधन नहीं माना। उसने अपने आदमियों से कहा कि सबको मार दो।' कैसे मारा? पारो बोला- 'साहब... पहले तो सबको लाठी-डंडे से पीटा। लोग चीखते रहे। कोई बचाने नहीं आया। उन लोगों ने बंदूक उठाई और गोली मार दी। फिर उन लोगों ने टॉर्च जलाकर देखा कि कोई बच तो नहीं गया। मैंने टॉर्च की लाइट में 16 लोगों को पहचान लिया। जब वे चले गए, तब मैं नदी किनारे गया। वहां छोटे लाल सिंह, जयचंद सिंह, अनिरूद्ध सिंह और कामिल मुझसे मिले। ये लोग भी जोर-जोर से रो रहे थे। इनके बेटों को भी उन लोगों ने मार दिया था। फिर हम पांचों ने गांव आकर बताया कि नरसंहार हो गया है।' पारो सिंह और गांव वालों के बयान पर 2 अक्टूबर की सुबह 7.45 पर एफआईआर दर्ज की गई। इसमें 37 लोगों को आरोपी बनाया गया। आरोप मुसहर जाति के लोगों पर लगा था। दावा किया गया कि वे नक्सली संगठनों से जुड़े थे। ये खगड़िया नरसंहार था। जिसमें 16 लोगों की हत्या हुई थी। इनमें से 14 दबंग कुर्मी जाति से थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इसी समुदाय से आते हैं। लिहाजा इस पर सियासत भी खूब हुई। 2 अक्टूबर 2009, देश गांधी जी की 140वीं जयंती की तैयारी कर रहा था। सुबह लोगों ने जैसे ही अखबार पलटा, बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था- 'खगड़िया में नरसंहार।' 'गांव में चूल्हे नहीं, 16 चिताएं जलीं।'... नीतीश राज का ये सबसे बड़ा नरसंहार था। पूर्व सीएम लालू यादव और केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान ने सीएम नीतीश का इस्तीफा मांग लिया। लालू ने कहा- 'सरकार फेल है। मुख्यमंत्री को जहां नरसंहार हुआ है, वहां जाना चाहिए। सरकार को इस नरसंहार की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। ये कोई जातीय नरसंहार नहीं है। ये नक्सली हमला है।' उसी रोज डिप्टी सीएम सुशील मोदी नरसंहार वाले गांव पहुंच गए, लेकिन भीड़ उनका विरोध करने लगी। जमकर नारेबाजी हुई। डिप्टी सीएम उन्हें समझाने की कोशिश करते रहे, पर गांव वाले माने नहीं। आखिरकार सुशील मोदी पटना लौट आए। पटना पहुंचने के बाद उन्होंने कहा- 'खगड़िया हत्याकांड भूमि विवाद का परिणाम है। ये इलाका नक्सल प्रभावित रहा है। इसलिए ऐसा लग रहा कि इसमें नक्सलियों का हाथ है। पर इसमें राजनीतिक साजिश भी लगती है। क्योंकि बिहार के दो बड़े नेता लालू प्रसाद और रामविलास पासवान कुछ जातियों का नाम लेकर बयान दे रहे हैं।' मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मिली जान से मारने की धमकी- 2 अक्टूबर की सुबह करीब 8.58 बजे एक पत्रकार के फोन पर मैसेज मिला। इसमें कहा गया था- 'जेल में बंद हमारे दो नेताओं को जल्द रिहा किया जाए। वर्ना हम मुख्यमंत्री को खत्म कर देंगे।' मैसेज में जिन दो लोगों को जेल से छोड़ने की मांग की गई थी, वे दोनों हार्ड कोर नक्सली थे। पत्रकार ने करीब 1 घंटे बाद यह मैसेज देखा। आनन-फानन में इसकी सूचना जनसंपर्क विभाग को दी। ये खबर आग की तरह फैली। प्रशासन के हाथ-पांव फुल गए। फौरन सीएम की सुरक्षा बढ़ा दी गई। हालांकि बाद में पुलिस ने नंबर ट्रेस कर मैसेज भेजने वाले को गिरफ्तार कर लिया। शुरुआत में सीएम ने इसे नक्सली हमला बताया, लेकिन बाद में उन्होंने कहा कि ये वर्चस्व की लड़ाई है। स्थानीय गुंडों ने इसे अंजाम दिया है। सीएम ने मृतकों के प्रत्येक परिवार को 1.5 लाख रुपए मुआवजा देने का ऐलान किया। 3 अक्टूबर को नक्सली फैक्टर की जांच करने के लिए पटना से फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम गांव पहुंची। कई नमूने जुटाए। उसी रोज रात में सरकार ने खगड़िया के एसपी इंद्रानंद मिश्र और एसडीपीओ अजय कुमार पांडेय को लापरवाही के आरोप में सस्पेंड कर दिया। पुलिस ने आसपास के गांवों से छापेमारी कर एक दर्जन से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उसमें एक आरोपी उपेंद्र महतो भी था। पुलिस ने जब उसे थर्ड डिग्री टॉर्चर दिया तो उसने बताना शुरू किया। '14 सितंबर को अमौसी के मुखिया के घर रात में हमले की साजिश रची गई। वहां मौजूद लोगों ने कहा कि अमौसी की जमीन पर कुर्मियों ने कब्जा कर रखा है। कोर्ट-कचहरी से कुछ हल निकल नहीं रहा। हमें नक्सलियों की मदद लेनी चाहिए और उन लोगों को हमेशा के लिए खत्म कर देना चाहिए। फिर हमले की रणनीति बनी, लेकिन इसमें मेरी कोई भूमिका नहीं है।' आखिर खगड़िया नरसंहार हुआ क्यों? खगड़िया के अलौली ब्लॉक में अमौसी गांव है। यहां करीब 100 घर मुसहर हैं। कुछ घर धानुक हैं। यह दियरा क्षेत्र में है। यहां पहुंचने के लिए कमला नदी पार करके जाना होता है। 1 अक्टूबर को जो कुर्मी अमौसी गांव में मारे गए थे, वे इचरुआ के रहने वाले थे। इचरुआ, नदी के दूसरी तरफ तीन किनारों से घिरा है। दोनों गांव करीब 3 किलोमीटर की दूरी हैं। इचरुआ बड़ा गांव है और यहां करीब 5000 लोग रहते हैं। सड़क तरफ बसे इस गांव में ज्यादातर कुर्मी हैं और वे दबंग हैं। 60 के दशक में नदी पर एक बांध बनाया गया था। इससे नदी ने अपना रास्ता बदल दिया। इससे अमौसी बहियार में खेती वाली जमीन का एक बड़ा हिस्सा उभर आया। समस्तीपुर, मुंगेर और बेगूसराय के ज़मींदारों ने इस जमीन पर अपना अधिकार जता दिया। हालांकि सरकार के मुताबिक ये गैरमजरूआ जमीनें थीं। कहा जाता है कि कुर्मी समुदाय के लोगों ने इन जमीनों पर कब्जा कर लिया था। यह भी कहा जाता है कि कुछ कुर्मी परिवारों ने जमींदारों से समझौता कर लिया था। समझौता ये कि जिन जमीनों पर विवाद चल रहा है, वहां वे खेती करेंगे और बदले में जमींदार को कुछ रकम देंगे। अगर जमींदार केस जीत जाता है, तो वह जमीन बेच देगा। कुछ जमीनों पर इसलिए भी कब्जा था कि किसी ने वहां दावा नहीं किया। कुछ बड़े लैंड होल्डर थे। इसमें से कई लोग सत्ताधारी पार्टी से जुड़े थे। दूसरी तरफ अमौसी और आसपास के गांवों में रहने वाले दलित मजदूर थे। 1998 में ये जमीनें कानूनी रूप से सरकार की हो गईं। तब मुसहरों ने दावा कर दिया कि हर परिवार को कम से कम एक एकड़ जमीन मिलनी चाहिए। करीब 8 परिवार ऐसे थे जिनके पास भूदान का कागज था। उन लोगों ने भूदान लैंड सेटलमेंट के लिए आवेदन दिया था। एसडीएम ने सेटलमेंट के लिए ऑर्डर भी जारी किया था, लेकिन कुछ हुआ नहीं। सरकार जमीनों का निपटारे के बिना ही मजदूरों के एक गुट खेती शुरू कर दी। कुर्मियों ने इस पर नाराजगी जताई। अमौसी में मुसहरों और इचरुआ के कुर्मियों के बीच छोटी-मोटी झड़पें होने लगीं। यहां से ही नरसंहार नींव पड़ी। यहां नक्सली संगठन की भी अच्छी-खासी पैठ थी। घटना के बाद ज्यादातर लोगों ने कहा कि मुसहरों ने माओवादियों ने जुटाया और इस नरसंहार को अंजाम दिया। आरोपी 36, लोअर कोर्ट ने 10 को फांसी की सजा सुनाई, हाईकोर्ट से सभी बरी- खगड़िया नरसंहार में 36 लोगों पर आरोप लगा। इनमें से 28 ट्रायल में शामिल हुए। फरवरी 2012 को खगड़िया की स्थानीय अदालत ने 14 लोगों को दोषी करार दिया। 10 को फांसी की सजा और 4 आरोपियों को उम्रकैद। बाकी 14 आरोपियों को बरी कर दिया। फांसी की सजा वाले सभी 10 दोषी मुसहर जाति से थे। दोषियों ने इसके खिलाफ पटना हाईकोर्ट में अपील की। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वकील ने कहा- 'मेरे मुवक्किल को जानबूझकर फंसाया जा रहा है। उन्होंने गवाह के बयान पर 3 सवाल उठाए : अगर पारो सिंह ने अलग-अलग डेरों से 12 लोगों को उठाते देखा। क्या उसके पास इतना वक्त नहीं था कि वो अपने बेटे को जगा सके? पारो का कहना है कि टॉर्च की लाइट में उसने चेहरा पहचान लिया। पर साइंस के मुताबिक तो जो व्यक्ति टॉर्च जलाता है, उसकी तरफ रोशनी होती नहीं है।एफआईआर में कई जगह वाइटनर यूज किया गया है। इसलिए ये साबित करना मुश्किल है कि एफआईआर के साथ छेड़-छाड़ की गई है या नहीं। 2 साल बाद यानी जनवरी 2014, लोकसभा चुनाव से 3 महीने पहले। पटना हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया। जस्टिस वीएन सिन्हा और जस्टिस राजेंद्र कुमार मिश्र ने संदेह का लाभ देते हुए सभी 14 आरोपियों को बरी कर दिया। इस फैसले पर नीतीश कुमार ने कहा- 'सरकार इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी। हाईकोर्ट तो सिर्फ अपील की जगह होती है। जब ट्रायल कोर्ट ने उन्हें सजा दे दी, तो इसका मतलब हुआ कि उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत थे।' 2009 में खगड़िया जिले की चार सीटों में से तीन सीटें जदयू पास थीं। एक सीट लोजपा के पास। 2010 के चुनाव में भी यहां की तीन सीटें जदयू ने जीत ली। यानी विधानसभा चुनाव पर इसका कोई खास असर नहीं पड़ा, लेकिन लोकसभा में नीतीश की पार्टी को नुकसान हो गया। नरसंहार से पहले खगड़िया सीट जदयू के पास थी। 2014 के चुनाव में रामविलास पासवान की पार्टी लोजपा ने जदयू को हरा दिया। 2019 और 2024 में नीतीश एनडीए के साथ लड़े, लेकिन यह सीट सहयोगी पार्टी लोजपा को मिल गई।

अपना दल एस सोनभद्र उत्तरी जोन अध्यक्ष करमा की मासिक बैठक ग्राम सरंगा जोन कार्यालय पर संपन्न हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विधानसभा घोरावल (400) की उत्तरी जोन अध्यक्ष करमा की मासिक बैठक उत्तरी जोन अध्यक्ष करमा श्री अयोध्या सिंह पटेल जी के अध्यक्षता में जोन की मासिक बैठक सरंगा जोन कार्यालय पर संपन्न हुई! जिसमें विधानसभा, जोन, सेक्टर, बूथ, के पदाधिकारी एवं कार्यकता उपस्थित हुए। मासिक बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला महासचिव जोन प्रभारी श्री मुकेश तरंग पटेल जी उपस्थित रहे। मासिक बैठक के संचालक उत्तरी जोन उपाध्यक्ष करमा श्री विनोद कोरी जी ने किया। 1- पिछली कार्यवायी की पुष्टि पर विचार, 2- आगामी पंचायत चुनाव पर विचार, 3- जोन अध्यक्ष के अनुसासन पर विचार, 4- संगठन को मजबूत करने पर विचार, 5- नवयुवकों को जोड़कर पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा किया गया, 6- संगठन की मजबूती पर बल दिया गया, 7- संगठन को बूथ, सेक्टर, व जोन में मजबूत बनाएं, पदाधिकारियों के हस्ताक्षर एवं पद का नाम- 1- जिला महासचिव श्री मुकेश तरंग पटेल जी, 2- उत्तरी जोन अध्यक्ष करमा श्री अयोध्या सिंह पटेल जी, 3- उत्तरी जोन उपाध्यक्ष करमा श्री विनोद कोरी जी, 4- उत्तरी जोन बूथ कार्यकारिणी करमा श्री ईस्वर प्रसाद जी, 5- उत्तरी जोन मीडिया सचिव करमा श्री सत्य मणि सिंह पटेल जी, 6- श्री रामजी कोल जी, 7-श्री सुरेन्द्र कोरी जी, 8- उत्तरी जोन सदस्य करमा श्री देवराज कोल जी, 9- श्री शंकर कोल , 10- श्री राजेन्द्र प्रसाद जी, 11- श्री शिव प्रसाद जी, 12- श्री फौजदार कोरी जी, 13- श्री प्रिन्स कुमार जी, 14- श्री पारसनाथ पाण्डेय जी, 15- श्री रामाबेलास विश्कर्मा जी, 16- श्री लल्लू कोल जी, 17- श्री नागेन्द्र गिरि जी, एवं अन्य पार्टी के पदाधिकारी उपस्थित रहे,

दोषी सोनू कुरैशी को 5 वर्ष की कठोर कैद

साढ़े आठ हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी,जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अर्थदंड की धनराशि में से 5 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी,करीब 7 वर्ष पूर्व नाबालिग छात्रा के साथ जबरन छेड़छाड़ करने व जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। करीब 7 वर्ष पूर्व नाबालिग छात्रा के साथ जबरन छेड़छाड़ करने व जान मारने की धमकी दिए जाने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट अमित वीर सिंह की अदालत ने शनिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी सोनू कुरैशी उर्फ शाहिद को 5 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। उसके ऊपर साढ़े आठ हजार रूपये अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 5 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक ओबरा थाना क्षेत्र की निवासी नाबालिग छात्रा ने ओबरा थाने में 14 सितंबर 2018 को दी तहरीर में आरोप लगाया था कि वह कक्षा 11 की छात्रा है। जब वह स्कूल से लौटती है तो उसके साथ ओबरा सेक्टर 10 भलुआ टोला निवासी सोनू कुरैशी उर्फ शाहिद जोरजबरदस्ती करता है। 12 सितंबर 2018 को उसके साथ छेड़छाड़ भी किया और जान से मारने की धमकी भी दिया। जिसकी वजह से उसकी पढ़ाई बाधित हो रही है और भय भी बना हुआ है। आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया और पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में सोनू कुरैशी उर्फ शाहिद के विरूद्ध चार्जशीट विवेचक ने दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 7 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी सोनू कुरैशी उर्फ शाहिद को 5 वर्ष की कठोर कैद एवं साढ़े आठ हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वही अर्थदंड की धनराशि में से 5 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्यप्रकाश त्रिपाठी और नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

संकल्प नशा मुक्ति व स्वास्थ्य सेवा केंद्र एनटीपीसी द्वारा जागरूकता शिविर

चुर्क / सोनभद्र। चुर्क नगर पंचायत के वार्ड नंबर 4 में संकल्प नशा मुक्ति व स्वास्थ्य सेवा केंद्र एनटीपीसी द्वारा जागरूकता शिविर लगाकर सैकड़ो लोगो का मुफ्त बीपी जांच व सामान्य बीमारियो का दवा, संकल्प पोषण किट वितरण कर नशा मुक्ति के लिए लोगो को जागरूक किया गया। जागरूकता शिविर में बतौर मुख्य अतिथि चुर्क नगर पंचायत अध्यक्ष मीरा यादव विशिष्ट अतिथि सभासद हिमांशु खत्री, भाजपा अनुसूचित मोर्चा जिला उपाध्यक्ष दीपचंद महतो ने उपस्थित होकर संकल्प हास्पिटल के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार व समाज को बुरी तरह प्रभावित व बर्बाद करता है और इसे हम सब को मिलकर हराना है साथ ही जागरूकता शिविर मे पहुंची जनता को संकल्प हास्पिटल की सेवाओं का लाभ लेने हेतु नगर पंचायत अध्यक्ष मीरा यादव ने प्रेरित किया और कहा कि हम अपने सभासद गणो के माध्यम से पुरे नगर को जागरूक करेंगे जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग लाभान्वित हो सके। संकल्प नशा मुक्ति एवं स्वास्थ्य सेवा केंद्र क्षेत्र में जन स्वास्थ्य और सामाजिक पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है इस केंद्र का संचालन सोसाइटी फॉर वॉलंटरी एक्शन एंड रिसर्च (svar) द्वारा किया जा रहा है जो नशा मुक्ति स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में सक्रियता से कार्यरत है 15 बिस्तरों वाले इस केंद्र में शारीरिक मानसिक और सामाजिक पुनर्वास की समुचित व्यवस्था की गई है। स्वर की टीम केवल केंद्र तक सीमित नहीं है बल्कि गांव-गांव जाकर लोगों को जागरुक करते हुए अपने केंद्र से जोड़ने का प्रयास निरंतर कर रही है। नगर पंचायत चुर्क घुर्मा वार्ड नंबर 4 चुर्क बाजार सभासद हिमांशु खत्री उर्फ अंशु ने कहा कि हम आने वाले दिनों में अपने वार्ड को नशा मुक्ति करेंगे हम हर माता बहनों से भाई और चाचा से निवेदन करते हैं कि नशा से मुक्त होना है नशा एक ऐसी बीमारी है जैसे हम और आप कोरोना जैसे महामारी बीमारी थी उसी प्रकार नशा एक बीमारी है हम आप अगर नशा से मुक्त होना है तो कोरोना को जैसे हराया है वैसे ही नशा को हराना है नशा से मुक्त होना है तो हम आप अगर समझ ले कि यह एक महामारी बीमारी है जिससे हमारे जिंदगी प्रतिदिन कम होती जा रही है हम सभी इस नशा के आदत से छुटकारा पा लेंगे। इस दौरान नशा मुक्ति मैनेजर राजीव पाण्डेय, डा अस्मिता, काउन्सलर विभा मैम, राजेश अग्रहरी, नीशु यादव, सभासद रूपेश कुमार, हौसला प्रसाद पांडे, निर्मल कुमार,वार्ड की जनता जनार्दन मौजूद रहे।

शिक्षक संघ के ब्लॉक इकाई दुद्धी के कार्यकारणी का हुआ गठन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश संगठन मंत्री उपाध्यक्ष मोहम्मद आजम खां कोषाध्यक्ष राघवदत्त पाण्डेय, संयुक्त मंत्री बृजेश कुमार बभनी चंद्रजीत सिंह, पूर्व ब्लॉक म्योरपुर धर्मेंद्र यादव,चोपन ब्लॉक मंत्री अरविंद्र कुमार चौहान ने

/ यशस्वी जिलाध्यक्ष योगेश कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में ब्लॉक इकाई दुद्धी के कार्यकारणी का गठन बीआरसी प्रांगण व सभागार हाल में दो सौ से अधिक संख्या में उपस्थिति शिक्षको के बीच चुनाव संपन्न हुआत

चुनाव प्रक्रिया में शिक्षकों ने बढ़चढकर उत्साह के साथ भाग लिए तअध्यक्ष पद पर भोलानाथ अग्रहरि व मंत्री पद पर लोकपति वर्मा , पुनः लगातार दूसरी बार निर्विरोध नव निर्वाचित किए गए,संरक्षक जितेन्द्र चौबे वरिष्ठ मौर्य,को सर्व सम्मति से निर्विरोध निर्वाचित किए गए ।चुनाव सकुशल ,निष्पक्ष और न्याय संगत और सुचिता ढंग से करने हेतु चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सर्वेश गुप्ता . ब्लॉक अध्यक्ष चोपन राघवेंद्र कुमार त्रिपाठी के देखरेख में संपन्न हुआ त

जिला सयुक्तमंत्री राजेश कुमार जायसवाल, उपाध्यक्ष अमित चौबे, शशांक चतुर्वेदी, जिला संगठन मंत्री अभिषेक कुमार यादव बिहारी लाल ,ब्लॉक अध्यक्ष महत्वपूर्ण योगदान दिया।भरी बारिस में भी प्रांगण भरा रहा त राकेश शर्मा, शशिकांत , मधुरानी मसीह, सुशील आरती धर्मशिला ,सविता गुप्ता ,मीरा यादव , शैलेश मोहन , विवेक शांडिलय, निरंजन, आनंद त्रिपाठी देवी प्रसाद, वरुण यादव,रविकांत , अखंड प्रताप, प्रशांत सिंह, रामसूरत वेश विजय यादव, योगेन्द्र यादव, उज्जवल मौर्य,लल्लूराम ,आदि भरी संख्या शिक्षक सम्मिलित मौजूद रहे।।मंच का संचालन जितेंद्र चौबे व अविनाश ने किया।

'मिशन शक्ति - चरण 5' का भव्य शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु संचालित तथा शासन के निर्देशानुसार महिलाओं एवं बालिकाओं को शसक्त बनाने एवं जागरुक करने हेतु दिनांक 20.09.2025 से 21.10.2025 तक सुनिश्चित की गई। सामुदायिक सहभागिताः- ग्राम पंचायतों, महिला स्वयं सहायता समूहों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ

'मिशन शक्ति' अभियान के पाँचवे चरण का आज दिनांक 20.09.2025 को जनपद सोनभद्र में भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद में विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराये जाने के दिये गये निर्देश, इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) व क्षेत्राधिकारी पुलिस लाइन/ट्रैफिक द्वारा पुलिस लाइन चुर्क सोनभद्र में तथा जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी व समस्त थानों द्वारा मिशन शक्ति फेज-05 महिला सशक्तिकरण विशेष अभियान के शुभारंभ के अवसर पर मा0मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यानाथ जी के लाइव सम्बोधन सुना गया की अवधि में विषेश अभियान के तहत मिशन शक्ति फेज-05 को नियमित सुचारू रूप से चलाया जायेगा। शुभारंभ के तहत निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया- विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रमः- महिला थाना, एंटी रोमियो स्क्वॉड एवं स्थानीय पुलिस द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, वुमेन हेल्पलाइन (1090), डायल 112, चाइल्ड हेल्पलाइन (1098), वूमेन पावर लाइन, महिला समाख्या आदि के बारे में जागरूक किया गया। महिला बीट प्रणाली का सुदृढ़ीकरणः- महिला आरक्षियों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, एवं संवेदनशील क्षेत्रों में भ्रमण कर महिलाओं की सुरक्षा संवाद स्थापित कर उन्हें मिशन शक्ति से जोड़ा गया। साइबर जागरूकता कार्यक्रमः- युवतियों को साइबर अपराध, सोशल मीडिया के दुरुपयोग एवं डिजिटल फ्रॉड से बचाव हेतु प्रशिक्षण दिया गया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा ने कहा किः- 'मिशन शक्ति केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक संकल्प है – हमारी माताओं, बहनों और बेटियों को एक सुरक्षित, सम्मानजनक और सशक्त समाज देने का। पुलिस विभाग इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।' नोट-जनपद में मिशन शक्ति 5 के अंतर्गत आगामी दिनों में भी विभिन्न जागरूकता एवं महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में सशक्त नारी स्वास्थ्य परिवार अभियान के तहत जिला अस्पताल में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी की अध्यक्षयता में कन्या जन्मोत्सव का आयोजन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। महिला कल्याण विभाग जिसमें वहां उपस्थित आम जनमानस और महिलाओं को बेटियों के जन्म उनको अपना भविष्य स्वयं चुनने का मौका दें ।इस संदेश के साथ महिला

सोनभद्र में जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री पुनीत टंडन के निर्देशानुसार सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में सशक्त नारी स्वास्थ्य परिवार अभियान के तहत जनपद सोनभद्र के जिला अस्पताल में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आरद जी0 यादव की अध्यक्षयता में कन्या जन्मोत्सव का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में डीएमसी नीतू यति,जेंडर एक्सपर्ट साधना मिश्रा,सीमा द्विवेदी उपस्थित रही को बढ़ावा देने हेतु यह संदेश देते हुए जागरूक किया गया की ङबेटियां हैं तो आज है, कल हैंङऔर हम हैं। कितनी सुन्दर रचना है ईश्वर की इसे संवारना हम सब की ज़िम्मेदारी है। जिस प्रकार आज अस्पताल परिसर में कन्या का जन्म हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इसी प्रकार आप भी अपने घर में बेटों की तरह बेटियों का भी जन्म दिवस मनाएं उनको उनके अधिकार प्रदान करें तथा कल्याण विभाग की हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन की टीम द्वारा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना तथा हेल्पलाइन नंबर आदि की भी जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में हब की टीम से डीएमसी नीतू यति,जेंडर स्पेशलिस्ट सीमा द्विवेदी , शिमला, संजीरा तथा 8नवजात बच्चियां और महिलाएं तथा स्टाफ नर्स आदि उपस्थित रहे।

अधिवक्ताओं ने जुलूस निकालकर किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र व डिस्ट्रिक्ट बार

एसोसिएशन सोनभद्र की संयुक्त आपात बैठक आहूत की गयी जिसमें वाराणसी में अधिवक्ताओं पर बर्बरता पूर्वक पुलिसिया उत्पीड़न तथा चन्दौली में अधिवक्ता कमला यादव की हत्या से समस्त अधिवक्तागण मर्माहत हैं। समस्त अधिवक्तागण न्यायिक कार्य करने में असमर्थता व्यक्त कर रहे थे, ऐसी स्थिति में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया । न्यायिक कार्य कर पाना सम्भव नहीं है। जिसकी वजह से शनिवार को अधिवक्तागण सम्पूर्ण दिवस न्यायिक कार्य से विरत रहते हुये संयुक्त बार एसोसिएशन के अधिवक्ता सोनभद्र बार एसोसिएशन, सोनभद्र के अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्र एड0 व डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष जगजीवन सिंह के नेतृत्व में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम (अधिवक्ता प्रोटेक्शन ऐक्ट) लागू करने तथा वाराणसी के अधिवक्ताओं पर दर्ज मुकदमें वापस लेने की मांग किया कार्यक्रम का संचालन सो0 बा0एसो0 के महामंत्री अखिलेश कुमार पाण्डेय एड0 ने किया अधिवक्ताओं ने एक स्वर में सरकार से मांग किये हैं कि पूर्व में बार कौंसिल आफ उ0प्र0 द्वारा प्रेषित अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम (अधिवक्ता प्रोटेक्शन ऐक्ट) तत्काल लागू किया जाय की मांग को लेकर अधिवक्ताओं का जुलूस परिसर में चक्रमण करते हुये र्खण जयंती चौक पहुचा तत् पश्चात बार सभागार में संयुक्त बार एसोसिएशन के आम सभा की बैठक की गयी। उक्त प्रदर्शन में महेन्द्र प्रसाद शुक्ल, रमेश देव पाण्डेय, अशोक प्रसाद श्रीवास्तव, शेष नारायण दीक्षित, रमेश प्रसाद चौबे, उमेश कुमार मिश्र,, अतुल प्रताप सिंह, शारदा प्रसाद मौर्य, प्रेमबहादुर सिंह, प्रभात मिश्र, सुरेश पाठक, अरुण सिंघल, विनोद जायसवाल, मुनिराज शाह, शक्ति सेन, अनिल मौर्या, प्रदीप सिंह, त्रिपुरारी मिश्र, मोहित मिश्र, प्रदीप पाण्डेय, संदीप पाण्डेय, प्रमोद सिंह, अंकित सिंह गौतम, उत्कर्ष दीक्षित, अनिल सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, मनोज मिश्रा, त्रिपुरारी शंकर मालवीय, श्रीनिवास मिश्र, रामवृक्ष, अतुल पाण्डेय, अनुज अवस्थी, अभिशेष श्रीवास्तव, अविनाश रंजन त्रिपाठी, संदीप शुक्ला व अन्य के साथ महिला अधिवक्ता गीता गौर, आरती पाण्डेय, कामिनी सिंह आदि उपस्थित रहे।

गृहविज्ञान विभाग की छात्राओं नें ऑगनवाणी केन्द्र का सर्वेक्षण किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) विकास तथा संज्ञानात्मक विकास से

सोनभद्र। विन्ध्य कन्या पी0जी0 कालेज राबर्ट्सगंज के गृहविज्ञान विभाग की छात्राओं नें ऑगनवाणी केन्द्र बिचपई का में शनिवार को सर्वेक्षण किया। छात्राओं नें शैशवावस्था और बाल्यावस्था मे बच्चो की गतिविधियों का अध्ययन किया तथा उन्होने बच्चो के शारीरिक विकास, भाषा विकास, क्रियात्मक सम्बंधित विभिन्न गतिविधियों करायी। छात्राओं ने ऑगनवाणी केन्द्र पर गर्भवती महिलाओं तथा बच्चों को मिलने वाली विभिन्न सुविधाओं की भी जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर गृहविज्ञान की प्रवक्ता अरूणा पाण्डेय, कंचनन तथाा ऑगनवाणी कार्यकत्री मंजू भारती व सहायिका चन्द्रावती उपस्थित रही।

उषा चौबे को महिला पर्यवेक्षक बिहार हुई नियुक्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। महिला कॉग्रेस जिलाध्यक्ष ऊषा चौबे की कार्य कुशलता, संगठन की बिहार चुनाव मे महिलाओं को संगठित कर और महिलाओं को कॉग्रेस की नीतियों को जन जन

के प्रति निष्ठा को देखते हुए अखिल भारतीय महिला कॉग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लाम्बा ने अखिल भारतीय महिला कॉग्रेस बिहार विधानसभा चुनाव 2025 मे कॉग्रेस पार्टी की योजनाओं एवं विचार धारा के प्रचार प्रसार तथा महिला शक्ति को संगठित करने के उद्देश्य से सोनभद्र महिला कॉग्रेस की जिलाध्यक्ष ऊषा चौबे को महिला पर्यवेक्षक बिहार नियुक्त की है. ऊषा चौबे को बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के वाल्मीकि नगर विधानसभा की जिम्मेदारी सौपी गई है। इसके पहले बिहार के नालंदा जिले की जिम्मेदारी थी. ऊषा चौबे ने कहा तक पहुंचाया जाएगा त संगठन ने जो जिम्मेदारी सौपी है पूरी निष्ठा से काम करूंगी। इस जिम्मेदारी के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लाम्बा का आभार व्यक्त करती हू। ऊषा चौबे के मनोनयन से महिला कॉग्रेस कार्यकर्ताओं ने खुसी जाहिर की है और उन्हें नए जिम्मेदारी के लिए बधाईयाँ दी है.बधाई देने वालों मे जिला उपाध्यक्ष शांति विश्वकर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष तेतरी देवी, संगीता देवी, रीता देवी इंद्रावती देवी निक्की गोस्वामी विद्या देवी राजकुमारी रामवंती देवी प्रभावती देवी ममता देवी नीतू पंडित प्रभावती चेरो शामिल रही।

महिला अपराध को लेकर अपराधियों के विरुद्ध होगी कार्रवाई:अभिषेक वर्मा,नवागत पुलिस अधीक्षक ने पत्रकारों से किया वार्ता

सोनभद्र। चुर्क पुलिस लाइन के सभागार कक्ष में शनिवार को नवागत पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने पत्रकारों से वार्ता किया। इस दौरान उन्होंने साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं के दृष्टिगत जनपद में साइबर सेल को सुदृढ़ करने एवं साइबर जागरूकता अभियान चलाने की बात कही। आगामी त्योहारों, कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता पर विस्तार से चर्चा किया।बतादें कि नवागत पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। जनपद में तैनाती से पूर्व अभिषेक वर्मा रेलवे आगरा में बतौर पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात थे। हापुड़, औरैया और गाजियाबाद (सीटी) में भी एसपी के रूप में कार्य कर चुके हैं। आईपीएस अधिकारी अभिषेक वर्मा के पिता रामलाल वर्मा भी पूर्व में जनपद सोनभद्र में पुलिस अधीक्षक के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।एसपी अभिषेक वर्मा ने कहा कि आगामी त्योहार को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जनपद में पुलिस बल की प्रभावी तैनाती, संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी तथा इंटेलिजेंस नेटवर्क को सक्रिय किया जाएगा। आम नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध और निष्पक्ष समाधान पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए थाना से लेकर जिला स्तर तक के सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। महिला सुरक्षा के संबंध में उन्होंने कहा कि पिंक पेट्रोलिंग, महिला हेल्प डेस्क, एंटी रोमियो स्क्वाड को और अधिक सक्रिय किया जाएगा, जिससे महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जा सके। साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं के दृष्टिगत जनपद में साइबर सेल को सुदृढ़ करने के साथ ही जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। पशु तस्करी, अवैध मादक पदार्थों की विक्री समेत अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अंतरजनपदीय सीमाओं पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। अंत में एसपी ने पत्रकारों से समाज में शांति, सौहार्द एवं जागरूकता फैलाने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील किया। कहा कि मीडिया और पुलिस मिलकर एक मजबूत सामाजिक तंत्र तैयार कर सकते हैं,

पाकिस्तान से बेहतर खेला ओमान,पूरे 40 ओवर तक मैच खींचा, भारत के 8 बल्लेबाजों को आउट किया,हारा सिर्फ 21 रन से

अबु धाबी। भारत और ओमान की टीमें किसी भी फॉर्मेट के क्रिकेट मैच में पहली बार आमने-सामने थी। ऑन पेपर इस मैच में दोनों टीमों का कहीं से कोई मैच नहीं था। भारत नंबर-1, ओमान 20वें नंबर पर। टॉप बैटर, बॉलर और ऑलराउंडर भारतीय टीम में। ओमान के खिलाड़ियों का नाम तक नहीं मालूम तो रैंकिंग कहां से पता चले। मतलब भारत की एकतरफा जीत तय थी। लेकिन, ऐसा हुआ नहीं। ओमान भले ही 21 रन से हार गया लेकिन उसने पूरे 40 ओवर तक भारतीय खिलाड़ियों को मैदान पर बनाए रखा। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम पाकिस्तान को 35 ओवर में और यूएई को 17ओवर में हरा चुकी थी। ओमान इन दोनों से कमजोर मानी जाती है, फिर भी उसने पूरे मैच में मुकाबला करने की कोशिश की। इसमें वह बहुत हद तक कामयाब भी रहा। पावरप्ले में भारत के दोनों ओपनर्स को आउट किया- अभिषेक शर्मा करीब 200 के स्ट्राइक रेट से खेलते हैं। शुभमन गिल भी आईपीएल और इंटरनेशनल क्रिकेट में कई विस्फोटक पारियां खेल चुके हैं। ये दोनों जब साथ जब ओपनिंग के लिए आए तो यही लगा कि जब शाहीन शाह अफरीदी इनके आगे नहीं टिका तो ओमान के गेंदबाजों का क्या होगा। लेकिन 28 साल के लेफ्ट आर्म स्विंग बॉलर शाह फैसल ने बेहतरीन इन स्विंग पर शुभमन गिल को बोल्ड कर दिया। गिल महज 5 रन बना सके। 1.3 ओवर में भारत का स्कोर एक विकेट पर सिर्फ रन। अभिषेक ने 15 गेंदों पर 38 रन बनाए। वे इस अंदाज में बैटिंग कर रहे थे कि आज भारत को 300 के पार पहुंचा देंगे। लेकिन, जितेन रामनंदी ने उन्हें विकेटकीपर विनायक शुक्ला के हाथों कैच करवा दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद जब भी रन रेट को बढ़ाने की कोशिश की ओमान के गेंदबाज ब्रेथ थ्रू हासिल करने में कामयाब रहे। भारत 300 तो क्या 200 तक भी नहीं पहुंच सका। भारत ने 8 विकेट गंवाकर 188 रन बनाए। संजू सैमसन ने सबसे ज्यादा 56 रन बनाए। कप्तान सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। वे अपने ज्यादा से ज्यादा बल्लेबाजों को मौका देना चाहते थे। कई एक्सपर्ट कह रहे थे अगर सूर्या को यही करना था तो वे रेस्ट भी ले सकते थे। बहरहाल भारतीय टीम ने 188 रन बनाए। उस समय सोशल मीडिया पर आम राय यह थी कि भारतीय टीम ने रन कम बनाए लेकिन इतने पर ओमान को दो बार ऑलआउट कर देगी। इस मैच में भारत ने बुमराह और वरुण को आराम दिया था। फिर भी उम्मीद थी कि अर्शदीप, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल जैसे गेंदबाज ओमान को ज्यादा टिकने नहीं देंगे। फिर भी ओमान पूरे 20 ओवर खेल गया। आमिर कलीम के 64, हमाद मिर्जा के 51 और कप्तान जतिंदर सिंह के 32 रन की बदौलत ओमान 20 ओवर में 167/4 तक पहुंच पाया। यह भारत के स्कोर से 21 रन कम है लेकिन यह भारत के खिलाफ हाल-फिलहाल कई टीमों के प्रदर्शन से बेहतर है। आमिर कलीम ने इससे पहले गेंदबाजी में भी दम दिखाते हुए 2 विकेट लिए थे। ओमान का फाइट काबिल-ऐ-तारीफ क्यों है यह हालिया वर्षों में भारत के प्रदर्शन से समझा जा सकता है। 1 जनवरी 2024 से अब तक भारतीय टीम दुनिया की सबसे कामयाब टी-20 टीम रही है। भारत ने इस टाइम पीरियड मेंम 34 में से 31 टी-20 मैचों में जीत हासिल की है। यानी 91फीसदी सक्सेस रेट। इसी टाइम पीरियड में भारतीय टीम वर्ल्ड चैंपियन भी बनी है। ओमान की टीम में ज्यादातर खिलाड़ी भारत और पाकिस्तान से वहां गए हैं। कप्तान जतिंदर सिंह सहित इस मैच में भारतीय मूल के पांच खिलाड़ी खेल रहे थे।

8 विकेट गिरे पर सूर्या बैटिंग करने नहीं आए,कुलदीप ने कप्तान से जबरन रिव्यू करवाया, हार्दिक और अर्शदीप का बैड लक; मोमेंट्स

नयी दिल्ली। एशिया कप में ग्रुप स्टेज के आखिरी मैच में भारत ने ओमान को 21 रन से हरा दिया। वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया ने 188 रन जरूर बनाए, लेकिन ओमान के 4 ही विकेट गिरा सकी। मुकाबले में 8 विकेट गिरने के बाद भी भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव बैटिंग करने नहीं आए। कुलदीप यादव ने सूर्या को रिव्यू लेने के लिए उकसाया और उनके हाथ पकड़कर डीआरएस का इशारा भी करा दिया। हार्दिक पंड्या और अर्शदीप सिंह नॉन-स्ट्राइकर एंड पर रन आउट हुए। कैच लेने की कोशिश में अक्षर पटेल इंजर्ड हो गए। वहीं अर्शदीप सिंह ने टी-20 में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए। 1. प्लेइंग-11 भूले दोनों कप्तान टॉस के दौरान दोनों टीमों के कप्तान अपनी-अपनी प्लेइंग-11 भूल गए। पहले भारत के सूर्यकुमार यादव और फिर ओमान के जतिंदर सिंह प्लेइंग-11 के बदलाव बताने में नाकाम रहे। जिसके बाद टॉस के दौरान मौजूद ब्रॉडकास्टर रवि शास्त्री ने मामले को हंसकर टाल दिया। 2. ओमान ने पहली बॉल पर रिव्यू गंवाया ओमान ने मैच की पहली बॉल पर ही रिव्यू गंवा दिया। शकील अहमद की पहली बॉल भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा के पैड्स पर लगी। ओमान की एलबीडब्ल्यू अपील को फील्ड अंपायर ने नकार दिया। इस पर टीम ने रिव्यू लिया, लेकिन यह डीआरएस कामयाब नहीं हुआ। 3. शाह फैसल ने विकेट मेडन ओवर फेंका-ओमान के लिए पारी का दूसरा ओवर शाह फैसल ने मेडन फेंका और भारत के उप कप्तान शुभमन गिल का विकेट भी ले लिया। भारत के खिलाफ टी-20 में पहली बार किसी एसोसिएट देश के गेंदबाज ने पावरप्ले में मेडन ओवर फेंका है। शुभमन 8 गेंद पर 5 ही रन बनाकर आउट हुए। 4. नॉन-स्ट्राइकर एंड पर रन आउट हुए हार्दिक-अर्शदीप भारत के हार्दिक पंड्या और अर्शदीप सिंह नॉन-स्ट्राइकर एंड पर रन आउट हो गए। 8वें ओवर की तीसरी गेंद जितेन रामनंदी ने गुड लेंथ पर फेंकी। संजू सैमसन ने स्ट्रैट ड्राइव खेला, इतने में हार्दिक क्रीज से बाहर निकल आए। गेंदबाज जितेन ने गेंद पर हाथ लगा दिया और बॉल स्टंप्स से टकरा गई। ऐसा ही कुछ 19वें ओवर में अर्शदीप सिंह के साथ भी हुआ। दोनों खिलाड़ी 1-1 रन बनाकर आउट हुआ। 5. छक्का मारने के बाद आउट हुए अक्षर- टीम इंडिया के ऑलराउंडर अक्षर पटेल 12वें ओवर में छक्का मारने के बाद आउट हो गए। आमिर कलीम के खिलाफ ओवर की पहली गेंद पर अक्षर ने 91 मीटर लंबा छक्का लगाया। हालांकि, दूसरी ही गेंद पर उन्हें कलीम ने विकेटकीपर विनायक शुक्ला के हाथों कॉट बिहाइंड करा दिया। अक्षर ने 13 गेंद पर 26 रन बनाए। 6. सैमसन का कैच छूटा, अगली गेंद पर दुबे आउट 14वें ओवर में ओमान के फील्डर ने संजू सैमसन का आसान सा कैच छोड़ दिया। आमिर कलीम ने ओवर की पहली गेंद गुड लेंथ पर फेंकी। सैमसन शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद हवा में खड़ी हो गई। पॉइंट पर खड़े फील्डर गेंद तक पहुंच गए, लेकिन कैच नहीं कर सके। हालांकि, अगली ही गेंद पर शिवम दुबे लॉन्ग ऑफ पर जतिंदर सिंह के हाथों कैच हो गए। 7. 8 विकेट गिरने के बाद भी सूर्या नहीं आए बैटिंग करने 2 मैच जीतने के बाद सुपर-4 में जगह कन्फर्म कर

चुकी टीम इंडिया ने ओमान के खिलाफ बहुत सारे एक्सपेरिमेंट कर दिए। कप्तान सूर्यकुमार यादव 8 विकेट गिरने के बाद भी बैटिंग करने नहीं आए। यहां तक कि गेंदबाजी में भी टीम ने 8 प्लेयर्स को बॉलिंग का मौका दे दिया। 2 मैच में बैटिंग नहीं कर सके संजू सैमसन को टीम ने नंबर-3 पर भेजा, उन्होंने फिफ्टी लगाई और प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी जीत लिया। 8. रिव्यू के कारण बचे जतिंदर सिंह 8वें ओवर में ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह

रिव्यू लेकर आउट होने से बच गए। वे अक्षर पटेल की बॉल पर रिवर्स स्वीप मारना चाहते थे, लेकिन गेंद उनके पैड्स पर लगी। एलबीडब्ल्यू की अपील हुई और फील्ड अंपायर ने आउट भी दे दिया। ऐसे में जतिंदर ने रिव्यू लिया। रिप्ले देखने के बाद थर्ड अंपायर ने फैसला पलट दिया। 9. कुलदीप ने सूर्या को रिव्यू लेने के लिए उकसाया 9वें ओवर में कुलदीप यादव ने कप्तान सूर्यकुमार यादव को डीआरएस लेने के लिए उकसाया। ओवर की दूसरी गेंद कुलदीप ने आमिर कलीम को गुड लेंथ पर फेंकी। गेंद उनके पैड्स पर लगी, भारत ने एलबीडब्ल्यू की अपील की, लेकिन अंपायर ने नॉटआउट का फैसला दे दिया। कुलदीप ने अपने हाथों से सूर्या के हाथ पकड़े और रिव्यू का इशारा कर दिया। सूर्या के रिव्यू के बाद रिप्ले में पता चला कि गेंद का इम्पैक्ट ऑफ स्टंप के बाहर हुआ है। इस कारण भारत ने रिव्यू गंवा दिया। हालांकि, अगली ही गेंद पर कुलदीप ने ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह को बोल्ड कर दिया। 10. अक्षर कैच पकड़ने में इंजर्ड हो गए 15वें ओवर में भारत के अक्षर पटेल कैच लेने की कोशिश में इंजर्ड हो गए। शिवम दुबे ने लेग स्टंप की ओर गुड लेंथ पर बॉल फेंकी। हम्माद मिर्जा ऑफ साइड पर शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद हवा में खड़ी हो गई। अक्षर पटेल कवर्स से दौड़ते हुए आए और कैच लेने की कोशिश में मैदान पर गिर गए। वे सिर के बल गिरे, जिस कारण इंजर्ड हो गए। उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया। वे फिर फील्डिंग करने नहीं आ सके। 11. हार्दिक का बेहतरीन रनिंग कैच 18वें ओवर में हार्दिक पंड्या ने बेहतरीन रनिंग कैच पकड़ा। ओवर की चौथी बॉल हर्षित राणा ने लेग स्टंप पर गुड लेंथ की ओर फेंकी। आमिर कलीम ने स्वीप शॉट खेला, गेंद लॉन्ग लेग की ओर गई। बाउंड्री पर मौजूद हार्दिक दौड़ते हुए गेंद के पास पहुंचे और बेहतरीन कंट्रोल दिखाकर रनिंग कैच पकड़ लिया। कलीम 64 रन बनाकर आउट हुए। 12. ओमान के ओपनर्स ने फिफ्टी पार्टरनशिप की ओमान के लिए जतिंदर सिंह और आमिर कलीम ने 56 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। एसोसिएट देश ओमान ने पहली बार ही किसी टेस्ट प्लेइंग नेशन के खिलाफ 50 से ज्यादा रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। भारत के खिलाफ भी पहली बार ही किसी एसोसिएट देश के ओपनर्स ने फिफ्टी पार्टनरशिप की। 13. अर्शदीप के 100 टी-20 विकेट पूरे भारत के लेफ्ट आर्म पेसर अर्शदीप सिंह ने टी-20 इंटरनेशनल में 100 विकेट पूरे कर लिए। वे भारत से टी-20 में विकेट की सेंचुरी लगाने वाले पहले ही गेंदबाज बने। उनके बाद लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और मीडियम पेसर हार्दिक पंड्या ने 96-96 विकेट लिए हैं। अर्शदीप ने महज 64 मुकाबलों में विकेट की सेंचुरी लगा दी। 14. मैच के बाद सूर्या ने ओमान के प्लेयर्स से बातचीत की मैच खत्म होने के बाद भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ओमान टीम के प्लेयर्स से बातचीत करते नजर आए। ओमान के सपोर्ट स्टाफ और खिलाड़ियों ने सूर्या से मैच के बारे में सलाह ली। सूर्या की कप्तानी में भारत ने एशिया कप में लगातार तीसरा मैच जीता।

पूर्व नेपाली पीएम ओली बोले- गोली चलाने का आदेश नहीं दिया, साजिशन हिंसा हुई, जेन-जी के प्रदर्शन में हिंसा की जांच की मांग की

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने 8

सितंबर को जेन-जी आंदोलन के दौरान हुई गोलीबारी को लेकर पहली बार बयान दिया है। ओली ने कहा है कि उनकी सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का कोई आदेश नहीं

दिया था। ओली ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण आंदोलन में शामिल घुसपैठियों ने हिंसा फैलाई और उन्हीं की साजिश से युवाओं की जान गई। नेपाल के संविधान दिवस पर जारी संदेश में ओली ने कहा कि प्रदर्शनकारियों पर जो गोलियां चलीं, वे ऑटोमैटिक गन से चलाई गईं, जो पुलिस के पास नहीं होतीं। इसलिए इस मामले की जांच होनी चाहिए। फेसबुक पोस्ट में ओली ने लिखा, मैं इन घटनाओं के पीछे की साजिशों पर ज्यादा नहीं बोलना चाहता, समय खुद सब बता देगा। ओली ने कहा कि नेपाल का संविधान उस समय लागू किया गया था, जब देश सीमा नाकेबंदी और संप्रभुता पर हमलों जैसी चुनौतियों से जूझ रहा था। उन्होंने कहा कि सभी पीढ़ियों के नेपाली नागरिकों को मिलकर देश की संप्रभुता और संविधान की रक्षा करनी चाहिए। जेन-जी प्रदर्शन के दौरान 72 लोग मारे गए थे, जबकि 2100 घायल हुए थे। हालांकि नेपाल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने 51 लोगों की मौत की पुष्टि की है। आंदोलन 8 और 9 सितंबर को उग्र हो गया था। यह आंदोलन 4 सितंबर को सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के विरोध में शुरू हुआ था। 13 सितंबर से प्रदर्शन का दौर थम गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने 9 सितंबर को इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उग्र प्रदर्शनकारियों ने सिंह दरबार सचिवालय, सुप्रीम कोर्ट और कई अहम सरकारी इमारतों में आग लगा दी थी। नेपाल का नक्शा भी जला दिया गया था।

भारत बोला- सऊदी हमसे अपने रिश्तों का ध्यान रखेगा,पाकिस्तान की आतंकियों से साठगांठ,दो दिन पहले सऊदी-पाक में डिफेंस समझौता हुआ

नयी दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को कहा कि हमें उम्मीद है कि सऊदी अरब हमारे साथ अपने रिश्तों को ध्यान रखेगा। पाकिस्तान की आतंकियों से साठगांठ है। भारत और सऊदी अरब के बीच पिछले कुछ सालों में रणनीतिक साझेदारी बहुत मजबूत हुई है। हम उम्मीद करते हैं कि यह साझेदारी आपसी हितों और संवेदनशीलता का ध्यान रखेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच 17 सितंबर को हुए रक्षा समझौते पर व्यक्त की। इसमें एक देश पर हमला दूसरे पर हमला माना जाएगा। भारत बोला- पाकिस्तान और आतंकियों में गठजोड़- जायसवाल ने आतंकी संगठन जैश और लश्कर के साथ पाकिस्तान के संबंधों पर कहा कि दुनिया पाकिस्तानी सेना और आतंकवादियों की साठगांठ अच्छे से जानती है। जायसवाल ने जोर देकर कहा- 'आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का स्टैंड क्लियर है। सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ग्लोबल समुदाय को एकजुट होकर कठोर कदम उठाने होंगे। हम दुनिया से अपील करते हैं कि आतंकवाद से निपटने के लिए अपनी कोशिशों को और तेज किया जाए।' ईरान के चाबहार पोर्ट पर भी बयान दिया- अमेरिका ने हाल में ही ईरान के चाबहार पोर्ट को मिली छूट खत्म कर दी है। 29 सितंबर से इससे जुड़ी कंपनियों पर जुर्माना लगेगा। यह पोर्ट 10 साल के लिए भारत के पास लीज पर है। रणधीर जायसवाल ने इसे लेकर कहा कि-'हमने चाबहार पोर्ट के लिए प्रतिबंधों में छूट रद्द करने के मामले अमेरिकी प्रेस रिलीज देखी है। हम फिलहाल भारत पर इसके असर की जांच कर रहे हैं। चाबहार को 2018 में अफगानिस्तान की मदद और विकास के लिए छूट मिली थी। भारत इस बंदरगाह को अफगानिस्तान और सेंट्रल एशिया तक पहुंचने के लिए इस्तेमाल करता है, ताकि पाकिस्तान से न गुजरना पड़े।' वहीं खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस ने कुछ दिन पहले कनाडा के वैंकूवर में भारतीय कॉन्सुलेट पर घेराव की धमकी दी थी। इसे लेकर भारत ने कनाडा सरकार से कॉन्सुलेट सुरक्षा तय करने की मांग की है। जायसवाल ने कहा कि भारतीय दूतावासों की सुरक्षा की जिम्मेदारी कनाडा सरकार की है। जायसवाल ने कहा- जब भी कोई सुरक्षा से जुड़ी चिंता होती है, हम उसे कनाडा के अधिकारियों के सामने उठाते हैं। हाल ही में कनाडा के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने हमारे एनएसए से बात की। यह दोनों देशों के बीच रेगुलर सुरक्षा वार्ता का हिस्सा थी। इजराइल ने 9 सितंबर को कतर की राजधानी दोहा में हमास चीफ खलील अल-हय्या को निशाना बनाकर हमला किया था। इस हमले में अल-हय्या बच तो गया था, लेकिन 6 अन्य लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद 14 सितंबर को दोहा में मुस्लिम देशों के कई नेता इजराइल के खिलाफ एक खास बैठक के लिए इकट्ठा हुए थे। यहां पाकिस्तान ने सभी इस्लामी देशों को नाटो जैसी जॉइंट फोर्स बनाने का सुझाव दिया था।पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री मोहम्मद इशाक डार ने एक जॉइंट डिफेंस फोर्स बनाने की संभावना का जिक्र करते हुए कहा था कि न्यूक्लियर पावर पाकिस्तान इस्लामिक समुदाय (उम्माह) के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएगा। एक्सपर्ट बोले- यह समझौता औपचारिक 'संधि' नहीं है- अफगानिस्तान और इराक में अमेरिका के राजदूत रह चुके जलमय खलीलजाद ने भी इस समझौते पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह समझौता हालांकि औपचारिक 'संधि' नहीं है, लेकिन इसकी गंभीरता को देखते हुए यह एक बड़ी रणनीतिक साझेदारी मानी जा रही है। खलीलजाद ने आगे कहा कि क्या यह समझौता कतर में इजराइल हमले के जवाब में किया गया है? या ये लंबे समय से चली आ रही अफवाहों की पुष्टि करता है कि सऊदी अरब, पाकिस्तान के एटमी हथियार प्रोग्राम का अघोषित सहयोगी रहा है। खलीलजाद ने पूछा कि क्या इस समझौते में सीक्रेट क्लॉज हैं, अगर हां, तो वे क्या हैं? क्या ये समझौता बताता है कि सऊदी अरब अब अमेरिका की सुरक्षा गारंटी पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना चाहता है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार और ऐसे मिसाइल

सिस्टम हैं जो पूरे मिडिल ईस्ट और इजराइल तक मार कर सकते हैं। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तान ऐसे हथियार भी डेवलप कर रहा है जो अमेरिका तक पहुंच सकते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता बोले- भारत पर असर की जांच करेंगे- सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रक्षा समझौते पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा- 'यह समझौता दोनों देशों के बीच पहले से मौजूद संबंधों को औपचारिक रूप देता है। इससे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता पर क्या असर पड़ेगा, इसकी जांच की जाएगी। भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।' अमेरिका के साथ भी पाकिस्तान ने सऊदी जैसा रक्षा समझौता किया था पाकिस्तान ने सऊदी जैसा रक्षा समझौता अमेरिका के भी साथ किया था। 1979 में ये समझौता टूट गया था। उससे पहले भारत पाकिस्तान के बीच 2 जंग हुईं लेकिन एक में भी अमेरिका ने उसकी सीधे मदद नहीं की। पाकिस्तान-अमेरिका का पुराना रक्षा समझौताः 1950 में कोल्ड वॉर के दौरान, अमेरिका ने सोवियत संघ के विस्तार को रोकने के लिए दक्षिण एशिया में सहयोगियों की तलाश की। इस समय पाकिस्तान ने अमेरिका के साथ सैन्य गठबंधन को अपनाया। म्यूचुअल डिफेंस असिस्टेंस एग्रीमेंट, 19 मई 1954ः यह पाकिस्तान और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय समझौता था। इसमें म्यूचुअल डिफेंस के नियम थे, यानी दोनों देश एक-दूसरे को सैन्य सहायता (हथियार, प्रशिक्षण, उपकरण) देंगे। अमेरिका ने पाकिस्तान को सामूहिक सुरक्षा प्रयासों (जैसे सामान्य जंग में) में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसमें पाकिस्तान के रिसोर्स, सैनिक और रणनीतिक सुविधाएं शामिल थीं। यह समझौता अमेरिका के म्यूचुअल डिफेंस असिस्टेंस एक्ट (1949) पर बेस्ड था, जो यूरोप और एशिया में सहयोगियों को सैन्य सहायता देता था।SEATO (1954) और CENTO (1955)ः MDAA के बाद पाकिस्तान ने साउथ ईस्ट एशिया ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (SEATO) और बगदाद पैक्ट (बाद में CENTO) में शामिल होकर इसे मजबूत किया। इन संगठनों के अनुच्छेदों में किसी एक पर हमले में सामूहिक प्रतिक्रिया का प्रावधान था, यानी एक सदस्य पर आक्रमण को सभी पर आक्रमण माना जाएगा (नाटो जैसा)। अमेरिका ने इनके तहत पाकिस्तान को 7 हजार करोड़ से ज्यादा की सैन्य सहायता दी, जिसमें हथियार और प्रशिक्षण शामिल थे। 1979 में समझौता क्यों टूटा? CENTO का अंत 1979 में हुआ, हालांकि MDAA द्विपक्षीय था, लेकिन CENTO के ढांचे से जुड़ा था। ईरान की क्रांति (1979)ः ईरान के शाह का पतन और इस्लामी क्रांति के बाद ईरान ने CENTO से 15 मार्च 1979 को वापसी की। ईरान ण्ँिः का प्रमुख सदस्य था, इसलिए संगठन कमजोर हो गया। पाकिस्तान की वापसीः 12 मार्च 1979 को पाकिस्तान ने भी CENTO छोड़ दिया। इसके कारण थे सोवियत आक्रमण, अफगानिस्तान (दिसंबर 1979) के बाद पाकिस्तान की गुटनिरपेक्ष नीति और अमेरिका के साथ संबंधों में उतार-चढ़ाव (जैसे 1979 में पाकिस्तान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर अमेरिकी प्रतिबंध)। अमेरिकी सहायता पर प्रतिबंधः जिमी कार्टर प्रशासन ने पाकिस्तान के गुप्त यूरेनियम एनरिचमेंट (न्यूक्लियर हथियार कार्यक्रम) पर 1979 में सैन्य सहायता रोक दी। इससे गठबंधन प्रभावी रूप से खत्म हो गया। समझौते के बाद भी अमेरिका ने मदद नहीं दी-CENTO 16 मार्च 1979 को पूरी तरह खत्म हुआ। हालांकि, अमेरिका-पाकिस्तान संबंध बाद में अफगान युद्ध (1979 के बाद) में फिर मजबूत हुए, लेकिन पुराना म्यूचुअल डिफेंस फ्रेमवर्क टूट चुका था। इससे पहले 1947, 1965 और 1971 में भारत पाक जंग में भी में अमेरिका ने पाकिस्तान की सीधी सैन्य मदद नहीं की, भले ही म्यूचुअल डिफेंस प्रावधान थे। अमेरिका ने इन जंग को क्षेत्रीय विवाद माना, न कि गठबंधन के तहत सामूहिक रक्षा का मामला। MDAA/SEATO/CENTO खासतौर पर सोवियत/कम्युनिस्ट खतरों के खिलाफ थे, न कि भारत किसी और गुट के खिलाफ। इसलिए, पाकिस्तान को अपेक्षित मदद नहीं मिली, जिससे गठबंधन पर सवाल उठे।

हमारा सबसे बड़ा दुश्मन दूसरे देशों पर निर्भरता, 100 दुखों की एक दवा आत्मनिर्भर भारत-पीएम मोदी

भावनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को एक दिन के गुजरात दौरे पर पहुंचे। उन्होंने भावनगर में करीब 35 मिनट तक जनता को संबोधित किया। पीएम ने विकसित भारत, कानूनों में बदलाव और आत्मनिर्भर भारत का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि भारत आज विश्व बंधु की भावना से आगे बढ़ रहा है दुनिया में हमारा कोई दुश्मन नहीं है। सच में अगर हमारा कोई दुश्मन है तो वो है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता। हमें मिलकर भारत के इस दुश्मन को हराना है। दूसरों पर निर्भर रहेंगे तो हमारे आत्मसम्मान को चोट पहुंचेगी। हम भावी पीढ़ी के भविष्य को दांव पर नहीं लगा सकते इसलिए कहते हैं 100 दुखों की एक दवा, वो है आत्मनिर्भर भारत। पीएम सुबह 10 बजे भावनगर पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने एयरपोर्ट से जवाहर ग्राउंड तक रोड शो किया। समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम में सौराष्ट्र और गुजरात में 34,200 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का वर्चुअली उद्घाटन और शिलान्यास किया। ये योजनाएं पोर्ट्स, शिपिंग एंड वाटरवेज मंत्रालय, गुजरात मैरीटाइम बोर्ड और अन्य राज्यों के समुद्री बोर्ड से जुड़ी हुई हैं। इसके बाद पीएम धोलेरा का हवाई सर्वे भी करेंगे। वहीं अहमदाबाद के लोथल में नेशनल मरीन हेरिटेज कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण करने भी जाएंगे। पीएम मोदी का संबोधन, 3 बड़ी बातें- 1. दूसरे देशों पर निर्भरता सबसे बड़ा दुश्मनः भारत आज विश्व बंधु की भावना से आगे बढ़ रहा है दुनिया में हमारा कोई दुश्मन नहीं है। सच में अगर हमारा कोई दुश्मन है तो वो है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता।

यह हमारा दुश्मन है। हमें मिलकर भारत के इस दुश्मन को हराना है। हमें यह बात हमेशा दोहराना है जितनी ज्यादा विदेशी निर्भरता, उतनी ज्यादा देश की विफलता। दुनिया में शांति स्थिरता और समृद्धि के लिए दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश को आत्मनिर्भर रहना पड़ेगा। दूसरों पर निर्भर रहेंगे तो हमारे आत्मसम्मान को चोट पहुंचेगी। हम भावी पीढ़ी के भविष्य को दांव पर नहीं लगा सकते इसलिए कहते हैं 100 दुखों की एक दवा, वो है आत्मनिर्भर भारत। 2. कांग्रेस ने कौशल को नजरअंदाज कियाः भारत में कौशल की कमी नहीं है लेकिन आजादी के बाद कांग्रेस ने इसे नजरअंदाज किया। छह-सात दशकों तक भारत वो सफलता हासिल नहीं कर सका जिसके हम हकदार थे। इसके दो बड़े कारण थे लंबे समय तक कांग्रेस सरकार ने देश को लाइसेंस कोटा राज में लटकाए रखा। जब ग्लोबलाइजेशन का दौर आया तो इंपोर्ट का रास्ता पकड़ लिया उसमें भी करोड़ों के घोटाले कर दिए। देश के नौजवानों का बहुत नुकसान किया। इन नीतियों ने भारत की असली ताकत को सामने आने से रोक दिया। साथियों देश का कितना नुकसान हुआ इसका उदाहरण हमारा शिपिंग सेक्टर है। भारत सदियों से एक समुद्री ताकत था। हम शिप बिल्डिंग के सेंटर हुआ करते थे। 3. 100 साल पर विकसित भारत का सपनाः भारत को अगर 2047 तक विकसित होना है तो भारत को आत्मनिर्भर होना पड़ेगा। आत्मनिर्भर होने के अलावा हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। 140 करोड़ देशवासियों का एक संकल्प लेना चाहिए कि चिप हो या शिप हमें भारत में ही बनानी है। अब बिजनेस और कारोबार को और सरल करना है। मानसून सेशन के दौरान संसद में हमने कई पुराने कानूनों को बदला है जो अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे हैं। मेरीटाइम सेक्टर में रिफॉर्म किया है। इन कानूनों के आने से शिपिंग सेक्टर में बड़ा बदलाव आने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भावनगर से वर्चुअली बैलार्ड पियर पर अत्याधुनिक मुंबई इंटरनेशनल क्रूज टर्मिनल का इनॉगरेशन किया। यह देश का सबसे बड़ा क्रूज टर्मिनल है, जिसे 'क्रूज भारत मिशन' के तहत विकसित किया गया है। करीब 4.15 लाख वर्ग फुट में फैला यह टर्मिनल हर साल 10 लाख यात्रियों को संभालने की क्षमता रखता है। इस टर्मिनल पर एक साथ 5 क्रूज शिप यहां खड़े हो सकेंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए इसमें 72 चेक-इन और इमिग्रेशन काउंटर बनाए गए हैं। केंद्रीय पोत, नौवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि मुंबई का समुद्री इतिहास बेहद समृद्ध है और यह टर्मिनल भारत को वैश्विक क्रूज पर्यटन हब बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। पीएम मोदी अहमदाबाद जिले के लोथल में नेशनल मरीन हेरिटेज कॉम्प्लेक्स का दौरा करेंगे। यहां वे पूरी हो चुकी अन्य परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे। एनएमएचसी प्रोजेक्ट 4,500 करोड़ की लागत से विकसित किया जा रहा है। एक समय अहमदाबाद जिले का लोथल सिंधु घाटी सभ्यता का एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र था। करीब 5000 साल पहले लोथल न केवल एक बंदरगाह था, बल्कि यहां जहाजों की मरम्मत भी होती थी। इसी ऐतिहासिक सिंधु घाटी सभ्यता के इतिहास के साक्षी रहे लोथल में नेशनल मेरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है। लोथल में हेरिटेज संग्रहालय इस प्रकार बनाया जा रहा है कि भारत का आम आदमी भी अपने इतिहास को आसानी से समझ सके। यह हेरिटेज कॉम्प्लेक्स लोगों के लिए एक पर्यटन स्थल होने के साथ-साथ अध्ययन का केंद्र भी बनेगा। इस टूरिस्ट स्पॉट के तैयार होने से यहां के स्थानीय हजारों लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

महेश भट्ट के 77 बसंत, खाते समय मां ने कसा तंज,भूखे पेट नौकरी की तलाश में निकले

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर महेश भट्ट आज 77 साल के हो गए हैं। आशिकी, सारांश और सड़क जैसी हिट फिल्में देने वाले भट्ट का निजी जीवन

भी हमेशा चर्चा में रहा। एक न्यूज़ पोर्टल के बातचीत में उन्होंने बचपन की मुश्किलों, करियर की शुरुआत और आज की सोच पर खुलकर बात की। बचपन की यादें और फिल्मों में आने की प्रेरणा के बारे में बात करते हुए महेश भट्ट ने कहा- बचपन की जो सबसे बड़ी याद है, वह मेरी मां का अकेलापन है। फिल्मों में आने की प्रेरणा की बात करूं तो जब इंसान अकेला होता है, तो वह खुद से बातें करने लगता है। मैं भी तन्हाई में अपने मन से कहानियां सुनाता था। असल में कला का जन्म तन्हा जहन में ही होता है। बचपन से ही हर तरह का सिनेमा देखता आया हूं। 8-9 साल की उम्र में जब गुरु दत्त साहब की फिल्म 'प्यासा' देखी। ऐसा लगा कि मैं गुरु दत्त की रूह को जानता हूं। आसिफ साहब की 'मुगल-ए-आजम' देखी, तो लगा कि अदा और हिम्मत हो तो वैसी हो। 'मदर इंडिया' देखने के बाद यह महसूस हुआ कि इससे बड़ी फिल्म भारत में नहीं बनी है। बचपन में ही इन फिल्मों का असर मेरे खून में घुल गया, जिसकी गूंज आज तक मेरे काम में सुनाई देती है. महेश भट्ट के पिता नानाभाई भट्ट उनके साथ कभी नहीं रहे। उनके मां-बाप की शादी नहीं हुई थी। दरअसल, महेश भट्ट के पिता पहले से ही शादीशुदा थे। इसलिए उन्होंने कभी महेश भट्ट की मां को पत्नी का दर्जा नहीं दिया। इस वजह से महेश भट्ट को भी बहुत कुछ झेलना पड़ा। लोग उन्हें नाजायज औलाद कहकर बुलाते थे। महेश भट्ट ने ई टाइम्स को बताया था कि उनके पिता का एक अलग परिवार था। वह घर आते थे, तो कभी जूते नहीं उतारते थे, क्योंकि वह उनके साथ कभी ठहरते नहीं थे। लेकिन फिर भी उनके मां-बाप के बीच प्यार बहुत था। पिता बेटे महेश भट्ट और उनकी मां की सिर्फ आर्थिक रूप और अन्य चीजों के जरिए मदद करते थे। महेश भट्ट भी गुजारे के लिए स्कूल के दिनों में छोटे-मोटे काम करके पैसे कमाते थे। यहां तक कि उन्होंने कुछ प्रोडक्ट्स के विज्ञापन भी बनाए थे। महेश भट्ट ने बताया कि उनकी मां 15 साल की उम्र में नौकरी करने को क्यों कहा था? महेश भट्ट बताते हैं- मां ने एक दिन साफ-साफ कह दिया– बेटा, तुझे खाते हुए अच्छा नहीं लगता, तेरी बहनें काम करती हैं और तू यहां खाना खा रहा है। उस समय खाना छोड़कर हाफ पैंट में निकल गया। मां ने रोका नहीं। एक दोस्त के पास पहुंचा और कहा कि कोई भी नौकरी दिलवा दे। ऐसे मैं 15 साल की उम्र से काम कर रहा हूं। आज 77 साल का हो गया हूं। महेश भट्ट ने करियर की शुरुआत राज खोसला के असिस्टेंट के तौर पर की। राज खोसला से मुलाकात का किस्सा शेयर करते हुए महेश भट्ट ने बताया कि कैसे उनकी सोच का उनके करियर पर असर पड़ा है? महेश भट्ट कहते हैं- 19 साल का था जब राज खोसला साहब से मिला। उनके कमरे में गुरु दत्त की तस्वीर लगी थी। उन्होंने मुझसे पूछा कि फिल्म मेकिंग के बारे में क्या कुछ जानते हो? मैंने साफ कहा कि जी, नहीं।

इस पर उन्होंने हंसकर कहा–बहुत अच्छा, शून्य से शुरू करना सबसे बड़ी बात है। उनकी यह बात मेरी जिंदगी में आज तक बनी हुई है। महेश भट्ट ने इंडस्ट्री में एक से बढ़कर एक टैलेंट को लॉन्च किया है। महेश भट्ट से जब पूछा गया कि जब किसी नए कलाकार को मौका दिया, तो उनका टैलेंट कैसे पहचानते हैं? महेश भट्ट ने कहा- हम एक लाइट हाउस की तरह हैं। समुद्र में जो जहाज भटकते हैं, उन्हें लाइट हाउस रास्ता दिखाता है। मैं जाकर किसी को पकड़ता नहीं हूं, लेकिन जिसे मेरी रोशनी दिखती है, वह खुद आ जाता है। असल में, मेरे अंदर से लोग अपना ही स्वाद पहचानते हैं। मैं किसी को कुछ नया नहीं देता, बस उनके भीतर का बीज बचाता हूं। जैसे माली बीज बोता नहीं, बल्कि उसकी रक्षा करता है। इंसान अपने आप में संपूर्ण है, बस उसे याद दिलाने की जरूरत होती है कि उसमें ताकत पहले से मौजूद है- लोगों को पहचाना और ऊंचाई तक पहुंचने में मदद करना है अपने जन्मदिन की सबसे खूबसूरत याद और 77 साल की उम्र में अपने सबसे बड़े लक्ष्य के बारे में बात करते हुए महेश भट्ट कहते हैं- अब जो भी आएगा, वही सबसे खूबसूरत जन्मदिन की याद होगा। अब मेरा लक्ष्य नए लोगों को पहचानना और उन्हें उनकी ऊंचाई तक पहुंचने में मदद करना है। जैसे बगीचा तभी खूबसूरत बनता है जब उसमें अलग-अलग फूल खिलते हैं। महेश भट्ट अकेले ऐसे फिल्ममेकर हैं, जिन्होंने हर तरह की फिल्में बनाईं। फिल्मों के लिए जितना चर्चाओं में रहे, उतना ही विवादों के कारण सुर्खियों में छाए। ये एकमात्र डायरेक्टर हैं जिन्होंने अपनी ही जिंदगी से प्रेरित 6-7 फिल्में बनाईं। इनमें से 3 एक्ट्रेस परवीन बाबी के साथ उनके संबंधों पर थीं। महेश भट्ट के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'अर्थ' विशेष रूप से परवीन बाबी के साथ उनके रिश्ते से प्रेरित थी। यह फिल्म पति और पत्नी के रिश्ते की जटिलताओं और मानसिक स्वास्थ्य के संवेदनशील विषयों को दर्शाती है, जिसमें फिल्म का मुख्य संदेश यह है कि कुछ विवाहों को लंबे समय तक चलने की आवश्यकता नहीं होती है।इस फिल्म में शबाना आजमी और स्मिता पाटिल ने दमदार महिला किरदारों की भूमिका निभाई थी, जो अपनी जिंदगी के उतार-चढ़ावों का सामना करती हैं। इस फिल्म के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर हमेशा परेशानी भरे होते हैं और कुछ रिश्तों को समाप्त करना ही बेहतर होता है। इस फिल्म के लिए शबाना आजमी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का नेशनल और फिल्म फेयर अवॉर्ड मिला था। शादीशुदा होते महेश भट्ट का परवीन बाबी के साथ रिश्ता था। महिला सशक्तिकरण और मानसिक स्वास्थ्य के विषयों को उठाती थी, जो उस दौर में एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर को लेकर समाज के रूढ़िवादी विचारों के विपरीत थी। 'डैडी' महेश भट्ट के जीवन के अनुभव पर आधारित- फिल्म 'डैडी' महेश भट्ट के निजी अनुभवों पर आधारित थी, जिसमें उनकी बेटी पूजा भट्ट ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। यह फिल्म बाप और बेटी के रिश्ते की जटिलताओं को दर्शाती है, जिसमें पिता का शराब से संघर्ष और बेटी का उसे रोकने का प्रयास शामिल था। फिल्म के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश की गई थी कि रिश्ते की जटिलताओं और संवेदनशीलता को आने वाली पीढ़ी के लिए समझना जरूरी है। यह फिल्म दूरदर्शन पर रिलीज हुई थी।

पूजा भट्ट के पिता का किरदार अनुपम खेर ने निभाया था। 'आशिकी' महेश भट्ट की पहली पत्नी के साथ उनके प्यार भरे रिश्ते से प्रेरित थी, महेश भट्ट ने एक बार खुलासा किया था कि 'आशिकी' उनके पहले प्यार, उनकी पहली पत्नी किरण भट्ट के साथ उनके वास्तविक जीवन के रिश्ते से प्रेरित थी। महेश भट्ट ने किरण को एक संस्थान में दाखिला दिलाया था, जहां उन्हें टाइपिस्ट और शॉर्टहैंड सिखाया गया था, जो फिल्म का एक मुख्य पहलू है। महेश भट्ट की पहली पत्नी का नाम पहले लॉरेन ब्राइट था। शादी के बाद किरण भट्ट रख लिया। फिल्म में दीपक तिजोरी द्वारा निभाया गया दोस्त का किरदार महेश भट्ट के एक दोस्त की भूमिका से प्रेरित था, जिसने उस समय महेश भट्ट की मदद की थी। 'फिर तेरी कहानी याद आई' लिव-इन रिलेशनशिप के अनुभवों से प्रेरित 'फिर तेरी कहानी याद आई' परवीन बाबी के साथ महेश भट्ट के लिव-इन रिलेशनशिप के अनुभवों से प्रेरित थी। इस फिल्म में परवीन बाबी के मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों और ब्रेकअप के भावनात्मक पहलुओं को दर्शाया गया है। इस फिल्म में पूजा भट्ट और राहुल रॉय की लीड भूमिका थी। पूजा भट्ट ने परवीन बाबी और राहुल रॉय ने महेश भट्ट से प्रेरित किरदार निभाया था। यह फिल्म महेश भट्ट के लिए अपनी भावनाओं और अनुभवों को व्यक्त करने का एक तरीका थी.महेश भट्ट की मां के जीवन से प्रेरित थी 'जख्म'- फिल्म 'जख्म' महेश भट्ट के जीवन की सबसे निजी फिल्मों में से एक थी। यह फिल्म उनके पिता नानाभाई भट्ट और मां शिरीन मोहम्मद अली के रिश्ते को भी दर्शाती है, जिसमें मां मुस्लिम और पिता हिंदू थे। फिल्म में एक धर्मनिरपेक्ष महिला की कहानी को दिखाया गया है, जो एक हिंदू से प्यार करती है और अपने बच्चों के पालन-पोषण के लिए संघर्ष करती है। इस फिल्म में पूजा भट्ट ने महेश भट्ट की मां शिरीन मोहम्मद अली का किरदार निभाया था। इस फिल्म को राष्ट्रीय एकता पर आधारित सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का नरगिस दत्त पुरस्कार मिला। इस फिल्म के लिए अजय देवगन को पहली बार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था। परवीन बाबी के जीवन से प्रेरित एक और फिल्म-परवीन बाबी और महेश भट्ट के साथ रिश्ते से प्रेरित एक और फिल्म 'वो लम्हे' बनी। यह फिल्म परवीन बाबी को श्रद्धांजलि देने के लिए बनाई गई थी। यह फिल्म परवीन बाबी के जीवन, उनके सिजोफ्रेनिया के संघर्ष, और महेश भट्ट के साथ रिश्ते से प्रेरित थी। इस फिल्म में कंगना रनौत ने सिजोफ्रेनिया से पीड़ित अभिनेत्री का किरदार निभाया था। फिल्मों के माध्यम से अपने जीवन की सच्चाई सामने लाए- फिल्म 'हमारी अधूरी कहानी' महेश भट्ट के पिता नानाभाई भट्ट, मां शिरीन मोहम्मद अली और उनकी सौतेली मां हेमलता भट्ट की प्रेम कहानी से प्रेरित थी। इस फिल्म को महेश भट्ट ने प्रोड्यूस किया था जबकि फिल्म के डायरेक्टर मोहित सूरी थे। इस फिल्म में विद्या बालन, इमरान हाशमी और राजकुमार राव की लीड भूमिका थी। महेश भट्ट ने कई मौकों पर कहा है कि उनका अधिकांश काम उनके व्यक्तिगत जीवन से ही प्रेरित रहा है। वह अपनी फिल्मों के माध्यम से अपने जीवन की सच्चाइयों को सामने लाना चाहते हैं।

शूटिंग के दौरान चोटिल हुए जूनियर एनटीआर

मुंबई। तेलुगु सुपरस्टार जूनियर एनटीआर एक एड की

शूटिंग के दौरान चोटिल हो गए। हालांकि, उन्हें केवल हल्की चोट लगी। शुक्रवार को उनकी टीम ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर बताया कि वह अब ठीक हैं और तेजी से रिकवर हो रहे हैं। आधिकारिक बयान में कहा गया,'एनटीआर को आज एक एड की शूटिंग के दौरान हल्की सी चोट लग गई। डॉक्टर ने उन्हें कुछ हफ्तों तक आराम करने की सलाह दी है ताकि वह पूरी तरह ठीक हो सकें। उनकी हालत स्थिर है और चिंता की कोई बात नहीं है। हम दिल से फैंस, मीडिया और जनता से गुजारिश करते हैं कि कोई अटकलें न लगाएं।' बता दें कि हाल ही में एनटीआर फिल्म वॉर 2 में ऋतिक रोशन के साथ नजर आए थे। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन उनकी एक्टिंग की तारीफ हुई। वाईआरएफ की इस फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया था। एनटीआर इन दिनों अपनी अगली फिल्म एनटीआर नील की तैयारी कर रहे हैं। इसे 'ड्रैगन' नाम से पेश किया जा रहा है और इसका निर्देशन प्रशांत नील कर रहे हैं। यह फिल्म अगले साल जून में रिलीज होगी। इसके अलावा वह डायरेक्टर नेल्सन दिलीपकुमार की एक अनटाइटल्ड फिल्म पर भी काम कर रहे हैं, लेकिन इस प्रोजेक्ट के बारे में फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

'या अली' गाने के लिए मशहूर जुबीन गर्ग का निधन,स्कूबा डायविंग करते समय घायल हुए थे

मुंबई। 'या अली' फेम सिंगर जुबीन गर्ग का 52 साल की उम्र में सिंगापुर में निधन हो गया। स्कूबा डाइविंग करते वक्त उन्हें सांस लेने में दिक्कत हुई। इसके बाद गार्ड्स ने

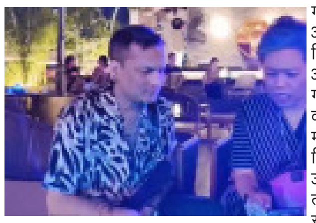

समुद्र से निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी मौत हो गई। जुबीन गर्ग को 2006 में इमरान हाशमी स्टारर फिल्म गैंगस्टर के सॉन्ग 'या अली' से फेम मिला था। वे दो दिन पहले सिंगापुर में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में शामिल होने गए थे। यह तीन दिवसीय फेस्टिवल शुक्रवार यानी 19 सितंबर को शुरू होने वाला था, जिसमें जुबीन 20 सितंबर को परफॉर्म करने वाले थे। नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के प्रतिनिधि अनुज कुमार बोरूआ ने बताया- 'हमें बहुत दुख के साथ जुबीन गर्ग के निधन की खबर बतानी पड़ रही है। स्कूबा डाइविंग के दौरान उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई और उन्हें तुरंत सीपीआर दिया गया, जिसके बाद उन्हें सिंगापुर जनरल अस्पताल ले जाया गया। उन्हें बचाने की कोशिशों के बावजूद, उन्हें आईसीयू में दोपहर 2.30 बजे मृत घोषित कर दिया गया।' जुबीन का जन्म 18 नवंबर 1972 को असम के तिनसुकिया जिले में हुआ था। वे असमिया और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में गायक, संगीतकार, गीतकार, अभिनेता और निर्देशक रहे। उन्होंने असमिया, हिंदी, बांग्ला और अंग्रेजी में गाना गाए। इसके अलावा सिंगर ने बिष्णुप्रिया मणिपुरी, आदि, बोरो, अंग्रेजी, गोलपारिया, कन्नड़, कार्बी, खासी, मलयालम, मराठी, मिसिंग, नेपाली, उड़िया, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, तिवा सहित 40 भाषाओं और बोलियों में 38 हजार से ज्यादा गाना गए। जुबीन असम के हाईएस्ट पेड सिंगर थे। छोटी बहन भी सिंगर थी, उनकी भी हादसे में मौत हुई थी- जुबीन गर्ग की छोटी बहन जोंगकी बारठाकुर भी गायक थी। उनकी 18 साल की उम्र में 23 साल पहले हादसे में मौत हुई थी। स्थानीय मीडिया के अनुसार, 12 जनवरी, 2002 को असम के सोनितपुर जिले में जोंगकी अपने भाई के सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सूटिया शहर जा रही थीं। तभी उनकी कार की ट्रक से टक्कर हो गई। जुबीन भी उसी कार में थे, लेकिन दुर्घटना के कुछ मिनट पहले वे दूसरी कार में शिफ्ट हो गए थे। राहुल ने कहा- उनकी आवाज पीढ़ी की पहचान बनी-पीएम नरेंद्र मोदी, 'लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग के निधन से दुखी हूं। संगीत में उनका योगदान याद रहेगा। परिवार और प्रशंसकों को संवेदना। ॐ शांति।' कांग्रेस नेता राहुल गांधी, 'जुबीन गर्ग का निधन बड़ी त्रासदी है। उनकी आवाज पीढ़ी की पहचान बनी। संघर्ष और साहस से असमिया संगीत को नया रूप दिया। वे हमेशा याद रहेंगे।' असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, 'आज असम ने अपने एक लाड़ले बेटे को खो दिया। जुबीन असम के लिए क्या मायने रखते थे, यह बताने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। वह बहुत जल्दी चले गए, यह जाने की उम्र नहीं थी।' केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, 'खेलो इंडिया गायक जुबीन गर्ग नहीं रहे। उनकी जादुई आवाज और बहुमुखी प्रतिभा हमेशा याद रहेगी। उनके गीत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगे। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।' स्कूबा डाइविंग पानी के अंदर होने वाला एक एडवेंचर स्पोर्ट्स है। इस दौरान स्कूबा ड्राइवर सांस लेने वाले उपकरणों को पहने पानी के अंदर उतरते हैं। आमतौर पर स्कूबा डाइविंग सेफ एडवेंचर स्पोर्ट्स माना जाता है। जिन लोगों को स्विमिंग नहीं आती है, वो भी प्रशिक्षित इंस्ट्रक्टर की मदद से स्कूबा डाइविंग एक्सपीरियंस कर सकते हैं। पानी में तल तक जाने के लिए ड्राइवर को स्नोर्कल मास्क और पंखों के साथ-साथ, पानी के नीचे की दुनिया में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों यानी सेल्फ-कंटेन्ड अंडरवाटर ब्रीदिंग अपरेटस की जरूरत होती है। इसमें एक स्कूबा गियर, एक रेगुलेटर, एक स्कूबा टैंक और एक बाउंसी कंट्रोल डिवाइस शामिल होता है, जिसकी मदद से गोताखोर पानी के भीतर सांस लेते हैं। जिस किसी को भी कार्डियक से जुड़ी प्रॉब्लम होती है, उनके लिए इसे सेफ नहीं माना जाता है।

क्या आपको पीरियड्स के समय बुखार आता है,डॉक्टर से जानें क्या है पीरियड फ्लू, किन्हें ज्यादा जोखिम, कैसे करें बचाव

नयी दिल्ली। पीरियड साइकल में काफी असहज अनुभव होता है। खासतौर पर उन महिलाओं के लिए अधिक असहज होता है, जिनका मेंस्ट्रुअल साइकल अनियमित रहता है। जिन महिलाओं को हर महीने

पीरियड फ्लू होता है, उनके लिए यह अनुभव और भी ज्यादा तकलीफदेह हो सकता है। इसमें हर बार पीरियड्स में फ्लू जैसे लक्षणों का सामना करना पड़ता है। पीरियड से पहले गले में खराश, बुखार और शरीर में कमजोरी या फ्लू जैसी स्थिति होती है। पीरियड महिलाओं की जिंदगी में नेचुरल क्रिया है, लेकिन ये कई बार काफी तकलीफदेह होते हैं। इसका कोई निश्चित आंकड़ा नहीं है कि कितनी महिलाएं पीरियड्स फ्लू का सामना करती हैं। हालांकि, 90फीसदी महिलाओं को प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम का सामना करना पड़ता है। लगभग इन सभी महिलाओं को पीरियड्स फ्लू के लक्षणों का सामना भी करना पड़ता है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज जानेंगे कि पीरियड्स फ्लू क्या है। साथ ही जानेंगे कि- इसके क्या लक्षण हैं? पीरियड्स फ्लू के क्या कारण हैं? इससे कैसे राहत मिल सकती है? पीरियड फ्लू क्या है? इसे मेंस्ट्रुअल फ्लू भी कहा जाता है। यह एक ऐसी स्थिति है जो महिलाओं को उनके पीरियड शुरू होने से पहले, दौरान या बाद में प्रभावित करती है। भले ही यह कोई मेडिकली पुष्टि की गई बीमारी नहीं है, लेकिन यह बहुत सी महिलाओं में देखने को मिलती है। पीरियड के समय शरीर में होने वाले हॉर्मोनल बदलावों के कारण हर महिला पर अलग-अलग असर होते हैं। कुछ लोगों को पीरियड से ठीक पहले ही पीएमएस यानी प्री-मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम का सामना करना पड़ता है। जबकि कुछ को पूरे पीरियड के दौरान तबीयत खराब लगती है। इसमें पीरियड फ्लू जैसे लक्षण महसूस होते हैं इसका कोई स्पष्ट आंकड़ा या वजह नहीं है कि कितनी महिलाओं में पीरियड फ्लू के लक्षण दिखते हैं, लेकिन प्री-मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम बहुत कॉमन है। लगभग 90फीसदी महिलाओं को जीवन में कभी-न-कभी पीएमएस के साथ ये लक्षण दिखते हैं। ज्यादातर मामलों में ये लक्षण हल्के होते हैं और कंट्रोल किए जा सकते हैं। पीएमएस के ज्यादा गंभीर रूप को प्री-मेंस्ट्रुअल डिस्फोरिक डिसऑर्डर कहा जाता है। यह लगभग 5फीसदी महिलाओं को प्रभावित करता है। डॉ. मितुल के मुताबिक, ये एक मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बीमारी है, क्योंकि इससे गंभीर मानसिक तनाव हो सकता है। जिस तरह सामान्य फ्लू के कई कारण हो सकते हैं, वैसे ही पीरियड फ्लू के भी कई कारण होते हैं। इसके सबसे कॉमन कारण ग्राफिक में देखिए। 1. हॉर्मोनल बदलाव- एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन के स्तर में उतार-चढ़ाव शरीर में सूजन और इम्यून सिस्टम की प्रतिक्रिया पैदा कर सकते हैं, जिससे फ्लू जैसे लक्षण महसूस होते हैं। 2. पोषण की कमी- अगर शरीर में विटामिन डी, आयरन, जिंक या मैग्नीशियम जैसे जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो तो थकान, सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। 3. तनाव-तनाव इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है, जिससे शरीर संक्रमण और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की चपेट में आ सकता है। 4. संक्रमण-सामान्य सर्दी-जुकाम जैसे संक्रमण पीरियड के लक्षणों को और खराब कर सकते हैं और पीरियड फ्लू जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं। 5. ऑटोइम्यून डिजीज-लूपस और रुमेटॉइड अर्थराइटिस जैसी बीमारियों से पीड़ित महिलाओं में इम्यून सिस्टम की गड़बड़ी के कारण शरीर में सूजन हो सकती है। 6.

एलर्जी-खाने या किसी और चीज से एलर्जी होने पर भी पीरियड फ्लू जैसे लक्षण दिख सकते हैं। इसमें मतली , सिरदर्द और कमजोरी जैसे लक्षण दिख सकते हैं। 7. एंडोमेट्रिओसिस-इस स्थिति में बच्चेदानी की परत जैसा टिशू गर्भाशय के बाहर बढ़ने लगता है, जिससे भारी और दर्दनाक पीरियड, पेट फूलना और थकावट होती है। 8. एडेनोमायोसिस-इसमें गर्भाशय

की परत मांसपेशियों में अंदर तक बढ़ जाती है, जिससे पीरियड के दौरान बहुत ज्यादा ब्लीडिंग और तेज ऐंठन होती है। 9. थायरॉइड की समस्या-हाइपोथाइरॉइडिज्म और हाइपरथाइरॉइडिज्म दोनों से हॉर्मोनल असंतुलन हो सकता है, जिससे पीरियड से पहले बुखार और फ्लू जैसे लक्षण आ सकते हैं। 10. दवाइयां-कुछ दवाइयां, जैसे पेनकिलर या बर्थ कंट्रोल पिल्स गले में खराश, कंपकंपी, मांसपेशियों में दर्द जैसे फ्लू के लक्षण पैदा कर सकती हैं। कैसे मिलेगी राहत-अगर आपको पीरियड फ्लू हो गया है, तो ऐसे कई आसान उपाय हैं जिनसे आप इसके लक्षणों को कम कर सकते हैं और आराम पा सकते हैं। अगर इन सुझावों पर ध्यान दें तो ये मददगार हो सकता है-पर्याप्त आराम करें: शरीर को ठीक होने के लिए पर्याप्त नींद और आराम दें। इससे थकान कम होगी और शरीर संक्रमण से लड़ पाएगा। पर्याप्त पानी पिएं: खूब सारा पानी और हर्बल चाय जैसी तरल चीजें पिएं। इससे सिरदर्द, पेट फूलना और कमजोरी जैसे लक्षण कम हो सकते हैं। गर्म सिंकाई करें: पेट के निचले हिस्से या कमर पर गर्म पानी की बोतल या हीट पैड रखने से ऐंठन और मांसपेशियों के दर्द में राहत मिलती है। दवाई लें: इबुप्रोफेन या पेरासिटामोल जैसी ओवर-द-काउंटर दवाएं दर्द और बुखार को कम करने में मदद कर सकती हैं। ट्रिगर से बचें: कैफीन, तीखा खाना और शराब जैसी चीजें पीरियड फ्लू, बदहजमी और माइग्रेन को बढ़ा सकती हैं। इनसे दूर रहना बेहतर है। हल्की एक्सरसाइज करें: अगर शरीर साथ दे तो हल्की सैर या योग करें। इससे न सिर्फ शारीरिक लक्षणों में राहत मिलती है, बल्कि तनाव और बेचैनी भी कम होती है। गले के लिए गरारे करें: अगर पीरियड से पहले गले में खराश हो रही है, तो नमक के पानी से गरारे करें लें, खासकर रात में जब दर्द ज्यादा महसूस होता है। गर्म कपड़े पहनें: अगर आपको पीरियड के दौरान बुखार या ठंड लग रही हो, तो खुद को गर्म रखें और परतों में कपड़े पहनें। ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें: अगर आपका गला सूख रहा है या जलन हो रही है, तो कमरे में ह्यूमिडिफायर लगाएं। इससे हवा में नमी बनी रहेगी और राहत मिलेगी।

कानूनी पचड़े में फंसा कपिल शर्मा का शो,अक्षय कुमार के सामने कीकू शारदा बने 'बाबूराव', नेटफ्लिक्स को भेजा गया लीगल नोटिस

मुंबई। प्रोड्यूसर फिरोज नाडियाडवाला ने नेटफ्लिक्स को 'हेरा

फेरी' फ्रेंचाइजी के बाबूराव गणपतराव आपटे के रोल को लेकर लीगल नोटिस भेजा है। नाडियाडवाला की वकील ने कहा कि इस आइकोनिक रोल का बिना अनुमति इस्तेमाल किया गया।न्यूज 18 के अनुसार, नाडियाडवाला की वकील सना रईस खान ने कहा, 'इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी केवल किसी चीज को हल्के में लेने का मामला नहीं है, यह क्रिएटिविटी की जान है। मेरे क्लाइंट के आइकोनिक किरदार का बिना अनुमति इस्तेमाल सिर्फ उल्लंघन नहीं है, बल्कि यह सबसे साफ-सुथरे व्यावसायिक तरीके से चोरी है। कानून उन अधिकारों को कमजोर होने नहीं देगा, जिन्हें कानूनी रूप से हासिल और सुरक्षित किया गया है।' वहीं, इस मामले में अभी तक नडियाडवाला की तरफ से आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। बता दें कि हाल ही में कपिल शर्मा के शो के इस सीजन के आखिरी एपिसोड का प्रोमो सामने आया था। जिसमें एक्टर अक्षय कुमार शो में पहुंचे दिखे। इसी दौरान कॉमेडियन कीकू शारदा बाबू राव जैसे रोल में नजर आए। बाबूराव का किरदार एक्टर परेश रावल ने 'हेरा फेरी' (2000) और 'फिर हेरा फेरी' (2006) में निभाया था। पहली फिल्म का डायरेक्शन प्रियदर्शन ने किया था, जबकि दूसरी फिल्म का दिवंगत डायरेक्टर नीरज वोरा ने किया था। दोनों फिल्मों में अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी भी लीड रोल में थे। अब ये तीनों एक्टर्स फिर से 'हेरा फेरी 3' में एक साथ दिखाई देंगे। फिल्म में बाबूराव, श्याम और राजू के किरदार दोहराए जाएंगे। फिल्म का डायरेक्शन प्रियदर्शन कर रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।